

वार्षिक प्रतिवेदन 2018-19



केन्द्रीय लुग्दी एवं
कागज अनुसंधान संस्थान

वार्षिक प्रतिवेदन

2018-19



केन्द्रीय लुग्दी एवं कागज अनुसंधान संस्थान

केंद्रीय एवं राज्य स्तरावर, लुग्दी संशोधन और केंद्रीय अन्वयन विभाग

भारत सरकार के औद्योगिक विभाग में

संशोधन और विकास के अन्तर्गत प्रोजेक्ट एवं कार्यवाही अन्तर्गत

अनुक्रमणिका

निदेशक की कक्षा से	1
कार्यक्रम समन्वय प्रयोग की अनुमति	4
प्रस्ताव	13
सर् 2018-19 की प्रमुख समीक्षाएँ	20
समस्त भारत विद्या की प्रतिवेदन	26
प्रशासनिक एवं शिक्षण के प्रतिवेदन	29
सूची, समस्त की प्रमुख सूची से प्राप्त प्रत्येक प्रयोग	39
प्रत्येक प्रयोग की प्रमुख सूची	41
प्रत्येक प्रयोग की प्रमुख सूची	51
सूची प्रयोग, प्रत्येक प्रयोग की प्रमुख सूची	55
प्रयोग की प्रमुख सूची/ प्रयोग की प्रमुख सूची	60
प्रयोग की प्रमुख सूची/ प्रयोग की प्रमुख सूची	63
प्रयोग की प्रमुख सूची/ प्रयोग की प्रमुख सूची	66
प्रयोग की प्रमुख सूची/ प्रयोग की प्रमुख सूची	67
प्रयोग की प्रमुख सूची/ प्रयोग की प्रमुख सूची	69
प्रयोग की प्रमुख सूची/ प्रयोग की प्रमुख सूची	73
प्रयोग की प्रमुख सूची/ प्रयोग की प्रमुख सूची	74
प्रयोग की प्रमुख सूची/ प्रयोग की प्रमुख सूची	75
प्रयोग की प्रमुख सूची/ प्रयोग की प्रमुख सूची	79
प्रयोग की प्रमुख सूची/ प्रयोग की प्रमुख सूची	85



निदेशक की कलम से

केन्द्रीय सुप्री एवं कामज अनुसंधान संस्थान, सहायपुर की वर्ष 2018-19 के वार्षिक इतिवेदन को प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत हर्ष हो रहा है।

मुझे यह सुचित करते हुए खुशी है कि सी.पी.पी.आर.आई. ने इस वर्ष जी.आई.जी.डब्लू (भारत सरकार की वेबसाइटों के लिये निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार) वेबसाइट विकसित कर ली है। आगे, कार्यक्रमालय में सुचारु करने के लिये सी.पी.पी.आर.आई. ने कार्योत्पन्न स्वचालन सॉफ्टवेयर को विकसित करने की प्रक्रिया आरम्भ कर दी है जिसमें ई-फाइल प्रबंधन, प्रकाशन, एच.आर.एम.एस., नैशनल पत्रक और वार्षिक प्रवेदन, कब एवं कस्त सुची प्रबंधन और ऑन लाइन पार्टी प्रणाली सम्मिलित है।

मुझे यह सुचित करने में भी प्रसन्नता है कि परियोजना आधारित मार्गदर्शन और जलसमी-डोमोनीपीएमआई द्वारा कितनी सीमित परियोजनाओं के तहत सी.पी.पी.आर.आई. की प्रगति भी संतोषजनक है।

इस वर्ष भी सी.पी.पी.आर.आई. ने केन्द्रीय प्रशिक्षण निदेशिका बोर्ड (सी.पी.सी.बी.) की पंच वटी को फरवरी में 39 से अधिक सकल प्रशिक्षणकारी व्यक्तियों (जेपीआई) की पर्यवेक्षण स्थिति को निगरानी के लिये तृतीय पक्ष के रूप में लगातार सफलतापूर्वक सहायता की जिसमें कपड़ और सामाजिक व्यक्तियों के साथ-साथ कसई घर भी शामिल थे।

मुनिटी (आईसी-आईएसआईटी) के साथ अप्रैल 2018 से मार्च 2019 की अवधि में "सुप्री एवं कामज के क्षेत्र में अग्रगण्य वृद्धि हेतु अप्रुक्त प्रौद्योगिकियों के विकास एवं अभिसङ्ग" परियोजना के द्वितीय भाग की परियोजना गतिविधियों को वैश्वी के लिये परस्पर विश्वास निर्माण हो रहा है। द्वितीय भाग कस्टोरी हो आरम्भ होने की उम्मीद है।

वर्तमान कामज संघ (जेपीए) ने एआईटीआई, भारत में सी.पी.पी.आर.आई. को "भारत में संसदीय रूढ़ी कामज की पुनः प्राप्ति की दृष्टि में वृद्धि" परियोजना के लिये भी सम्पर्क किया। सी.पी.पी.आर.आई. "भारत में कामज पुनः विकाश की स्थापना और रूढ़ी कामज आधार में प्रवर्धित रूढ़ी कामज आधुनिकीकरण" पर एक इतिवेदन तैयार करने में शामिल हो लिये केरीय को प्रस्तुत किया गया।

सी.पी.पी.आर.आई. ने विभिन्न राष्ट्रीय और अन्तराष्ट्रीय संस्थाओं जैसे चंडीगढ़ राष्ट्रीय सुप्री एवं कामज अनुसंधान संस्थान के साथ सुन्दरीकरण और कामज विलोपन के क्षेत्र में सहयोगी अनुसंधान कार्य के लिये, एन.एम. के.आई. के साथ सामाजिक पुनःप्राप्ति के क्षेत्र में सहयोगी अनुसंधान एवं विकास की गतिविधियों, सी.पी.सी.बी., मुख्यालय के साथ दार्जिलिंग सहयोगी के कलम और के.पी.एम. केरीय प्रतिरोधी कामज के विकास, क्लिफा लैब्स, आई.आई.टी., दिल्ली के साथ पुश्तान के वार्षिकी सुन्दरीकरण और परियोजनागत प्रक्रिया के अनुसंधान के क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास के सहयोग के लिये, फुमा लैब्स प्रा.लि., पुरो के साथ पौर परम्परागत कच्ची सामग्रीयों से अग्रत विकास के



श्रीधरी संयुक्त समूहों के लिये समझौते किये।

अन्तर्राष्ट्रीय परामर्शों के संदर्भ में, पीटी रिबू प्रिमा इन्वर्डी (एफिल ग्रुप), इंडोनेशिया को उनके तीन 5000 रत के ठेस ज्वालन पुनःप्रति आइटनों से काम भाग ज्वालन की समस्या के निवारण हेतु तकनीकी परामर्श उपलब्ध कराया गया।

सी.पी.पी.आर.आई. पुस्तकालय ने सुप्री एवं कामज और संबद्ध अडों से संबंधित महत्वपूर्ण डी. कितानों को समझाईय किया गया, जो सेंटना वाइकट स्टेशन पर उपलब्ध है। सभी डी. पुस्तकों को सी.पी.पी.आर.आई. पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं द्वारा वाइकट, सेंट और रिट किया जा सकता है।

सी.पी.पी.आर.आई. ने दिसम्बर 2018 में "सुग्रीकरण और विनिमय प्रौद्योगिकी के साथ जीव प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग में उन्नति" पर और फरवरी 2019 में "सुप्री एवं कामज अडों में वायु प्रदूषण का प्रबंधन" पर सम्मेलन पूर्वक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये। अप्रैल 2018 में "राष्ट्रीय मॉटर प्रतिस्थापन कार्यक्रम" पर दो तकनीकी बैठक ईमेल के साथ संयुक्त रूप से आयोजित की गई। सी.पी.पी.आर.आई. विभिन्न विज्ञानिकालों और कालों के अडों को प्रीम कालीन ज्ञान अवधि प्रशिक्षण भी उपलब्ध कराता है।

संस्थान के सर्वोपेक्ष प्रयासों से विभिन्न अधिकारियों को तकनीकी, परीक्षण एवं परामर्श सेवाएं प्रदान करने के परिणामस्वरूप वर्ष 2018-19 में रु. 276.83 लाख का आनंशिक राशस्व (आई.आर.बी.) अर्जित हुआ।

प्रचाराय सुका एवं पास्टरी कार्यालयों के अडों में संस्थान सूचना का अधिकार, केंद्रीय सहकला आयोज एवं संस्कृति मंत्रालय, राष्ट्रीय अभिलेखागार आई के निदेशों का सक्रिय से पालन कर रहा है। हिन्दी अडों संस्थान के दैनिक कार्यों में हिन्दी को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत है।

भारत सरकार के स्वच्छ भारत अभियान के तहत सी.पी.पी.आर.आई. जलकृता अभियान के आयोजन, लिये हुये पत्तों से वैकिक खाद बनाने आदि कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से अपने प्रयास कर रहा है।

सी.पी.पी.आर.आई. में वर्ष के दौरान कर्मचारियों एवं उनके परिवारों के सदस्यों के बीच सार्वजनिक स्थलों के प्रति जागरूकता ज्वालन करने के लिये राष्ट्रीय और अन्य महत्वपूर्ण दिवसों जैसे स्वतंत्रता दिवस, मातांज दिवस, अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस, सहकला जागरूकता सप्ताह, राष्ट्रीय उत्पादकता सप्ताह, सहकला दिवस इत्यादि उत्साह पूर्वक मण्ये गये।

संस्थान श्री रमेश अधिकारी, आई.ए.एस., सचिव, अडोंमसंघर्ष एवं अंतरिक व्यापार, वाणिज्य एवं अडों मंत्रालय, भारत सरकार एवं अध्यक्ष, कांटेमिल ऑफ एमोमिशन (सी.ओ.ए.) द्वारा प्रदत्त मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन के लिये जाभाती है। संस्थान श्री अचल अग्रवाल, आई.पी.एस., संयुक्त सचिव, अडोंमसंघर्ष एवं अंतरिक व्यापार विभाग, वाणिज्य एवं अडों मंत्रालय, भारत सरकार एवं अध्यक्ष, सी.पी.पी.आर.आई. अनुसंधान सलाहकार समिति (आर.एस.सी.) एवं सुप्री, कामज एवं संबद्ध अडों की विकास परिषद की अनुसंधान प्रबालन समिति (आर.एस.सी.-डी.सी.पी.पी.ए.आई.) के मार्गदर्शन और व्यावसायिक नेटवर्क के लिये भी जाभात प्रकट करता है।

संस्थान सुप्री, कामज एवं संबद्ध अडों की विकास परिषद (डी.सी.पी.पी.ए.आई.), सी.पी.पी.आर.आई. की कांटेमिल ऑफ एमोमिशन (सी.ओ.ए.) और सी.पी.पी.आर.आई. अनुसंधान सलाहकार समिति (आर.एस.सी.) के अध्यक्ष एवं सप्योजित सदस्यों के सहयोग मार्गदर्शन और प्रोत्साहन की भी निर्यापूर्ण सहायता करता है।

संलग्न निर्दिष्ट कागज मिलों के संगी जैसे भारतीय कागज विनिर्माता संघ (आई.पी.एम.ए.), भारतीय अख़बारी कागज विनिर्माता संघ (आई.एन.एम.ए.), भारतीय कृषि एवं पुनःचक्रित कागज मिलों का संघ (आई.ए.आर.पी.एम.ए.) और भारतीय पुनःचक्रित कागज मिलों का संघ (आई.आर.पी.एम.ए.) के साथ-साथ तुम्हें एवं कलान और सम्बद्ध ज्योंही द्वारा सी.पी.पी.आर.आई. को निर्दिष्ट गतिविधियों में उनकी सहायता के लिए पन्थवाद देना है।

यै सी.पी.पी.आर.आई. को प्रगति एवं विकास के लिए सी.पी.पी.आर.आई. के वैज्ञानिकों, तकनीकी संचाल, प्रशासनिक और कला एवं लेखन विभाग के कार्यकर्तियों को भी पन्थवाद देना चाहते हैं, जिनकी प्रतिबद्धता, समर्पण और सामुहिक कार्यों के फलस्वरूप सी.पी.पी.आर.आई. को प्रगति हो रही है।

प्रतिपक्ष कर्मिणाल

डा. सी.पी.अधिनियम

भारतीय कागज उद्योग की प्रमुखतायें (2018-19)

भारत में कागज की मांग वर्ष 2018-19 में तीसरातम 6 प्रतिशत भी.ए.जे.आर. रही। सरकार के द्वारा जलसिक्तों की भारी के लिये को गई प्रस्ताव में शिक्षा पर विशेष ध्यान देने के कारण कागज की बढ़ती मांग भी एक मुख्य कारक रहा है।

एफ.यू.ओ. द्वारा कागज के वैश्विक उत्पादन को लिये दिये गये आंकड़ों की अनुसार भारत की हिस्सेदारी में कागज, गल्ला और अखबारों कागज का 4.29 प्रतिशत योगदान हुआ है।

परिदृष्टिगत है, भारत के औद्योगिक क्षेत्रों में यह क्षेत्र लगातार एक प्रमुख निर्यातक है, जिसके द्वारा 0.6 लाख टनों की उत्पाद रूप में एवं 1.6 लाख टनों की आयात से रोजगार उपलब्ध हो रहा है। पहिले में लगभग 4 लाख टन उत्पादन के कारण आयातित कागज उपयोग आ रही है और इस लिये स्थाई कृषि आधारित आर्थिकी के कारण यह क्षेत्र किसानों को लाभ को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा।

वर्तमान में, इस क्षेत्र ने रु. 67,000 करोड़ का व्यापार किया है, जिसके कारण राजकोष में रु. 8000 करोड़ का योगदान हुआ।



क्षेत्र की विशेषतायें-

विश्व व्यापार के इस क्षेत्र में सतत, अनुपेक्षित क्षेत्रों से 100 प्रतिशत एफटीआई अनुमान है। इस क्षेत्र में 850 से अधिक कागज की इकाइयाँ कार्यरत हैं, जिनकी कुली, कागज, गल्ला और अखबारों कागज निर्यातों की लगभग 27 मीलिफन टन की क्षमता है जिसमें से 4.73 मीलिफन टन का उपयोग नहीं हो रहा है। आज के दिन तक लगभग 497 मिलें। प्रचलन में है जिसकी कुल क्षमता लगभग 22.73 मीलिफन टन (2017-18) है। वर्ष 2017-18 में कुल निर्माण क्षमता का लगभग 90 प्रतिशत उपयोग हुआ। कागज, गल्ला और अखबारों कागज की कुल क्षमता 21.25 मीलिफन टन रही।

इस क्षेत्र के भीतर एकत्रीकरण के कुछ कदम लिये गये, लेकिन भारतीय कागज उद्योग बहुत दूर तक नहीं चला हुआ है, जिसमें मिलों की निर्माण क्षमता 05 से 1650 टन प्रति दिन तक है। कुल उत्पादन में कागज आयातित मिलों का हिस्सा 18 प्रतिशत, कृषि-आधारित आयातित 09 प्रतिशत और पुनः निर्माण कागज आयातित मिलों की कार्यकारी 73 प्रतिशत है।

2018 में भारत में प्रति व्यक्ति कागज की क्षमता लगभग 14 कि.ग्र. है जो कि विश्व की औसत (53 कि.ग्र.) क्षमता से काफी कम

है। यदि कर्रेशन में बढ़ती हुई आय और प्रति व्यक्ति आय के स्तर के साथ खेती का उत्पादन जारी रहा (जैसे एफ.एल.सी.बी. उत्पादों के लिये गैरसर मुफ्तता वाले फिनेंशियल करणों की राशि में वृद्धि, बाजार में एक्सपोर्ट की प्रतिस्पर्धा करने के लिये उद्योगों या गैर सरकारी, वैसा करने के लिये बढ़ती प्रतियोगिता और बढ़ते औद्योगिक क्षेत्र से प्रति व्यक्ति खेती निम्नतम प्रतिशत में 20 फी.सी. तक होने की सम्भावना है। यह करण वृद्धि का एक बहुत आकार दर्शाता है।

त्वरित स्नेफार्ड:

करण क्षेत्र की एक त्वरित समीक्षा का स्नेफार्ड नीचे दिया गया है।

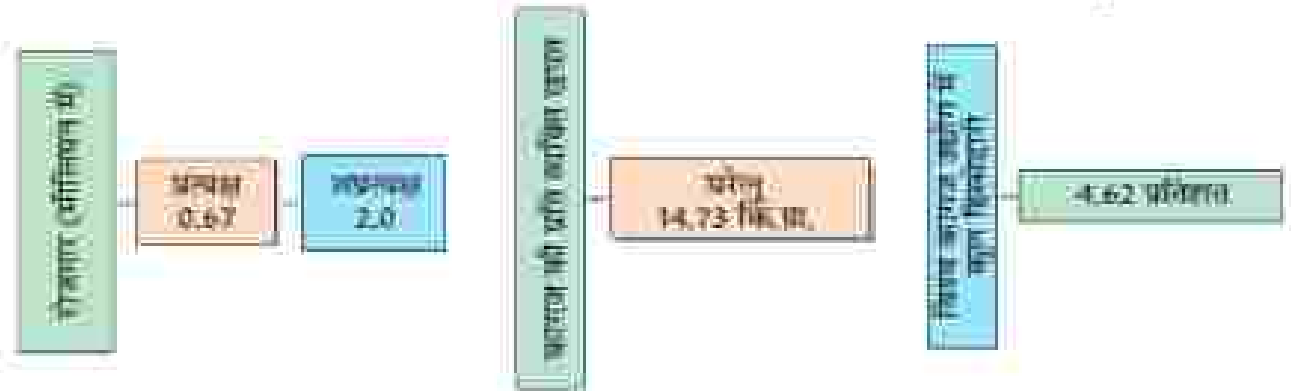
भारतीय कागज उद्योग प्रोफाइल



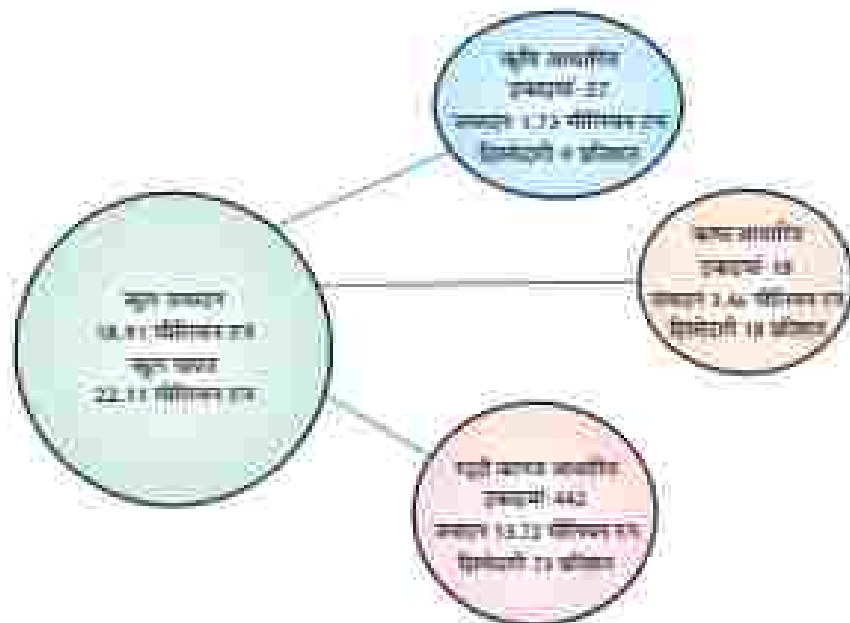
क्षमता वितरण (मिलियन टन)



रोजगार, प्रतिव्यक्ति कागज खपत, विश्व कागज उद्योग में कुल हिस्सेदारी



खण्डवार वितरण



सुपरीय प्रदर्शन



स्रोत : राष्ट्रीय उद्योगों की उपज - सी.पी.सी.आई.आई.

कभी से कागज निर्माण में प्रयोग होने वाली कागजी सामग्री के निरालेख से संकेत मिलते हैं कि मुख्यतः पर्यावरणीय कार्यों की कसर से अधिकतम कागज उत्पादन, स्टील कागज की काली सामग्री को और परिष्कृत हो रहे हैं।

औद्योगिक जाँच

क. कागज और गला उद्योग

पेपर कागज और गला उद्योग विभिन्न प्रकार के कागसों का उत्पादन करते हैं जिसकी बाजार में मांग है जैसे लेखन एवं मुद्रण (35 प्रतिशत), पैकेजिंग कागस (34 प्रतिशत), अलुमिनीयम कागस (7 प्रतिशत) और अन्य एवं विशेष कागस (4 प्रतिशत से कम)। वर्यपि, कुछ विशिष्ट कागस जैसे लेखन कागस, प्रीमियम कागस और केरु का कागस इत्यादि देश में आयात किये जा रहे हैं। यह वर्ष (2016-17) के 16.91 मिलियन टन की तुलना में वर्ष 2017-18 में कागस और गले का उत्पादन 18.91 मिलियन टन रहा। कागस उत्पादन में तेज वृद्धि का मुख्य कारण मिली द्वारा चालू फ्लैट परियोजनाओं के अन्तर्गत अपनी उत्पादन क्षमता का विस्तार करना है।

वर्ष 2016-17 के दौरान, आईटीसी संड 48 के तहत 1.88 मिलियन टन कागस और गले का आयात हुआ जबकि यह वर्ष (2017-18) में यह संख्या 2.13 मिलियन टन थी। यह आयात में 11 प्रतिशत की कमी दिखाता है। दूसरी ओर वर्ष 2016-17 में 1.88 मिलियन टन कागस और गला निर्यात हुआ जो वर्ष 2016-17 से 42 प्रतिशत अधिक है।

विभिन्न प्रकार के कागजों के रुझान एवं उत्पादन कुटि का विश्लेषण:



स्रोत: भारतीय कागज की जनगणना सर्वेक्षण - सी.पी.पी.आर.आई.

अंकड़ों की भुविगत असूखे कागज सेज के लिये और खोलने वाली है। निर्धारित उत्पादन में मिलकर एकदो हई दिखई दे रही है।

असूखे कागज को काम में लेने से असूखे कागज का उत्पादन अधिक बढ़ाई हो जायेगा।

विदेश व्यापार

वर्ष	निर्यात मंडी (मिलियन टन)			आयात मंडी (मिलियन टन)		
	असूखे कागज	काम में एवं पैकेजिंग	कुल	असूखे कागज	काम में एवं पैकेजिंग	कुल
2010-11	0.011	0.910	0.921	1.25	0.760	2.010
2011-12	0.010	0.760	0.770	1.43	0.960	2.390
2012-13	0.009	0.790	0.799	1.24	1.130	2.370
2013-14	0.008	0.830	0.838	1.38	1.190	2.570
2014-15	0.010	0.940	0.950	1.34	1.338	2.678
2015-16	0.005	0.980	0.985	1.50	1.486	2.986
2016-17	0.0042	1.040	1.040	1.58	2.726	4.306
2017-18	0.0068	1.329	1.336	1.44	2.431	3.571
2018-19	0.01272	1.889	2.016	1.36	1.889	3.249

स्रोत : वाणिज्य मंत्रालय-ऑकटे विंग



कागज क्षेत्र का उत्पाद संतुलन जो कि आपात के लगभग बढ़ने के कारण असंतुलित हो गया था वर्ष 2018-19 में बाजार को निर्यात के कारण संतुलित हो गया है। बाजार यह असंतुलित रहता है।

वर्तमान बाजार का आकार

विभिन्न आकार के कागज	मिलियन टन में			
	स्थल उत्पादन	कागज का आयात	निर्यात	घातिसक आयात
कॉटेजग्रेड	10.21	1.71	0.78	11.14
मिड रैंज ग्रेड	0.62	0.35	0.52	0.45
कॉन्सुमी ग्रेड	1.37	1.45	0.01	2.81
कुल	0.71	0.07	0.01	0.77
कुल	18.91	3.58	1.32	21.16

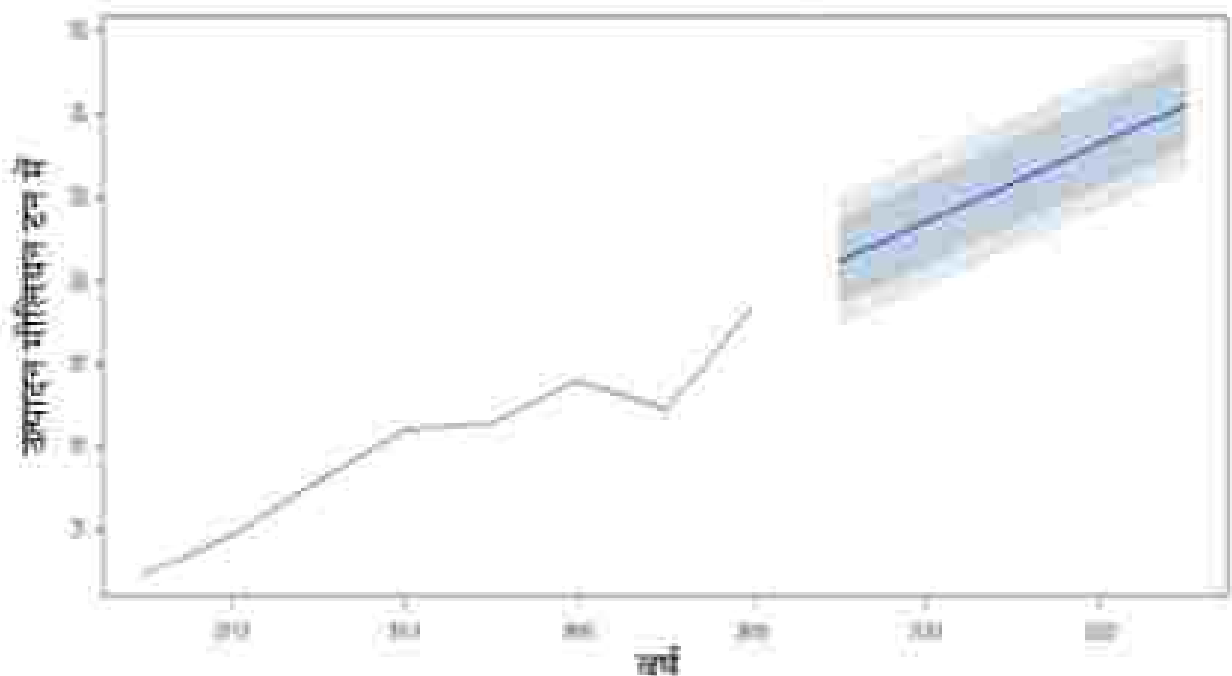
स्रोत: भारतीय कागज की जनगणना सर्वेक्षण - सी.पी.पी.आर.आई.

बाजार को कुल आयातों को ध्यान में रखते हुए वर्तमान में कागज क्षेत्र की बाजार में मांगेदारी 21 मिलियन टन है।

भविष्य के अनुमान : (होल्डिंग-विंटर अनुमान)

वर्ष 2011-2018 को वर्षों के उत्पादन के आंकड़ों का होल्डिंग-विंटर अनुमानों से विस्तारित वर्ष 2022-2023 तक उत्पादन के पूर्वानुमान के तथ्य निम्न प्रदर्शित किया गया है।

कागज, गल्ला एवं अखबारी कागज का अनुमानित उत्पादन



वर्ष	बिन्दु का पूर्वानुमान (मिलियन टन में)
2019	20.47
2020	21.41
2021	22.35
2022	23.29
2023	24.23

स्रोत: भारतीय कागज की जनगणना सर्वेक्षण - सी.पी.पी.आर.आई.

समय भ्रंशता जाँकड़ी के आधार पर अनुमान है कि वर्ष 2023 तक देश में 24 मिलियन टन कागज, मातृ और अक्षरों कागज उत्पादित किया जाएगा।

कमजोरियों/आपत्तियों के प्रवाह बिंदु का विश्लेषण

निम्न बिंदु इस क्षेत्र की कमजोरियों और चुनौतियों को प्रदर्शित करता है। चूंकि देश में अधिकतम उत्पाद रफ्टी कागज से आते हैं इसलिए इसकी कम वसूली एक बिंदु का कारण है। कागज आधारित क्षेत्र में सुंदरी के लिए निर्धारित वृक्षारोपण हेतु निम्न कोटीकृत भूमि की कमी का कारण बन सकती है।

प्रौद्योगिकी अप्रगता भी समय परिचालन क्षमता को प्रभावित करने वाली एक समस्या बनी सकती है।

- रफ्टी कागज का कम वसूली
- निर्धारित वृक्षारोपण के लिये निम्न कोटीकृत भूमि की उपलब्धता का न होना
- कच्ची और तनुपलत अमक
- उच्च परिसर्याधी क्षेत्र और सीमित प्रजातन सीमा
- सरकार के कानून और उनका अनुपालन
- उच्च लागत के कारण तकनीकी हस्तक्षेप का निम्न स्तर

चुनौतियाँ और उनके आगे का मार्ग

काफ़ी आपूर्ति कच्ची सामग्रियों की निम्नलिखित आपूर्ति व्यवस्था न हो पाना भारतीय कागज उद्योग के विकास में बाधा का एक प्रमुख कारक है जिससे इस उद्योग के विकास में स्थिरता आती है। सिर्फ आरसीएफ आधारित सिस्टी में बाजार में 13 मिलियन टन का उत्पादन पहुँचाया है। भविष्य के अनेक आपूर्ति मिलें थीं कच्ची सामग्रियों की आपूर्ति के लिये संघर्ष कर रही है और कोशिश कर रही है कि उत्पादन में उनकी लागतों में 10 प्रतिशत तक रहे।

आरसीएफ क्षेत्र तेजी से उन्नति कर रहा है। पर उनकी कच्ची सामग्रियों की मांग भी रद्दी कागज के अभाव से पूरी होती है। इसलिए सस्ते रद्दी कागज की प्राप्ति भी बहुत बहुत महत्वपूर्ण है।

उद्योग के वृद्धि के लिये योग्य सकारात्मक है और समूह एवं फैब्रिकर के कार्यान्वयन के बाद लगभग 2 मिलियन टन वार्षिक उत्पादन कागज उद्योग द्वारा बाजार में पहुँचा है जो कि वर्ष (2016-17) में 16.91 मिलियन टन और वर्ष (2017-18) में 18.91 मिलियन टन था। यह अनुमानित किया जाता है कि वर्ष (2019-20) के लिये उत्पादन 19 मिलियन टन से 19.50 मिलियन टन के बीच रह सकता है।

स्रोत- सी.पी.पी.आर.आई. सांख्यिकी इकाई

प्रबन्धन

कार्यसिल ऑफ एग्सेसिटेशन :

15 सदस्यीय कार्यसिल ऑफ एग्सेसिटेशन संस्थान का सर्वोच्च निम्नान है। इसके सदस्य कानून उद्योग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डी.एम.टी.), वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद् (सी.एम्.आई.ओर.), नई दिल्ली, भारतीय वायुमयी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् (आई.सी.एफ.आर.ई.), देहरादून, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई.आई.टी.), भद्राचल, भारतीय अणुऊर्जा कानून विनियमिता संघ (आई.एन.एम्.ए.), भारतीय कृषि एवं पशु-चकित कानून मिल्स संघ (आई.ए.आर.पी.एम्.ए.), भारतीय पशु-चकित कानून मिल्स संघ (आई.आर.पी.एम्.ए.), भारतीय जूरी एवं कानून तकनीकी संघ (आई.पी.पी.टी.ए.) इत्यादि का प्रतिनिधित्व करते हैं। सी.पी.पी.ओर.आई. की कार्यसिल ऑफ एग्सेसिटेशन के अध्यक्ष को नियुक्ति भारत सरकार द्वारा की जाती है। संस्थान में श्री रमेश अधिषेक, आई.ए.एम्.-सचिव, उद्योग संवर्धन और आन्तरिक व्यापार विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार, संस्थान की कार्यसिल ऑफ एग्सेसिटेशन के अध्यक्ष है। श्री अनिल अठवाल, आई.पी.एम्., संयुक्त सचिव, उद्योग संवर्धन और आन्तरिक व्यापार विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार, संस्थान की कार्यसिल ऑफ एग्सेसिटेशन के कार्य से जुड़े हुए हैं। कार्यसिल ऑफ एग्सेसिटेशन का पुनर्गठन दिनांक 30 जनवरी 2019 को किया गया था।

कार्यसिल ऑफ एग्सेसिटेशन का संयोजन:

अध्यक्ष	सचिव, भारत सरकार, उद्योग संवर्धन और आन्तरिक व्यापार विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
संयोजक	संयुक्त सचिव, भारत सरकार, उद्योग संवर्धन और आन्तरिक व्यापार विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
सदस्य-सचिव	जिम्मेदार केन्द्रीय जूरी एवं कानून अनुसंधान संस्थान, सहायनपुर
सदस्य-सरकारी विभाग से	1
सदस्य-वैधानिक संस्थाओं से	2
सदस्य-वैज्ञानिक संस्थाओं से	2
सदस्य-कानून उद्योग से	7

सी.पी.पी.आर.आई. की कार्टेजिल ऑफ एसेसिएशन की सूची

1.	श्री रमेश अविषेक, आई.ए.एस. सचिव उद्योग संवर्धन एवं आंतराष्ट्रिक व्यापार विभाग (डी.पी.आई-आई.टी.) तामिऴनल एवं उद्योग संवर्धन, भारत सरकार	अध्यक्ष
2.	श्री अनिल अयंगर, आई.पी.एस. संयुक्त सचिव उद्योग संवर्धन एवं आंतराष्ट्रिक व्यापार विभाग (डी.पी.आई-आई.टी.) तामिऴनल एवं उद्योग संवर्धन, भारत सरकार	
3.	श्रीमती सुनीता पादल निदेशक (आई.एच.डि.सि. आई.पी.सी.) उद्योग संवर्धन एवं आंतराष्ट्रिक व्यापार विभाग (डी.पी.आई-आई.टी.) तामिऴनल एवं उद्योग संवर्धन, भारत सरकार	
4.	श्री मधुकर मिश्रा अध्यक्ष लुन्दी, भागल एवं सम्बद्ध उद्योगों की विकास परिषद् एवं महा अध्यक्ष, स्टार पेपर मिल्स लि.	
5.	श्री रविन्द्र गौड़ वैज्ञानिक-डी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार	
6.	डा. रामेश कुमार निदेशक सीएचआईआर- राष्ट्रीय पत्रिकीय अभिधौत्रिकी अनुसंधान संस्थान, जयपुर	
7.	डॉ. धर्म दत्त प्रोफेसर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की (सागरपुर परिसर)	
8.	श्री एस.डी. शर्मा, आई.एस.एस. ज्य. महानिदेशक (अनुसंधान) भारतीय आंत्रिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, देहली	
9.	श्री रोहित पंडित सहसचिव भारतीय कागज विनिर्माता संघ (आई.पी.एस.ए.), नई देहली	
10.	श्री आर. विजय कुमार सहसचिव भारतीय अखण्डी कागज विनिर्माता संघ (आई.एस.एस.ए.) नई देहली	

11.	<p>ಶ್ರೀ ಕಮೋದ ಅಡ್ಡಬಾಲ</p> <p>ಅಧ್ಯಕ್ಷ</p> <p>ಭಾರತೀಯ ಕೃಷಿ एवं ಪುನ:ವಿಕಸಿತ ಕಾಲುವೆ ಮಿಷನ್ ಸಂಘ (आई.ए.आर.पी.एच.ए.) एवं मुख्य प्रबन्ध निदेशक, राधा ऐयर मिल्स लि.</p>	
12.	<p>डा. आर.सी. रस्तोगी</p> <p>अध्यक्ष</p> <p>भारतीय पुन:विकसित कालुब मिशन संघ (आई.आर.पी.एच.ए.) एवं मुख्य प्रबन्ध निदेशक, सहयोग भाइबरस लि.</p>	
13.	<p>श्री संजय के. सिंह</p> <p>अध्यक्ष</p> <p>भारतीय लुटरी एवं कालुब तकलीबी संघ (आई.पी.पी.टी.ए.)</p>	
14.	<p>श्री देवेश खेतान</p> <p>अतिरिक्त निदेशक</p> <p>समर्थ एंड फैमिलिस (एस.ए.) लि., बरोलखाला</p>	
15.	<p>डॉ. बी.पी. बंधनिसाल</p> <p>निदेशक</p> <p>केन्द्रीय लुटरी एवं कालुब अनुसंधान संस्थान</p>	सदस्य-सचिव

अनुसंधान सलाहकार समिति (आर.ए.सी.)

संस्थान की अनुसंधान सलाहकार समिति में प्रमुख वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकीविद् एवं सम्बन्धित विभागों जैसे- उद्योग संवर्धन एवं आर्थिक व्यापार विभाग, खाणिक्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डी.एम.टी.), वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिक अनुसंधान परिषद (सी.एम.आई.आर.), भारतीय जलिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् (आई.सी.एफ.आर.ई.), देहरादून तथा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई.आई.टी.), सहायी इत्यादि के प्रतिनिधि शामिल हैं। आरएसी संस्थान के सी.पी.आई.आई.टी. (जिन्हें पहले पंचवर्षीय योजना के नाम से जाना जाता था) परियोजना आगति सहायता के तहत विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा-समीक्षा पर नियंत्रण का कार्य है। श्री अनिल अग्रवाल, आई.पी.एन., संयुक्त सचिव, उद्योग संवर्धन एवं आर्थिक व्यापार विभाग, खाणिक्य एवं उद्योग मंत्रालय, संस्थान की अनुसंधान सलाहकार समिति के अध्यक्ष हैं।

अनुसंधान सलाहकार समिति का संघोधान	
अध्यक्ष	संयुक्त सचिव, भारत सरकार उद्योग संवर्धन और आर्थिक व्यापार विभाग, खाणिक्य एवं उद्योग मंत्रालय
सदस्य-सचिव	निदेशक केंद्रीय सूची एवं बाण्य अनुसंधान संस्थान, भाग्यपुर
सदस्य-सरकारी विभाग से	3
सदस्य-वैज्ञानिक संस्थानों से	1
सदस्य-वैज्ञानिक संस्थानों से	3
सदस्य-बाह्य उद्योग से 10	10
कर्मचारी/प्रौद्योगिकीविद्	3

सी.पी.पी.आर.आई. की अनुसंधान सलाहकार समिति के सदस्यों की सूची

1.	श्रीमती डॉ. क. कुमार, आई.ए.सी.एस. (जून 2018 तक) श्री अभिल अग्रवाल, आई.पी.एस. (जून 2018 से) संयुक्त सचिव उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग (डी.पी.आई.आई.टी.) वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार	अध्यक्ष
2.	श्रीमती सुनीता वाटव निदेशक आई.एफ.बिज-आई.पी.पी. (डी.पी.आई.आई.टी.) उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार	
3.	श्री ए.पी. सिंह (अक्टूबर 2018 तक) डा. एम.एम. गुप्ता (अक्टूबर 2018 से) वरिष्ठ विकास अधिकारी उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग (डी.पी.आई.आई.टी.) वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार	
4.	श्री एस.के. जैन अध्यक्ष-सा. प्रबन्ध निदेशक हिन्दुस्तान पेपर कारपोरेशन लि.	
5.	प्रोफेसर आई.एस.के. प्रोफेसर व विभागाध्यक्ष भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कदको (सह्याद्रि परिसर)	
6.	श्री पी.एस. फटकारे अध्यक्ष भारतीय अलुमिनीय कालन निर्माता संघ (आई.एन.एल.ए.) एवं अधिशासी निदेशक- इथनी पेपर गिल्स लि.	
7.	डा. आर.बी. रसीगी अध्यक्ष- भारतीय पुनर्चक्रित कागज मिल संघ एवं मुख्य प्रबन्ध निदेशक- उद्योग प्रोद्योगिकी लि.	
8.	डा. एन. बी. मल्हाराव मुख्य वैज्ञानिक एवं विभागाध्यक्ष, बिजनेस डेवलपमेंट भारतीय रसायन प्रौद्योगिकी संस्थान	
9.	श्री आर. चर्चन कारगिली	
10.	श्री रामचन्द्र हैबर महा प्रबन्धक (विकास) पी.के. पैपर्स लि.	

11.	डॉ. विकास राणा स्थापक/प्रबन्ध (सी एंड पी डिजाइन) भारतीय नॉनको जलसंयोजन एवं शिक्षा परिषद्	
12.	डॉ. ए. बी. अकोलकर सदस्य सचिव केन्द्रीय ग्रहण निर्माण परिषद्	
13.	श्री एच. के. जैन निदेशक कलमेर जैवोदोगिकी क. प्रा. लिमिटेड	
14.	श्री राजेश कुमार मिश्र मुख्य प्रबन्धन अधिकारी आईटीसी लि. पेपर बोर्ड एवं स्पेसिफिकेट पेपर्स डिजाइन	
15.	श्री पवन अग्रवाल अध्यक्ष, कृष्णाक गढ़वाल केन्द्र ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (केन्द्रीयसीसीआई, पेपर यूनिट केटर) एवं संयुक्त प्रबन्ध निदेशक - मैत्री ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज	
16.	डॉ. एच. डी. कुरुक्षेत्री अध्यक्ष (सुशासक) आईटीसी लि. पेपर बोर्ड एवं स्पेसिफिकेट पेपर्स डिजाइन	
17.	श्री तुषार राव निदेशक दमन गंगा ग्रुप	
18.	श्री अमिल कुमार कार्यकारी निदेशक एवं सी.ई.ओ. बेपॉस इन्डस्ट्रीज लिमिटेड (यूनिट - केन्द्रीय पेपर्स)	
19.	श्री पवन खेतान प्रबंध निदेशक स्वास्थ्य पेपर्स लिमिटेड	
20.	श्री अरुण जी. बिजु अध्यक्ष एस.पी.सी. प्रोटेक्ट एंड कंसल्टेन्सी लिमिटेड	
21.	डॉ. श्री.पी. अर्पलियल निदेशक केन्द्रीय लुदी एवं कागज जलसंयोजन संस्थान	सदस्य-सचिव

कर्मचारीगण

दिनांक : अप्रैल 2018 को भी.पी.पी.आर.आई. में वैज्ञानिक (16), तकनीकी (21) और प्रशासनिक एवं शिक्षा (13) कर्मिकों का रहा था। सी.पी.पी.आर.आई. के कर्मचारी सुन्दरी, कामच और संबद्ध व्यक्तियों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं, सहयोग और मदद देने में पूर्णरूप से प्रतिबद्ध हैं। संस्थान के वैज्ञानिक उच्च शिक्षा और कामच विनिर्माण के विभिन्न क्षेत्रों जैसे कच्चा भाग तैयार करना, लुपटीकरण और विरंचन, भावद्वय संभरण एवं कामच विनिर्माण, कामच परीक्षण, रसायन पुनः प्राप्ति, ऊर्जा संग्रहण, पर्यावरण प्रबंधन, जैव-प्रौद्योगिकी, उत्पाद विकास, गुणवत्ता नियंत्रण आदि में व्यापक अनुभव प्राप्त है। औद्योगिक योग्यता दर्शाते हुए स्टाई कर्मचारियों को सूची इस प्रोजेक्ट के साथ अंत में संलग्न की गई है।

वर्ष 2018-19 की प्रमुख उपलब्धियाँ

वर्ष 2018-19 के दौरान सी.पी.सी.आर.आई की प्रमुख उपलब्धियाँ संक्षिप्त रूप में नीचे दी गई हैं।

प्रधान मन्त्रा प्रणाली (एफ.आई.एस.) और ई-कमीस के तहत विभिन्न कार्यक्षेत्रों का क्रियान्वयन।

- बीजाईसीएस अनुकूलन वेबसाइट (भाग्य भक्तों को वेबसाइट के तहत दिखाई देती) का विकास।

डोलिका पुस्तक वैश्विक बायोपाथ का उपयोग

- सी.पी.सी.आर.आई. ने अर्पित वैश्विक बायोपाथ के उपयोग से अन्य उपरद सीटीएमसी तुल्य के लिए वैश्व धन का पुस्तक, मूल्य कपड़ों के अर्पित, कले का उन्न, जलकुम्भी, रिफाई उन्न और कले के सीपी का अर्पित से मेक पर प्रकृत होने वाले कले, पाले और निम्न केपी के पैकेजिंग कागज जैसे तसरी, कलेपी, पाले के उपरद से ल्यापक कार्य किया।
- निम्न स्टाईलप को प्रक्रिया प्रौद्योगिकी में विकास से सफल की गई।
 - क्रिया सेवा प्र.लि. (जम्बुवान केन्द्र, आई.आई.टी, दिल्ली)
 - क्यूब टेक्नोलॉजी (जम्बुवान केन्द्र, एनपीएल, पुणे)
 - प्रोगवर्ल्ड इन्फोटेक्नोलॉजी प्र. लि., कोलकाता
 - इनसमूब इन्वेन्शन, कोलकाता
 - कोलॉरी विस्त्रीबुद्ध, हैदराबाद

बागवत पुनःअवकाश

- देशों में नष्ट हो गई उपलब्धता वस्तुओं को कम्पोजिब (एफ.एस.सी.बी.), हिन्दुस्तान युनिवर्सिटी लि., गेट्टा कि, आईटीसी इत्यादि को प्रयोग की गई पैकेजिंग सामग्री के पुनः सुदीकरण समग्र और बागवत विहीन को प्रौद्योगिकीय जानकारी उपलब्ध करवाई गई।

पर्यावरण प्रबंधन

- संस्थान ने नैशनल प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सी.पी.सी.बी.) द्वारा प्राथमिक परियोजना के तहत उत्तर प्रदेश और उत्तराखण्ड में गंगा नदी को घाटी में स्थित 39 अवलोक प्रदूषण करने वाली उद्योगों (कागज कारखाने, कसाई घर और तैलक प्रकाशनी) को सफलतापूर्वक निगरानी और प्रौद्योगिकीय और पर्यावरणीय सारों का प्रतिक्रिया देकर किया।

वेब प्रौद्योगिकी का हमक्षेत्र

- गने की खोई की तुल्य पर लेकस किम्बक का प्रयोग करते हुए किम्बकीय पूर्व-सुदीकरण का प्रयोगात्मक स्तर पर सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया गया। टी गनी सुप्रसन्न के लक्ष्य के लिए क्लोटीन की खपत में 20 प्रतिशत की कमी प्राप्त की गई। इसी के साथ अस्ट और टेनरॉल इन्वेन्स में क्रमशः 90 प्रतिशत और 60 प्रतिशत से ज्यादा का सुधार प्राप्त हुआ।
- गने की खोई के योग्य के लिए छोटे कर्मी के देशों के उपरद में कमी और लंबे तनुओं के संरक्षण के लिए मिश्रित किम्बकी के उपरद का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया गया। लंबे देशों के अंश का 70-80 प्रतिशत तक संरक्षण देखा गया। मिश्रित किम्बकी उपरदित तुल्य में छोटे देशों के उपरद में 10 प्रतिशत की कमी पाई गई।

समानता का प्रति

- परम्परागत पद्धति में उपलब्ध 12-18 प्रतिशत की निम्न 2 प्रतिशत में कम तकनीकी खेती के गृह को समर्थन के साथ करने की खेती के दक्षता बढ़ाने की प्रक्रिया विकसित की गई।
- कालव मिला के आधारित से एक कोमती उपलब्ध लिम्बे-मल्लिकार्जुन विकसित किया गया। यह कालव विनिर्माण से अर्थ तक कि छोटे और मध्यम मिला की भी क्षमताओं के उपयोग में मदद करेगा।
- क्षमताओं के आधारित दूर के डिजिटलकरण और दूर के अर्थ उपलब्ध के उपयोग में ने उल्लेख किया है कि क्षमताओं के आधारित मिला में इन पद्धतियों से 5-7 प्रतिशत अधिक तकनीकी खेती उपलब्ध करवाई जा सकती है।
- मुद्रा कालव में कनेक्टिविटी के उपयोग को प्रक्रिया विकसित की गई।

प्रशिक्षण/प्रशिक्षण विभाग

- ईएसएल, सी.पी.पी.आर.आई और ईएसएल केन्द्र ने भारत अन्तराष्ट्रीय केन्द्र, नई दिल्ली में 24 अगस्त 2018 को "राष्ट्रीय मीटर प्रशिक्षण कार्यक्रम" पर एक तकनीकी बैठक का आयोजन किया।
- ईएसएल, यूनिटो, केनोइटी और सी.पी.पी.आर.आई ने मुंबई/मद्रास में 12 सितम्बर 2018 को एस.एस.एस.ई. में "कार्मि दक्षता के लिए व्यापार में परिवर्तन संवर्धन" पर नोईएफ-यूनिटो ईएसएल के द्वारा एक तकनीकी बैठक का आयोजन किया।
- सी.पी.पी.आर.आई, ईएसएल और ईएसएल ऑफ़ ससोलेबल कम्युनिटी ने काशीपुर में 24 सितम्बर, 2018 को "राष्ट्रीय मीटर प्रशिक्षण कार्यक्रम" पर एक तकनीकी बैठक का आयोजन किया।
- "सुशिक्षण और निरंतर प्रशिक्षण के माध्यम से ग्रामीण-प्रौद्योगिकीय अनुप्रयोग" सी.पी.पी.आर.आई में 6-7 दिसम्बर 2018 को प्रतिभाग कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- 'सुशिक्षण एवं कालव उद्योग में कृषि प्रदूषण का प्रबंधन' पर सी.पी.पी.आर.आई में राष्ट्रीय रीमोट सर्वेसिंग समर्थन परिषद्, बल्लारमपट्ट, परीटनोट, इरियाणा में 7 फरवरी 2019 को प्रतिभाग कार्यक्रम का आयोजन किया।
- एसआईटी विश्वविद्यालय, नोएडा, नोएडा मुद्रा विश्वविद्यालय, नोएडा और मुम्बई का आलगा कोलेज, मुम्बई में 6 अक्टूबर को आयोजित कार्यक्रम में निम्न प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों पर राष्ट्रीय परिषद् का कार्य पूरा किया।

सांख्यिकीय प्रयोग

- सी.पी.पी.आर.आई, सांख्यिकीय प्रयोग, उद्योग संवर्धन और आर्थिक व्यापार विभाग (सीपीआईआईटी), नॉर्थवेस्ट एवं उद्योग संवर्धन, भारत सरकार को कालव क्षेत्र से संबंधित नीतियों के मुद्दों पर निरंतर निम्निलिखित को उपलब्ध कराया गया है। मुख्य निम्निलिखित में भारत और आसियान व्यापक आर्थिक समीक्षा, उद्योग व्यापक आर्थिक समीक्षा (आरसीईपी) आई, भारत कोरिया उद्योग संवर्धन, भारत-आस्ट्रेलिया मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए), भारत-इंडोनेशिया एफटीए तथादि हैं।

तकनीकी एवं परामर्शी सेवाएं

- निम्नलिखित राष्ट्रीय एवं कालव मिला, सम्बद्ध समूहों, तकनीकी एवं सहायक अनुसंधानकर्ताओं को निम्नलिखित क्षेत्रों जैसे कालव समर्थन का मूल्यांकन, राष्ट्रीय एवं कालव समूह, राष्ट्रीय योजनाओं, राष्ट्रीय मिला वाले समर्थन, सांख्यिकीय समर्थन, स्टार्टिंग समर्थन, आयोजित राष्ट्रीय कालव के मूल्यांकन, निम्नलिखित राष्ट्रीय एवं नैतिक समर्थन का मूल्यांकन, परामर्शीय समूह और साथ ही समस्या निवारण के लिए समर्थन प्रदान करना, परामर्शीय मूल्यांकन, निम्नलिखित प्रक्रिया वालकों का निष्पादन मूल्यांकन, प्रणाली व्यापक संवेदन और प्रदूषण



(निम्नलिखित व्यक्तियों के फलसम्बन्ध 276.83 लाख का आर्थिक राजस्व प्राप्त हुआ।)

सक्रिय अनुबंध/समझौता जमाने इत्यादिपरितः

- फल पेपर्स लि., फैजाबाद के साथ गन्ने की खेती का निष्पक्वोप पूर्वोन्मूलन एवं निष्पक्वोप शीपिंग पर संयुक्त सहयोगी कार्य के लिये समझौता जमाने पर हस्ताक्षर किये।
- चाइना राष्ट्रीय लुन्दी एवं कागज अनुसंधान संस्थान के साथ लुन्दीकरण और कागज मिलानों के क्षेत्र में सहयोगी अनुसंधान कार्य के लिये समझौता जमाने पर हस्ताक्षर किये।
- एफएम लि., चेन्नई के साथ स्थानान्तरण प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोगी अनुसंधान एवं विकास की पहलियों के लिये समझौता जमाने पर हस्ताक्षर किये।
- रिजो लि., गुरुग्राम के साथ दुग्धिया बहनों के बालों के पर्यवेक्षण निरीक्षी प्रतिरोधी कपड़ों के विकास के लिये समझौता जमाने पर हस्ताक्षर किये।
- क्रिया लैब्स, आईआईटी, दिल्ली के साथ पुष्पों के बायोमैट्रिक्स और परिवर्तनशील प्रक्रिया के अनुसंधान के क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास के साधनों के लिये समझौता जमाने पर हस्ताक्षर किये।
- फ्यूरा लिमिटेड प्रा.लि., पुणे के साथ गैर परम्परागत कच्ची सामग्रियों से कपड़ा विकास के क्षेत्र में संयुक्त सहयोग के लिये समझौता जमाने पर हस्ताक्षर किये।

प्रकाशित शोध पत्र

- वर्ष 2018-19 के दौरान 10 शोध पत्र विभिन्न पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए।

वैचार किये गये प्रोजेक्ट्स

- वर्ष 2018-19 के दौरान 100 तकनीकी/प्राणजी प्रोजेक्ट्स वैचार किए गए।

अवसथापना विकास/दस्तावेज निर्माण

- पीएमआई मिल, स्वसंश्लिष्ट शीट फॉर्म, गाईको फुल्लडूजर क्ल.एम-20, सी.एच.एन.एम. एनआईडूजर, दूनी-निजिबिल स्केलेमोरोमीटर, निजिबिल स्केलेमोरोमीटर, सी.जे.डी ड्रममूवेर, पीएम गीटर, कंडक्टीविटी गीटर, डिस्टिलेशन यूनित, डीओ गीटर, पीएम 10/2.5 सेन्सर, डिवाइसल हस्त सेन्सर, बीएम बीलोरोमीटर, सेन्टीम्यूट, फ्लेम फोरोमीटर, रिजो गीटर, सी.जे.डी. ट्रापकेटर, लोक सेन्सर और टेन्साइल टेन्टर की सहित के द्वारा अवस्थापित किये और सुविधाओं का उपयोग किया गया।



पी.एफ.आई. मिल



ऑटोमेटेड रीट फर्मे



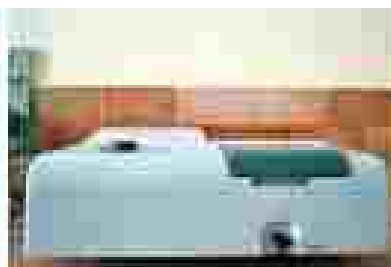
पाईड्रोमल्टुराइजर प्लान-20



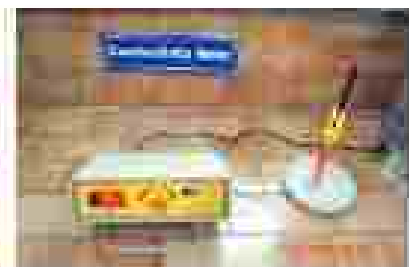
से.एच.एन.एम. फोडक



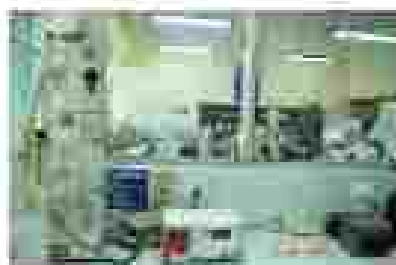
सूची विजिबल स्पेक्ट्रो फोटोमीटर



विजिबल फोटोमीटर



कन्डक्टिविटी मीटर



डिस्टिलेशन ईकाई



डी ओ मीटर



पी.एम.-10/पी.एम.-2.5 रिमोवल



डिजिटल वाट्स केलसरी मोटर



फेज मीटर



पॉवर मीटर



सी ११० डी डायरेक्टर



सी ११० डी इन्वर्टर



स्टेक सेम्पलर



टेन्सिल परीक्षण

आय एवं व्यय

वर्ष 2018-19 में संस्थान की कुल प्रविष्टि रु. 2492.59 लाख थी तथा कुल खर्च रु. 1517.19 लाख (राजस्व व्यय रु. 1355.74 लाख + धुंधीगत व्यय रु. 161.45 लाख) था। वर्ष के अन्तर्गत संस्थान की प्रविष्टि व व्यय के विस्तृत विवरणों का विवरण निम्नवत है।

क्र. सं.	विवरण	रु. (लाख में)	क्र. सं.	विवरण	रु. (लाख में)
1.	योग 1.4.2018 को	863.86	(क)	संस्थान व्यय	
2. क	संशोधन एवं शैक्षणिक विकास, (सी.पी.आई.आई.टी.) केन्द्र संरचना में प्राप्त अनुदान	89.24	1.	संरचना की कर्मियों के लिए महा अनुदान	7.36
			2.	संरचना एवं कर्मियों	922.37
ख	तुपदी, राजस्व एवं संबद्ध व्ययों की विक्रय प्रीमियम से प्राप्त आयों का राजस्व	920.00	3.	संरचना एवं शैक्षणिक विकास अनुदान	57.45
ग	तुपदी, राजस्व एवं संबद्ध व्ययों की विक्रय प्रीमियम से प्राप्त आय प्रतिशत प्रीमियमों के लिए प्राप्त अनुदान	245.72			
घ	सी.पी.आई.आई.टी. के विक्रय प्रतिशत प्रीमियम से प्राप्त अनुदान	1.60			
3.	प्रशिक्षण शुल्क	121.60	4.	विद्युत प्रकाश	72.64
4.	पठनार्थ शुल्क/अनुसंधान शुल्क	76.94	5.	परिष्कारणार्थ की आवश्यकता	151.48
			6.	प्रशिक्षण	171.43
			7.	संरचना संरचनाओं के अनुदान	10.25
			8.	धुंधीगत व्यय	161.45
5.	प्रशिक्षण शुल्क	7.82	9.	संस्थान के सामान आदि	975.40
6.	प्रशिक्षण शुल्क	60.47			
7.	परिष्कारणार्थ का निष्कर्ष	64.43			
	योग	2492.59		योग	2492.59

अन्य: राजस्व प्रभाव

तुपदी, राजस्व और संबद्ध व्ययों को संरचनाओं/पठनार्थ सेवाएं प्रदान कर अन्य: राजस्व स्रोतों के द्वारा सी.पी.आई.आई.टी. ने आर्थिक वर्ष के लिए अपने प्रयोजनों को जारी रखा है। यह प्रभावित वर्ष 2018-19 के दौरान रु. 276.83 लाख के अन्य: राजस्व स्रोतों के रूप में सामने आया है।

स्वच्छ भारत अभियान की गतिविधियाँ - सी.पी.पी.आर.आई. द्वारा की गई पहल



स्वच्छ भारत अभियान या स्वच्छ भारत मिशन, भारत में एक राष्ट्रव्यापी अभियान है जिसका उद्देश्य गलियाँ, सड़कों और भारत के गांवों की आधारभूत संरचना, कचरे और पानी के स्रोतों की सफाई-सफाई से है। इस अभियान को माननीय प्रधानमंत्री श्री मोदी भोटी जी ने 2 अक्टूबर 2014 को राजघाट, नई दिल्ली से आधिकारिक रूप से आरंभ किया था।

सरकार के निर्देशानुसार केन्द्रीय स्तर पर एवं सामान्य अनुसंधान संस्थान, साइरपुर ने भी 1-15 नवम्बर 2018 को स्वच्छता प्रशिक्षण मंत्रालय (स्वच्छता) प्रस्तावों के दौरान निम्न गतिविधियाँ चलाई गई।

स्वच्छ भारत अभियान की गतिविधियों पर कार्यशाला का आयोजन

सी.पी.पी.आर.आई. ने स्वच्छ भारत अभियान पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। संगोष्ठी को श्रीमती रीता शेट्टी, सचिव वैज्ञानिक, सी.पी.पी.आर.आई. साइरपुर के माननीय महामंत्री श्री संजीव खलिया और साइरपुर महानगर क्षेत्र के निवासी श्री देवेन्द्र निम ने संयोजित किया। इस संगोष्ठी में सी.पी.पी.आर.आई. के वैज्ञानिक, तकनीकी एवं प्रशासनिक कर्मिक शामिल थे। डा. विजयकर मिश्रा, चेयरमैन ऑफिसरी (एस.बी.ए), सी.पी.पी.आर.आई. ने सी.पी.पी.आर.आई. द्वारा स्वच्छ भारत अभियान के लिये उल्लेख्य गये कदमों पर एक व्याख्यान दिया। इस अवसर पर सी.पी.पी.आर.आई. के स्वच्छताकर्तियों और गाँवों की स्वच्छ भारत अभियान के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिये उनके सामुदायिक बैठक के लिये माननीय मेयर एवं निवासी जी द्वारा सम्बोधित किया गया। संगोष्ठी के उपरान्त श्री संजीव खलिया, श्री देवेन्द्र निम और सी.पी.पी.आर.आई. के वैज्ञानिकों ने नृणाटोप कार्यक्रम में भाग लिया।



स्वच्छ भारत अभियान कार्यक्रम की प्रतिक्रिया

सी.पी.पी.आर.आई. कार्मिकों और उनके बच्चों के लिये निबंध एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन:

सी.पी.पी.आर.आई. ने संगीपत्री "खच्छता ही सेवा" शीर्षक पर सी.पी.पी.आर.आई. की कार्मिकों एवं उनके बच्चों के लिये एक निबंध व पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया।



पोस्टर प्रतियोगिता की प्रदर्शनी

स्टूडी कामगार से विभिन्न कार्यों हेतु हस्त निर्मित कागज बनाने के लिये स्कूल के बच्चों के लिये प्रशिक्षण सत्र का आयोजन:

स्कूलों बच्चों को कागज के बहुत उपयोग के बारे में जानकारी कराने और स्टूडी कामगार से पर्यावरणमित्र कागज तैयार कर के स्कूलों कागज के पुनः उपयोग के लिये एक प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। सिटी स्टडी स्कूल, हरिद्वार बालगोत्री, संकरनाग के 40 विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया। डा. शिवशंकर मिश्रा, स्वच्छ भारत अभियान के जिला अधिकारी, सी.पी.पी.आर.आई. ने एक व्याख्यान भी दिया।



प्रशिक्षण सत्र की प्रदर्शनी



सी.पी.पी.आर.आई. परिसर में वृक्षारोपण एवं स्वच्छता अभियान के संवर्धन के लिए प्रवास

संस्थान द्वारा भूमि सँवर्धन, जल एकत्रीकरण और आवासीय परिसर में वृक्षारोपण इत्यादि के अनुसंधान हेतु एक समर्पित बागवानी विभाग पहले से ही स्थापित किया हुआ है। बागवानी विभाग द्वारा संस्थान और आवासीय परिसर में स्वच्छता अभियान माहौल से चलाना जा रहा है।



स. ग. प. म. त. न. र. ल. व. श. ष. स. ह. ङ. ञ. ट. ठ. ड. ढ. ण. त. न. र. ल. व. श. ष. स. ह. ङ. ञ. ट. ठ. ड. ढ. ण.

2000

- कॉस्मिक्स हा प्राकृतिक प्रकाश कोशिकाओं के लिए सूर्यप्रकाश कोशिकाओं की रसायनिक प्रतिक्रिया को नियंत्रित करने के लिए तबू नियंत्रण प्रणालियों का मूलभूतत्व है।
- नियंत्रण प्रणालियों की गति में कमी, नियंत्रण प्रणाली प्रणाली और प्रणाली नियंत्रण प्रणाली में कमी है।

- प्रयोगशाला में अतिरिक्त सुन्दी के कागज संख्या 11-12 के द्वारा भास प्राप्त करने के लिये मन्ने की छोई और गेहूं के भूरी के अतिरिक्त सुन्दी के अध्ययन हेतु परीक्षण किये गये। दोनों अतिरिक्त सुन्दी की कागज संख्या, शुद्धता और सुन्दी की ताकत के लिये निम्नित किया गया।

- अक्षरोंका तुम्ही कर अनुकूलित स्थिति में आसीत पूर्व-उपकार किया गया और कथा संख्या, सुप्रभा और तुम्ही की कानत और धार के अक्षरों के नैतिकस्थित, प्रेरितस्थित, आसन एवं पैरस्थित के लिए सुप्रभाकन किया गया।
- 65-75 प्रतिशत अक्षरोंको सुप्रभा की प्राप्त करने एवं तुम्ही की कानत में बुद्धि के लिए 1, 2 और 3 प्रतिशत अक्षरोंको आसनस्थित की आसीतस्थित स्थितस्थित की तरह प्रतीय करते हुये दोन आसीतस्थित परअक्षरस्थित उपचार हेतु अक्षरोंको पूर्व उपचार की आसीतस्थित को आसीतस्थित किया गया।
- अक्षरोंको और अक्षरोंको कृत्य मिल तुम्हीकी को कृत्य आसीतस्थित कारण मिलने से एकस्थित किया गया और 65-75 प्रतिशत सुप्रभा अक्षरोंको प्राप्त करने के लिये अक्षर की लोका के बाद अक्षरस्थित परअक्षरस्थित (अक्षर) कारण के बाद अक्षर को प्रतीयस्थित किया गया। अक्षरोंका कार्य प्रतीय पर है।

1. मूल्य एवं स्वयंसेवाओं में निम्नलिखित अनुपातों का निर्धारण

- नैव-दुर्भोगीत-उपपाद-उत्तरी-संरक्षण-और-प्रदूषण-से-रक्षा-के-लिए-नैव-पैलीमिफिकेशन-का-विनाश-भागी-आप-और-संरक्षण।

Abstract

- कागज मिल प्रकल्पों का जैव-उत्पादन:- पहले से पुनर्क-138 जीवाणु उपभेदों से निर्मित प्रदूषण मापदंडों में चर्चित कभी के परिणाम नहीं मिलने के कारण एमटीसीसी, चंडीगढ़ से प्रकल्पों के जैव-उत्पादन के लिये 6 जीवाणु उपभेद जो रासायनिक के लिये जले जाते हैं क्रम क्रम गये। प्रदूषण में कभी की दक्षता को बढ़ाने के लिये व्यवस्थापक की प्रक्रिया के अनुकूलन हेतु निर्मित मापदंडों जैसे इलेक्ट्रॉन की मात्रा, तापमान, पीएच, वायु संयोजन की दर और रासायनिक का समय पर प्रदूषण में कभी की दक्षता की वृद्धि पर अध्ययन



किये गये। अध्ययनों से पता चलता है कि अनुसूचना सिग्नलों में 10-बीजोटी, सीजीटी और रंग में 40-45 प्रतिशत के बीच तक की कमी तक हो सकती है। केवल उपचार की दृष्टि से सुधार के लिये जैवजैव उपभेदों के लिये चरण की प्रवृत्ति के लिये विकास प्रतिव्यय अध्ययन प्रतीत पर है।

- मिनीमैक्रोमैक्रोसिक बायोमैक्रो से जैव-इमेरॉल का उत्पादन: अलग अलग जलोप विस्तारण और किण्वन प्रक्रिया का उपयोग करके पान के घुसे से जैव-एपेनॉल उत्पादन के लिये अस्थायी पूर्व-उत्पादित और किण्वकीय सम्बन्धित स्थिति को अनुसूचना पर अध्ययन पूरे किये गये। अम्ल की जलोप विस्तारण की अनुसूचित स्थिति 0.2 प्रतिशत अम्ल की मात्रा 140°C तापमान एवं 90 मिनिट पर प्राप्त की गई। जैविक सम्बन्धित प्रक्रिया के लिये उत्पन्न स्थिति 24 घंटे के उत्पन्न समय के लिये 3 प्रतिशत किण्वक मात्रा से अनुसूचित हुई। इमेरॉल के उत्पादन हेतु ईस्ट और टी पुष्प किण्वन उपभेदों की प्रक्रिया प्रतीत पर है।

2. किडनी प्रीप्रोसिडी के अनुप्रयोग से भारतीय सुन्दी एवं बाकल उद्योग में जल संशुद्धि

उद्देश

- किडनी प्रीप्रोसिडी के अनुप्रयोग से सुन्दी एवं बाकल मिलों में बाकल हटाने और उपचारित निस्स्राव को पुनःप्रयोग और पुनःचक्रण में लुट्टि के द्वारा जाने पानी की सफाई में काफी लाभ।

विशेषताएँ

- काफ़ी अपघातित पिल के प्रवाह के उत्पन्न के लिये क्लिस्ली क्लॉर के अनुप्रयोग पर किये गये अध्ययनों से प्रदूषण मापदंडों में महत्वपूर्ण कमी का संकेत दिया है जैसे सीजीटी (20-30 प्रतिशत), बीजीटी (10-20 प्रतिशत), रंग (50-90 प्रतिशत), टीटीएस (30-50 प्रतिशत) जो सुन्दी एवं बाकल मिलों में औद्योगिक प्रवाह निस्स्राव को पुनःप्रयोग और पुनःचक्रण में मदद कर सकता है और अन्ततः जल सफाई की सफाई की 20-30 प्रतिशत तक कम कर सकता है।
- सेखन और सुदृढ बाकल कचरे वाली कृषि औद्योगिक मिलों में जलपन प्रवाह निस्स्राव के जीवोप उत्पन्न (प्राथमिक असेमिफावर प्रवाह और वैज्ञानिक औद्योगिक निस्स्राव) के अनुप्रयोग पर किये गये प्राथमिक अध्ययनों ने सीजीटी (30-35 प्रतिशत), बीजीटी (30-32 प्रतिशत), रंग (60-70 प्रतिशत), टीटीएस (30-35 प्रतिशत) और लिगनिन (40-45 प्रतिशत) में कमी की प्रतीत किया।
- 25 सुन्दी एवं बाकल मिलों (काफ़ी, कृषि और औद्योगिक औद्योगिक) का ईटीपी की दक्षता का मूल्यांकन किया गया। ईटीपी की दक्षता में सुधार, मासिक औद्योगिक अनुपातों की प्राप्त करना, उत्पन्नित निस्स्राव का पुनःप्रयोग/पुनःचक्रण हेतु संसुचित और सुदृढों के साथ विस्तृत प्रतिक्रिया संबंधित मिलों को प्रस्तुत किए गए हैं।



जैव जैव औद्योगिक उपकरण

7. अवस्थापना और विकास की गतिविधियाँ

1. भारतीय बरगुज उद्योग की आम सेवाओं का स्तर बढ़ाने के लिए सी.पी.पी.आर.आई. पुस्तकालय का सुदृढीकरण

उद्देश्य

- सी.पी.पी.आर.आई. पुस्तकालय के आवश्यक चीजों को सुदृढ करना और पुस्तकों का संग्रहण ताक़ि आधुनिक उपकरण और तक़नीकों को अपनाकर अच्छी गुणवत्ता वाली सेवाएँ भारतीय भाषा उद्योग को दे सकें।

विशेषताएँ

- सी.पी.पी.आर.आई. के पुस्तकालय ने एलसॉलिया से किंगडम सेबो में लुन्दी एवं कागज से संशोधित 37 ई. पुस्तकों सम्मिलित किया गया। ये पुस्तकें केवल सी.पी.पी.आर.आई. के परिसर में राष्ट्रीय उद्योग स्टेरकाय बनाए जायेंगी।



ई-पुस्तक का स्क्रीनशॉट

- राजस्थान हिन्दी के संवर्धन के लिये 22 हिन्दी की पुस्तकों की खरीद की गई।
- 198 (कोआईएम और अद्योपक्रम) भाषा और 13 पुस्तकें खरीदी गई। पुस्तकों पर परिकल्पना संख्या देना दी गयी है एवं शीतल उन्निषिष्ट हो चुकी है।
- वर्ष 2014 के लिये 7 पत्रिकाओं (मुद्रित एवं ऑनलाइन) की सदस्यता का नवीनीकरण हो चुका है।
- लुन्दी एवं कागज से संशोधित प्रसीएम ओपेन और गुणवत्ता स्कोलर अलर्ट स्थापित हो चुके हैं और वैज्ञानिकों को उनके अध्ययन के लिये तिलक आसानी से किये जा रहे हैं।

सुदृढीकरण कार्यक्रम

- सी.पी.पी.आर.आई. पुस्तकालय विभिन्न कार्यक्रमों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिये प्रेरित और नियंत्रण सामग्री प्रकाशित कर रहे हैं।



- वर्ष 2017-18 के वार्षिक प्रतिवेदन के अंतिम एवं द्वितीय संस्करण का संकलन और प्रकाशन किया गया।

(ख) अंतरराष्ट्रीय-द्विपक्षीय/अर्ध-वित्त पोषित परियोजनाएँ

1. प्राथमिक स्तर के स्तर पर सफेदी कच्ची सड़कों के ओवरन जकार प्रोजेक्ट्स का प्रदर्शन (सी पी पी आर आई की परिधिगत)

उद्देश्य

- मुख्यतः क्षति आशंकित सफेदी कच्ची सड़कों के ओवरन जकार के लिये प्राथमिक स्तर के ओवरन रिफर को निर्माण बिन्दु मुख्य रूप से छोटी और मध्यम जकार को सुदृढ़ एवं कामय मिले प्रयोग कर सकती है।

विशेषताएँ

- प्राथमिक स्तर के ओवरन रिफर की रूप रेखा पर विस्तृत सार्वजनिक सर्वेक्षण किया गया और 2-5 कि.मी. समूह के प्राथमिक स्तर के रिफर के लिये उपलब्ध पक्की के आधार पर संरचना के लिये एक सूत्र का चयन किया गया।
 - विभिन्न निर्माणकर्मियों के परामर्श से प्राथमिक ओवरन रिफर के लिये संरचना के मासकों की अनुसंधान की पूरा किया गया।
 - उपयुक्त संरचना और निर्माण विशेषज्ञ की परामर्श पर एक विस्तृत अध्ययन भी किया गया जो सुदृढ़ के साथ जीवने प्रक्रिया से संबंधित विभिन्न मापदंडों के साथ निम्नोक्तन कोशल से अच्छी तरह से परिचित है।
 - प्राथमिक स्तर के ओवरन रिफर के निर्माण के लिये ई-निविदा के संरचना के आधार किये गये हैं और निम्न निर्माणकर्मियों से निविदा आमंत्रित करने के लिये प्रकाशन की प्रक्रिया में है।
 - ओवरन रिफर के निर्माण की और अधिक सरल बनाने के लिये ओवरन उपचार के निम्नोक्तन कार्य में संबंधित अध्ययन जारी हैं।
- #### 2. यूकेलिप्टस में लम्बे लम्बाई के लिये कमीनल जमिनी और संरक्षण के लिये मासक बुझों की प्रक्रिया (सी पी पी आर आई - एफ आई आई - स्तर फेर मिल-आई पी एफ ए की संयुक्त परिधिगत)

उद्देश्य

- पहले से ही स्थापित परियोजनाओं से जंग और अवांछनाक सूखे, श्रेणियों और अनुसंधानों का समय।
- चयनित प्रक्रियाओं/अनुसंधानों की पंजीकरण के साथ आवांछनाओं को व्यवसायिक क्षेत्रों के लिये जारी करना।

विशेषताएँ

- उपयुक्त चयन नियम का उपयोग करके पहले से ही स्थापित मिट्टी परीक्षणों से लेना। अनुसंधानों के 21 पैरों का चयन पूरा हो चुका है।
 - एफ आई आई और स्तर फेर मिल को समीक्षा के तहत काल के तहत 21 नमूने जंगल रासायनिक विश्लेषण, सुदृढ़करण और देश जाकरी के लिये एकत्र किये गये हैं।
- #### 3. सफेदी एवं रेती की गुणवत्ता एवं भौतिक गुणों के सुधार के लिए शोध द्वारा यूकेलिप्टस एवं सुबुल के पुनरोपण का विकास (सी पी पी आर आई - पी ए पी आर आई - आई पी एफ ए की संयुक्त परिधिगत)

उद्देश्य

- यूकेलिप्टस और सुबुल के चयनित प्रजातियों की राशी प्रक्रिया और कटाई की जगह का चयन और विस्तृत आगमन रासायनिक विश्लेषण एवं सुदृढ़ निर्माण हेतु रसायन की मास के द्वारा 25 यूकेलिप्टस और 2 सुबुल प्रक्रिया आधारित रेती की गुणवत्ता का अध्ययन।

- सहायक पूर्ण-उपचार की पद्धति में, कच्चे लकड़ों की लुट्टी को सॉफ्ट सलायबुटिक जेल का प्रयोग करते हुये हाईड्रोलॉजिक किया गया (अम्लीय जल सॉलर) और फिर उसे ग्लाकोस्तुडाइन में गुबरा गया। वह जॉटि सूक्ष्म रेखीव सेलुलोज को गुलत में अधिक सूक्ष्म क्रिस्टलीय सेलुलोज में बदल कर रहा है।
- गॉजिक पूर्ण-उपचार की पद्धति में, कच्चे सागरी जैसे कट्टर लकड़ों का पायथीक लुट्टीकरण एवं विरंजन से पूर्व दोरुह उपचारित किया गया। इस प्रकार से वैयर निर्मित लुट्टी को जॉटि सूक्ष्म रेखीव सेलुलोज बदल करने के लिये ग्लाकोस्तुडाइन में गुबारा गया।
- दोनों पूर्ण-उपचारित पद्धतियों में से गॉजिक पूर्ण-उपचार पद्धति को परीक्षा दी गई क्योंकि वह ऑक्सिडेशन रेखीव सेलुलोज को मुख्य रूप से उपलब्ध करता है।
- इस प्रकार से वैयर किये गये एमएफसी को एम.ई.एम., जेम्स आर.वी. और टी.ई.एम. तकनीकों का उपयोग करते हुये निरतोषित किया गया और समेटेरी लुट्टी के निर्माण गुणों पर उनकी प्रभावशीलता के लिये नोन की गई।

6. खाद्य सागरी के लिये पैकेजिंग कालन और नले के परीक्षण और सूक्ष्मजीव गुणों के प्रोटोकॉल के विकास के लिये सुविधाओं का निर्माण। (सीपीसीआरआई की परियोजना)

उद्देश्य

- परियोजना का उद्देश्य खाद्य सागरी के लिये पैकेजिंग कालन और नले के लिये समर्पित परीक्षण सुविधा का निर्माण है जो प्रचलित मानकों और खाद्य सागरी के लिये पैकेजिंग कालन और नले के अनुप्रयोग के लिये सूक्ष्मजीव गुणों निर्माण हेतु प्रचलित मानकों और विकास की सुविधाओं का निर्माण।

विशेषताएँ

- खाद्य सुरक्षा और मानकों (पैकेजिंग) के अंगितिक 2018 द्वारा निर्दिष्ट सख्तीक संदुषकों के मूल्यांकन हेतु उपकरणों को खरीद के लिये निर्माण अनुचितकर्ताओं की तद्वत के लिये गतिविधियाँ आरम्भ की गई।
- खाद्य पैकेजिंग कालनों के परीक्षण की आवश्यकता को धराइने और खाद्य पैकेजिंग कालनों के गुणों को एकत्र करने के लिये एफएमएसएआई, आई दिल्ली और भारतीय पैकेजिंग संस्थान, आई दिल्ली से प्रतिपुष्टि प्राप्त की गई।
- कालन और नले के गुणों को सूक्ष्म बीजों के गुणों के मूल्यांकन के लिये उपयुक्त परीक्षण प्रोटोकॉल को चिन्हित करने के उद्देश्य से सूक्ष्म बीजों को गुणता हेतु पन्ना विधि जैसे कई की गहरी द्वारा, कर्तवित निर्ण, टिक्कसत निर्ण और एमपीएस कृत नगर पद्धतियों का मूल्यांकन किया गया।
- परिणामों ने संकेत दिये कि पन्ना निर्ण (कई की पद्धति) एवं कर्तवित निर्ण द्वारा कालन के संदुषकों को मापने के लिये अधिक उपयुक्त है। टिक्कसत निर्ण कृत सूक्ष्मजीव संदुषकों का प्रतीतिफल करती है।
- सबसे संगठित संस्था (एमपीएस) परीक्षण द्वारा जिन गुणों के निरलेपन किये गये वे नकारात्मक पाये गये। जो कालन के गुणों के मूल्यांकन के लिए इस परीक्षण को असमत्ता को भी दर्शाता है।
- गणो पाजुबी, पोसीपी और पीसीपी के परीक्षण की सुविधाओं के निर्माण का कार्य प्रगति पर है।

- सी.पी.पी.आर.आई. ने राष्ट्रीय सीमेंट और निर्माण सामग्री परिषद, कलकत्ता, हरियाणा में 7 फरवरी 2019 को "सुदी एवं कागज उद्योग में वायु प्रदूषण का प्रबंधन" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में बहुत सी सुदी एवं कागज मिलों के कारमिंदों और निधीकियों ने भाग लिया। संकाय में चरिष पछासी, आई.आई.टी दिल्ली के प्रोफेसर, प्रोफेसरों आधुनिकता और सी.पी.पी.आर.आई. के किरियेवैदिक थे।

12. कागज उद्योग से प्राप्त लिमिन वैष उषाओं का रकड़ उद्योग में उपयोग (सी.पी.पी.आर.आई. और आई.आर.एम.आर.ए. की संयुक्त परिषोजना)

उद्योग:

- कागज उद्योग के लिमिन प्रोडक्ट जैसे कृषि एवं कागज आधारित मिलों से प्राप्त उद्योग लिमिन का रकड़ उद्योग के लिये एक मूल्य निर्धारित उत्पाद के रूप में प्रयोग की संभावनाएं उत्पन्न।
- कागज और रकड़ उद्योग की आर्थिक स्थिति को सुधारने के साथ-साथ इस उत्पादों द्वारा पर्यावरण को सुरक्षित रखने का प्रयास।

विशेषताएं:

- कागज मिल के अपशिष्ट से एक मूल्यवर्धित उत्पाद लिमिनोसिलोसिल निर्मित किया।
- कृषि उद्योग से कागज लिमिनोसिल से लगे छोटी एवं मध्यम आकार की मिलों में लिमिनोसिल अपशिष्ट को उपयोग में लाया जा सके।
- परिषोजना की अवधारण सफलतापूर्वक सम्पन्न किया गया।

13. स्तन्य/गुण प्रवाह प्राप्त करने के लिये सूक्ष्मजीवों और उड़ी हुई राख के सूक्ष्म कणों का प्रयोग करने हुये सुदी एवं कागज मिलों से प्रवाह प्रणाली के अभाव के लिये एक साक्षिगशीलता और आर्थिक दृष्टिकोण: (सी.पी.पी.आर.आई. और एमिटी विध्वंसिगशीलता की संयुक्त परिषोजना)

उद्योग:

- सूक्ष्म जीवों और उड़ी हुई राख के सूक्ष्म कणों का प्रयोग कर कागज मिलों के प्रवाह के रोग को समाप्त करने के साथ गुणवत्तापूर्ण प्रवाह के लिये एक स्तन्य स्तर की आदर्श पर्यावरण के अनुकूल प्रौद्योगिकी का विकास।

विशेषताएं:

- साक्षिगशीलता का रोग और कागज मिलों से प्रवाह के रोगों का संशोधन और निरीक्षण से गुभा है।
- रोगों के आसपास प्रगति पर है।

(10) अन्य परिषोजनाएं

1. आर्थिक प्रदूषण करने वाले उद्योगों की निगरानी (सी.पी.पी.आई. प्रोफेसिगशीलता)

- सी.पी.पी.आई. ने सी.पी.पी.आर.आई. को मंडा नदी एवं इसकी सहायक नदियों में आर्थिक प्रदूषण करने वाले उद्योगों की निगरानी के लिये एक परिषोजना दी है। इस परिषोजना के तहत सी.पी.पी.आर.आई. ने उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में 39 आर्थिक प्रदूषण करने वाले उद्योगों का निरीक्षण किया। इन मिलों में सुदी और कागज, ज्वेलरी, रसायन और कलाई पर शक्ति थे। सी.पी.पी.आर.आई. के तहत ने पर्यावरणीय गुणों और आंकड़ों के सूचकांक के माध्यम के लिये प्रत्येक इकाई का प्रण किया।
- सी.पी.पी.आई. को एक संगठित प्रक्रियेन सीधे गवा और सी.पी.पी.आर.आई. ने स्वयं मंग के लिये राष्ट्रीय मिशन, आई दिल्ली में परिषोजना के परिणामों पर एक प्रवृत्तिगरी दिया।

2. **कारगज को लुट्टी में जूट के सम्पूर्ण पीछे का प्रयोग (जूट कमिश्नर, कपड़ा मंत्रालय, भारत सरकार, कोलकाता द्वारा प्रायोजित)**
 - लाना बरत हुआ पुरा जूट (लगभग 1.5 टन) कच्ची सामग्री को जूट कारपोरेशन, कोलकाता को मदद से सौंपा गया और परिवहन की गतिविधियों के लिए 3 अक्टूबर 2018 को परिणाम बंगल से सी.पी.पी.आर.आई. सदरलपुर लाना गया।
 - पूरे जूट के समीपवर्ती रसायनिक विश्लेषण और पूरे जूट के काल्ड सुप्रीकाल पर प्रत्येक प्रतिनिधियों के तहत अनिवार्य रूप से नंबर 18-20 को प्राप्त करने के लिए व्यवस्था किया गया। पूरे जूट के अनिवार्य लुट्टी को डीईपीडी अनुक्रम में 80 (प्रतिशत आईएसओ) शुद्धता प्राप्त करने के लिए निर्दिष्ट किया।
 - पूरे जूट की अनिवार्य लुट्टी को बॉस और यूकेलियस की लुट्टियों के साथ निम्न अनुपातों (20:80) और (40:60) में मिलाया गया। समिश्रित लुट्टियों को डीईपीडी अनुक्रम में 80 प्रतिशत आईएसओ शुद्धता प्राप्त करने के लिए निर्दिष्ट किया।
 - अनिवार्य पूरे जूट की लुट्टी और समिश्रित लुट्टियों को शुद्धता और लुट्टी की सकल दर्ज किया नंबर के लिए मूल्यांकन किया गया।
 - पूरे जूट के निर्दिष्ट एवं अनिवार्य भीटन एवं जम्बीटन और समिश्रित निर्दिष्ट लुट्टियों की 60 जो एस.एस. की इस्त निर्मित सीटों का निर्माण किया गया और इनका भौतिक गुणों के लिए परीक्षण किया गया।
 - प्रथम प्रथम परियोजना प्रतिवेदन को संकल्पित किया और जूट कमिश्नर, कपड़ा मंत्रालय, भारत सरकार, कोलकाता को प्रस्तुत किया।
3. **भूरा आधारित काले इन से तकनीकी अतिरिक्त लाभदायक प्राप्त करने के लिए रसायन पुन:आमि प्रणाली की दक्षता में सुधार (पीएसए के प्रयोग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित)**

उद्देश्य:

- डिजिटलकेशन और इन दाप उपचार के द्वारा भूरा आधारित काले इन से तकनीकी अतिरिक्त लाभदायक प्राप्त करने के लिए रसायन पुन:आमि प्रणाली की दक्षता में सुधार।

विशेषताएं:

- काले इन पर डिजिटलकेशन और इन दाप उपचार के लिए मिला में प्रायोगिक संयंत्र के व्यवस्था किया गया।
- काले इन के डिजिटलकेशन एवं दाप उपचार से पहले और बाद में काले इन का मूल्यांकन सी.पी.पी.आर.आई. में किया गया।
- अध्ययनों से पता चला है कि 5-7 प्रतिशत अतिरिक्त हरित ऊर्जा का उपयोग एक कृषि आधारित लुट्टी मिल में काले इन के डिजिटलकेशन और इन दाप उपचार को अपनाने किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त काले इन के संयंत्रों की तकनीकी समस्याओं का भी समाधान किया जा सकता है।

4. **गुदा/प्रतिभूति कारगज निर्धारण के लिये केलों के रेशों पर अन्वेषण (एनपीएच टेरंगलवार द्वारा प्रायोजित)**

उद्देश्य

- गुदा और प्रतिभूति कारगज काले के लिये केलों के रेशों को अलग करने का अध्ययन एवं उनका प्रयोग करना।

विशेषताएं:

- मिश्रितरी फेरा मिल, टेरंगलवार में प्रचुर मात्रा में लुट्टी उत्पादन के लिये लुट्टीकरण, जोहन और निरजन और इसके प्रायोगिक भौतिक, प्रकल्पित और समिश्रण गुणों के मूल्यांकन के लिये प्रक्रिया की गई।
- केलों के रेशों के उपयोग द्वारा गुदा कारगज की उत्पादन में सुख और कपास के रेशों पर निर्भरता को कम करना।

लुग्दी, कागज और संबद्ध उद्योग द्वारा प्रायोजित परियोजनाएँ

कच्ची सामग्री विश्लेषण, लुग्दीकरण और विरंजन

विभिन्न लुग्दी प्रक्रिया में सुधार और अप्रसृत कठोर काष्ठ का लुग्दीकरण व विरंजन

- वीसिंग इंटरस्टीज लि., इन्वर्ड इंडियन पॉलिटेक्निक, कर्नाटक

आसन्न रसायनिक विश्लेषण, बीबीटीएलपी का पकव और अपादन, कठोर काष्ठ के टुकड़ों से विभिन्न लुग्दी

- बार्डोनीसी लि., पोएराणीटी गठानलम, जाँघ प्रदेश

पुर्क्रीतिप्रस के चिपों का धुसे वाले अनुसंधान डाइरेक्टर में काष्ठ लुग्दीकरण

- अर्कैटोसी लाइक सॉलर और टेक्नोलॉजी सेंटर, बैंगलूर, कर्नाटक

मेज पर प्रयुक्त होने वाली सामग्री के लिये गर्त कणम से लुग्दी का अपादन

- बीआईआईटीओ मोडिफर इन्वेटर मेन्वर सैन्टर, एनसीएल, पुणे, महाराष्ट्र

समी रसायनिक लुग्दी के अपादन के लिये समों के पीछे का किलापक लुग्दीकरण

- जेन इको प्रोडक्ट्स प्रा. लि., कोल्हापुर, महाराष्ट्र

सुवि अल्लोस लुग्दी के कार्बोनीक और टैम्पीएक विरंजन

- सीडीए वेयर मिल लि., बिजौर, ड.प्र.

पुर्क्रीतिप्रस चिपों का धात्रिक लुग्दीकरण परीक्षण

- बार्डोनीसी लाइक सॉलर और टेक्नोलॉजी सेंटर, बैंगलूर, कर्नाटक

मने की बोई (बोम्बू अर्कटिप्र) का लुग्दीकरण, विरंजन और कणम निर्माण का प्रत्येक

- वेग प्रोडक्ट्स, नई दिल्ली

धान के पुमान का रसायन कच्चा धात्रिक लुग्दीकरण (बीटीएलपी)

- क्लिवा लेन्ग, आईआईटी, दिल्ली

लुग्दी और कणम अपादन के लिये एले डामिलाइन (रबड़ की लकड़ी) का लुग्दीकरण एवं विरंजन

- लिम वुड एनबी, बिस्मकट, कैलकत्ता

पुर्क्रीतिप्रस के चिपों से बीबीटीएलपी लुग्दी का अपादन

- बार्डोनीसी लि., पोएराणीटी गठानलम, तेलंगाना

लुग्दी अपादन के लिए कणम सिन्धर का प्रयोग

- प्रभुल लि., गुम्बाई, महाराष्ट्र

धान के भूमे का धात्रिक लुग्दीकरण

- कंपराणी फाइनर लि., जयन जयन, पंजाब

जॉन के चिपों का लुग्दी और कणम विनिर्माण के लिये विश्लेषण

- सिंदूरजयन वेनर कॉलेजोरेज, कन्नूर, असम

सम्पूर्ण वृत् से 1 कि.ग्रा. अधिकतम लुग्दी का अपादन

- एबीबी डीएल लि., लोहोदय, गुजरात

लुग्दी लुग्दी एवं कणम अनुसंधान विभाग

लुहरी/रसायन मूल्यांकन, रद्दी कागज पुनःचक्रण और कागज विनिर्माण

विभिन्न देशों की लुहरी का भौतिक एवं सामर्थ्य गुणों के लिए मूल्यांकन,

- अल्पा इंटरग्रेशन, देहरादून, उत्तराखंड
- अलोक इंटरग्रेशन, चर्चिका, पं. जगत
- जलन औरमोव प्रा. लि., डे.बी.एम. मुम्बई, महाराष्ट्र
- सेन्टर फॉर नॉनग्रेडिबल टेक्., आईआईटी, त्रिलोकपुर, नई दिल्ली
- सेन्ट्री फ्लैट एंड पेपर, नालकुंडा, उत्तराखंड
- देव प्रिन्स प्रोडक्ट्स प्रा. लि., गिर, उ.प्र.
- एम्प्लेस्ट इंटरस्टीम लि., गंगानगर, उत्तराखंड
- आईटीसी लि., पोस्टमोटी (कोम्पे), कोलकाता, पश्चिम बंगाल
- आईटीसी लि., पोस्टमोटी, पद्मपुर, पश्चिम बंगाल
- डे.के. पेपर लि., इकाई: सीपीएम, गुजरात
- सी.एस.एस. कागज, जाली, उ.प्र.
- गुजरात विन्स को. लि., कोलकाता, पश्चिम बंगाल
- औरमोव पेपर, नाल, महाराष्ट्र
- पेपर फाइबर इमप्रोव, मातली, नई दिल्ली
- सागरपुर टेक्नोलॉजी इन्टरनेट प्रा. लि., सागरपुर, उ.प्र.
- शक्ति इंटरनेट पेपर इंटरस्टीम, अलापुर, जाली, उ.प्र.
- सी.अमीर फ्लैट एंड पेपर लि., कलकत्ता, गुजरात
- सोमर मोई, पी.एम. नालागढ़ गुजरात, पश्चिम बंगाल
- सन साइन इंटरनेट पेपर इंटरस्टीम, जाली, उ.प्र.
- रसायनिक इंधन काम, जाली, उ.प्र.
- गुजरात इंजी. कारपोरेशन, सागरपुर, उ.प्र.
- जलनी फ्लैट एंड पेपर लि., अंकलेख, गुजरात
- निशाभा इंटरस्टीम लि., आई.सी. पूरम मन्दा, पद्मपुर, पश्चिम बंगाल
- सी.एल.एम. फाइबर, औरमोव, पेन, उत्तराखंड

देशों से बढ़ रहे अभोक्ता वस्तुओं की कंपनियों (एफएमसीजी) और पैकेजिंग उद्योग के लिये पैकेजिंग कामगारों की पुनः लुहरीकरण क्षमता और कामगार विनिर्माण क्षमता की तकनीकी जानकारी

- जीतमरा रिवाइनिंग इंडिया प्रा. लि., मुम्बई, महाराष्ट्र
- सी. औरमोव इंडिया प्रा. लि., मुम्बई, महाराष्ट्र
- हिन्दुस्तान प्रिन्सिपल लि., रिम सेन्ट, मुम्बई, महाराष्ट्र
- हिन्दुस्तान प्रिन्सिपल लि., रिम सेन्ट, बैंगलूर, कर्नाटक
- इलेक्ट्रो टेक्. प्रा. लि., बैंगलूर, कर्नाटक

- आईटीपी लि., पोस्टलीडी (कोची), कोयामटूर, तमिलनाडु
- गिर भावकर प्रमेिका, गालचोप न्या. नई दिल्ली
- मुनिनीका इंटरनेशन लि. ग्लोबल सेंटर, मुम्बई, महाराष्ट्र

मूझल साबुन का मूल्यांकन (म्याहो इटाने के सिधे साफन)

- एल.एम. इंडस्ट्रीज, बेलगोरी, उड़ीसा

पर्यावरण प्रबंधन

ईटीपी की पर्याप्तता/दक्षता का मूल्यांकन (कागज इकाइयों)

- जलन्त डुब्लेस लि., इकाई- 7, मैसूर, उ.प्र.
- प्रोडिफिक पेपर प्रा.लि., काशीपुर, उत्तराखण्ड
- देवरीया पेपर मिल लि., देवरीया, उ.प्र.
- हिन्दुस्तान न्यूजलि लि., कोटवागम, बिहार
- कालानी पेपर मिल प्रा. लि., काशीपुर, उत्तराखण्ड
- कोसल पेपर मिल (इकाई-2), कटुआ, जम्मू एवं कश्मीर
- श्री जगदीश पेपर लि., जिला- कानपुर देहात, उ.प्र.
- जेपी पेपर लि., काशीपुर, उत्तराखण्ड
- राजस्थानी पेपर एंड बोर्ड प्रा.लि., भागपुर, उत्तराखण्ड
- मुक्ता पेपर मिल, अराँ, उ.प्र.
- टी.के. पेपर मिल, कटुआ, जम्मू एवं कश्मीर
- श्री भागेश्वरी पेपर लि. इकाई- 1, मुजफ्फरनगर, उ.प्र.
- जगतेश पाप एंड पेपर मिल प्रा. लि., रुड़की, हरिद्वार, उत्तराखण्ड
- विशाल पेपर टेक (इंडिया) लि., गीत मुमरीकपुर, देहातसी, पंजाब
- जोशिया पेपर प्रा.लि., सिक्कराबाद, उ.प्र.
- मन्ना-एन पेपर लि., मेराखुर्द, पंजाब
- मय पेपर मिल लि., मजरापुर, उत्तर प्रदेश
- मुस्तकम्हा पेपर प्रा.लि., रुड़पुर, जगतेश

कपड़ा इकाइयों के ईटीपी की अयुक्तता

- जगुपम प्रोसेस, मैसूर, उ.प्र.
- राग टेक प्रोसेस तास प्रा.लि., मैसूर, उ.प्र.

दुग्ध इकाइयों के ईटीपी की अयुक्तता

- सीलिटीयर फूड्स प्रा.लि. मैसूर, उ.प्र.

चर्मभान ईटीपी की दक्षता का मूल्यांकन

- राजकुमार कैमलाइल मिल, मैसूर, उ.प्र.
- गुरुगो वैमल्यल लि. प्रा. लि., मैसूर, उ.प्र.



- कर्गल डायंग सोल्स, मेरठ, उ.प्र.

मृत्त एवं निर्धन (ग्रैंड एल्टी) व्यवहारिता का गुन्दांकन

- श्री ग्रेड पेपर मिल्स प्रा. लि., गाजियाबाद, उ.प्र.
- कनटेक्स इंडस्ट्रीज प्रा. लि., कोतपुर, उ.प्र.
- सत्य ब्रह्म पेपर मिल प्रा. लि., मेरठ, उ.प्र.
- रेव प्रभाष पेपर प्रा. लि., झांझाबाद, उ.प्र.

सी.पी.सी.बी. योजना एवं बी प्रणति का संचालन

- मोरियन्ट पेपर मिल्स लि., जगताई, मध्य प्रदेश

अत्यधिक प्रदूषित औद्योगिक क्षेत्रों की निगरानी के निरीक्षण का प्रतिवेदन (सी पी सी बी परियोजना)

- 29 इकाईयाँ (कपड़ा, रंगई, कपड़ा पर इत्यादि उत्तराखंड और उ.प्र. में)

उत्तराखण्ड अधिनियम के सम्परीक्षा गुन्दांकन

- सेन्चुरी पल्प एंड पेपर, जालक्यूआ, उत्तराखंड

जल संतुलन और मायगी संतुलन के अध्ययन

- श्री सिद्धांती पेपर मिल्स लि., मुजफ्फरनगर, उ.प्र.

रसायन पुनःप्राप्ति

रसायन पुनःप्राप्ति के प्रशिक्षण और सम्परीक्षा के लिये कार्पिक अनुबंध

- सेविका इंडस्ट्रीज लि., मुक्तसर, पंजाब
- सेन्चुरी पल्प एंड पेपर, जालक्यूआ, उत्तराखंड
- तमिलनाडु मून ग्रिंड पेपर्स लि., काजीबापुरम, तमिल - कन्न, तमिलनाडु
- के.आर. पल्प एंड पेपर्स लि., साहजवापुर, उ.प्र.
- एस. पेपर लि., फैजाबाद, उ.प्र.
- बेर्गस इंडस्ट्रीज लि., जगदगढ़, संयुक्त, पंजाब

चूना भट्टी लगाने की व्यवहारिता

- तमिलनाडु मून ग्रिंड पेपर्स लि., काजीबापुरम, तमिल - कन्न, तमिलनाडु
- सीएस पेपर्स लि., कालाहम्ब मिशमौर, त्रिपुरा राज्य प्रदेश

रसायन पुनःप्राप्ति सम्परीक्षा

- स्यान्थ पेपर्स लि., सेलाबुट, जोखिपारपुर, पंजाब
- पीटी रायू प्राईम प्रेमी पंपाबल कॉरिगिनी, कैन पितावाबान, पेकनबाक, राधु, इंडोनेशिया

काले टच के डिमिनिशेशन परीक्षण

- नैनी पेपर्स लि., कशीपुर, उत्तराखंड

तकनीकी और परामर्शी सेवाएं

निम्नलिखित मिली और संस्थाओं को देशी और गैर देशीय कच्ची सामग्री के समूहों जैसे लुग्दी, कागज, कार्टेडन, गुला, चूने का अपशिष्ट, तापल की घुसी, डराइन, राफेड इन, निस्काश, भूकल, तीस अपशिष्ट इत्यादि के मूल्योन्मुख में तकनीकी सेवाएं प्रदान की गई।

1. ए.के. इन्टरप्र्राइजेस, पटना, बिहार
2. आनन्द इन्टरप्राइजेस, बिहार, जलमंडल
3. आभिलषी प्रॉपर्टीज लि., वैपलु, कर्नाटक
4. माधवा कंटी फैक्ट्री प्रा. लि., सतलुपुर, उ.प्र.
5. अलोक इंडस्ट्रीज प्रा.लि., सोनीपत, हरियाणा
6. आलोक प्रिंटींग अलस, उ.प्र.
7. आर. उमाला फॉल्लोको लि., गीदरा, उ. प्र.
8. आनंद इंडस्ट्रीज लि., गीदरा, उ.प्र.
9. आनंदलकर इंडस्ट्रीज प्रा.लि., कलकत्ता देहात, उ.प्र.
10. ओप्रा प्रदेश शीशिका नैलफेयर रैजिस्ट्रीकल एजुकेशन इंस्टीट्यूशनस शीशिका, गुंटूर, आन्ध्र प्रदेश
11. ओप्रा प्रदेश शीशिका नैलफेयर रैजिस्ट्रीकल एजुकेशन इंस्टीट्यूशनस शीशिका, गुंटूर, आन्ध्र प्रदेश
12. ओकल जोनसोन फेसरी, जयपुर, राजस्थान
13. अनुपम प्रकाशन, मधुरा, उ.प्र.
14. अनुपम प्रोसेसर्स, गीदरा, उ.प्र.
15. आर्गैफैकल प्रिंटिंग, सोनीपत, हरियाणा
16. आशीषा क्राफ्ट पेपर मिल्स, एल.एल.पी., कायलु, जहलम
17. आलु लि., मुम्बई, महाराष्ट्र
18. एम्सोम सर्व शिक्षा आभिलषा मिलन, गुवाहाटी, आसाम
19. कलकरी पेपर मिल्स लि., कलकरीपुर, जलमंडल
20. भलकरी प्रिंटींग प्रेस, मधुरा, उ. प्र.
21. बिहार लोक प्रशारण एलम प्राणीय विकास सोलुस, पटना, बिहार
22. बिहार सरकार अधीक्षक का कार्यालय, गया, बिहार
23. बिहार सरकार समेकित नाल विकास सोल, पटना, बिहार
24. बिहार सरकार श्रम संसाधन विभाग, पटना, बिहार
25. बिहार रिक्ल टेक्नोलॉजी मिलन, पटना, बिहार
26. बिहार स्टेट पावर हांममिलन क. लि., पटना, बिहार
27. बिहार स्टेट टेक्स्ट बुक प्रिंटींग ऑरिगेनल लिमिटेड, पटना, बिहार
28. बिहार निशालय परीक्षा समिति, पटना, बिहार
29. बिम्बा इन्टरप्राइजेस, खेड़ा, गुजरात
30. कलकरी टेक्नोलॉजी प्रा.लि., दिल्ली, हरियाणा
31. कंटी ऑफ़ एलुम एजुकेशन हरियाणा, मिर्जापुर, हरियाणा
32. कलकरी कोम्पोज़र एंड ऑफ़सेट प्रिंटींग, भीमाल, गुजरात प्रदेश

33. जॉन ओवरसीन प्रा.लि., मुम्बई, महाराष्ट्र।
34. कुटी डूक डीहवा प्रा. लि., फेडर नोपडा, तमिल प्रदेश।
35. कल्लर पैपर मिल, बैलाकोटी, असम।
36. सी.बी.एस.ई., नई दिल्ली।
37. केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, नई दिल्ली।
38. मेयर पॉर। भौमोपेडिकल इन्वी. दिल्ली।
39. मेन्टर पॉर इन्वायमेन्टल स्टडीज, अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई।
40. मेन्सुरी फायर वुड पैपर, सालमपुरी, उत्तराखण्ड।
41. नार्मन्डा पैपर प्रा. लि., रायपुर, उ.प्र.
42. नौथरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ, उ.प्र.
43. नौथरी देवी शास्त्र विश्वविद्यालय, सिरसा, हरियाणा।
44. नैम प्राइवेट्स कॉन्सल्टिंग प्रा. लि., नई दिल्ली।
45. डाटा टेक सॉल्यूशंस सॉल्यूशंस प्रा. लि., बटवा।
46. डीसीआरटीपीपी, इन्वोटीडीसीएस, कटन नगर, हरियाणा।
47. दिल्ली न्यूटे ऑफ टेक्स्ट बुक, नई दिल्ली।
48. दिल्ली पैपर, दिल्ली।
49. डीलक्स रिमाइनिंग प्रिंटिंग प्रा.लि., मुम्बई, महाराष्ट्र।
50. देवर्षि पैपर मिल्स लि., देवर्षि, उ.प्र.
51. देवर्षि पैपर प्रा. लि., मेरठ, उ.प्र.
52. देन प्रिन्स प्रिन्ट प्रा. लि., मेरठ, उ.प्र.
53. डायरेक्टोर्ट ऑफ प्रिंटिंग स्टेशनरी, गान्धी नगर, गुजरात।
54. डायरेक्टोर्ट जगत ऑफ टेम्पलेट सर्विसेज, नई दिल्ली।
55. दिशा इंटरस्टीज प्रा. लि., मुजफ्फरनगर, उ.प्र.
56. डीएसबी पैपर प्रा. लि., पतिवाला, पंजाब।
57. एम्बोइमेन्ट न्युट (पब्लिकेशन डिपार्टमेंट), नई दिल्ली।
58. एनरेस्ट इंटरस्टीज लि., भगतपुर, उत्तराखण्ड।
59. एन लॉक प्रा.लि., पुणे, महाराष्ट्र।
60. एन एनोवेल प्रोडक्ट्स लि., आनंदनगर, गुजरात।
61. एनोवेल पैपर प्रा.लि., मुजफ्फरनगर, उ.प्र.
62. एनोवेल पब्लिशिंग लि., सहायपुर, तमिल प्रदेश।
63. एनोवेल प्रिंट, लखनऊ, उ.प्र.
64. एमिंग इंटरस्टीज लि., कुशाभावासी, कर्नाटक।
65. एनोवेल इको प्रोडक्ट्स प्रा.लि., भोलापुर, महाराष्ट्र।

66. गुजरात स्टेट बोर्ड ऑफ स्कूल टेक्स्ट बुक्स, गांधीनगर, गुजरात
67. हरियाणा स्कूल शिक्षा परिषद/पंचसूता, हरियाणा
68. हिमाचल प्रदेश बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन, धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश
69. इंडियन फिल्लर्स (प्रा.) लि., सहायपुर, उ.प्र.
70. हिन्दुस्तान न्यूज प्रिंट लि., कोटवासी, बंगला
71. हिन्दुस्तान युनिवर्सिटी लि., मुम्बई, महाराष्ट्र
72. आई टैक प्रिंट सिस्टम लि., पैडाखापल्ली, तेलंगाना
73. डेली फ्री इंटरनेशनल प्रा. लि., नई दिल्ली
74. आई. के. मुसल पंचायत टैक्सिडल युनिवर्सिटी, कपूरथला, पंजाब
75. इंडियन टेलीट्यूट ऑफ पैबोनिंग, मुम्बई, महाराष्ट्र
76. इंडियन फ्लैट प्रेस टैक्सिडल एसोसिएशन, सहायपुर, उ.प्र.
77. इन्दिरा गांधी मेमोरल ओपन विस्तरिडलल (एन), नई दिल्ली
78. इन्फुम इन्वेस्टमेंस प्रा. लि., कोलकाता
79. इटेक टेक् प्रा. लि., कैलास, कर्नाटक
80. इंटरनेशनल प्रेस एपीसीए लि., ईस्ट गीतवरी, आंध्र प्रदेश
81. आईटीसी लि., पीएसपीटी, (कोई) कोयंबटूर, तमिलनाडु
82. आईटीसी लि., कैलास, कर्नाटक
83. आईटीसी लि., चेन्नई, तमिलनाडु
84. आईटीसी लि., पीएसपीटी, भादंडी कोयंबटूर, तमिलनाडु
85. जे सी स्टेशनरी क. लि., विस्वरुदा, आंध्र प्रदेश
86. जे.के. प्रेस लि., चण्डी, गुजरात
87. जे.के. प्रेस लि., सभरुदा, उड़ीसा
88. जय जयवर्धन चंद विस्वरिडलल, जोधपुर, राजस्थान
89. जयपुर पाब्लिशिंग, जयपुर, राजस्थान
90. जयकी मूडिप्रिंट लि., मेरठ, उ.प्र.
91. जेरियन प्रेस टैक, चण्डी, मुम्बई, महाराष्ट्र
92. जयचण्ड सिखा परिषद/पंचसूता, पंचसूता, जयचण्ड
93. जे.के. प्रेस लि., नई दिल्ली
94. जे.आर.फ्लैट प्रेस प्रेस लि., जयचण्ड, उ.प्र.
95. जे.पी. प्रिंटिंग प्रेस जयचण्ड चण्डी, जयपुर, उत्तर प्रदेश
96. जयवर्धन चंद, जयपुर, उ.प्र.
97. जे.आर. प्रिंटिंग प्रेस, जयपुर, पंजाब प्रदेश
98. जयचण्ड सिखा, मेरठ, उ.प्र.

99. भारतीय बिहार संस्कृत शिक्षा बोर्ड, पटना, बिहार
100. भारतीय कलेक्टर एवं निर्वाचन अधिकारी, मिर्जापुर, मध्य प्रदेश
101. भारतीय कलेक्टर एवं निर्वाचन, सिद्धी, मध्यप्रदेश
102. भारतीय कलेक्टर एवं शिक्षा निर्वाचन, राजगढ़, उत्तराखण्ड
103. भारतीय ग्रामीण शिक्षा अधिकारी, जिलाकार, गढ़वा
104. भारतीय पत्र मित्तम प्र. लि., काशीपुर, उत्तराखण्ड
105. कौशिकी पत्र मित्तम प्र. लि., अमरकोट, उ. प्र.
106. कौशिकी पत्र एडिटरम, जिलाकार, उ. प्र.
107. कौशिकी पत्र मित्तम लि., अमरकोट, पंजाब
108. कौशिकी पत्र मित्तम, कटुआ, जम्मू एवं कश्मीर
109. कौशिकी पत्र पत्र पत्र प्र. लि., मुक्तनगर, उ. प्र.
110. कौशिकी पत्र प्र. लि., नई दिल्ली
111. कौशिकी पत्र प्र. लि., जिलाकार, पंजाब
112. कौशिकी पत्र प्र. लि., जिलाकार, पंजाब
113. कौशिकी पत्र प्र. लि., जिलाकार, उ. प्र.
114. कौशिकी पत्र प्र. लि., जिलाकार, उ. प्र.
115. कौशिकी पत्र प्र. लि., जिलाकार, उ. प्र.
116. कौशिकी पत्र प्र. लि., जिलाकार, उ. प्र.
117. कौशिकी पत्र प्र. लि., जिलाकार, उ. प्र.
118. कौशिकी पत्र प्र. लि., जिलाकार, उ. प्र.
119. कौशिकी पत्र प्र. लि., जिलाकार, उ. प्र.
120. कौशिकी पत्र प्र. लि., जिलाकार, उ. प्र.
121. कौशिकी पत्र प्र. लि., जिलाकार, उ. प्र.
122. कौशिकी पत्र प्र. लि., जिलाकार, उ. प्र.
123. कौशिकी पत्र प्र. लि., जिलाकार, उ. प्र.
124. कौशिकी पत्र प्र. लि., जिलाकार, उ. प्र.
125. कौशिकी पत्र प्र. लि., जिलाकार, उ. प्र.
126. कौशिकी पत्र प्र. लि., जिलाकार, उ. प्र.
127. कौशिकी पत्र प्र. लि., जिलाकार, उ. प्र.
128. कौशिकी पत्र प्र. लि., जिलाकार, उ. प्र.
129. कौशिकी पत्र प्र. लि., जिलाकार, उ. प्र.
130. कौशिकी पत्र प्र. लि., जिलाकार, उ. प्र.
131. कौशिकी पत्र प्र. लि., जिलाकार, उ. प्र.

- | | |
|------|---|
| 132- | गुड्डम तथा लेखन सामग्री विभाग इरिवाणा, पंचकुला, इरिवाणा |
| 133- | गैसुर सेल इंटरनेशनल लि., पैगवुलू, कर्नाटका |
| 134- | गैनी पैपर्स लि., काशीपुर, उत्तराखण्ड |
| 135- | गैनी टिक्पुन लि., काशीपुर, उत्तराखण्ड |
| 136- | गुन मोई आर.टी., नई दिल्ली |
| 137- | गोसायन लेब मिशन, पंचकुला, इरिवाणा |
| 138- | गोसायन डिस्ट्री, रांची, झारखंड |
| 139- | गू बोन्ना इंडिया लि., मेरठ, उ.प्र. |
| 140- | गू माल मिश्र, पटना, बिहार |
| 141- | गुर्प बिहार फार्म डिस्ट्रीब्यूशन क. लि., पटना, बिहार |
| 142- | ग्रीन टैक्स मैसाचुसेट्स रिसर्च एंडेवर्सिटी, गॉजिथमस, उ. प्र. |
| 143- | ऑफिस ऑफ द हिन्दी कमिशनर ऑफ कन्नडा, सूल, गुजरात |
| 144- | ऑफिस ऑफ द डिमिपेल कमिशनर ऑफ कन्नडा, कांच, गुजरात |
| 145- | ऑरिएन्ट पैपर मिल, मल्लटेल, राज्य प्रदेश |
| 146- | ओरीया पैपर्स प्रा. लि., मिडनराबाद, उ. प्र. |
| 147- | ओमरी गीन प्रोडक्शंस, भागलपुर, तमिळ, उत्तराखंड |
| 148- | ओपस्टा डिस्ट्री बंड पब्लिशर्स प्रा. लि., मधुरा, उ. प्र. |
| 149- | पेपर फ़ैक्ट्री इण्डिया, नई दिल्ली |
| 150- | परिब्रत पैपर मिश्र लि., पुरुषकरनागर, उ.प्र. |
| 151- | पटुचो मैसाचुसेट्स डिस्ट. प्रा. लि., मेरठ, उ. प्र. |
| 152- | पमकास पैपर्स लि., मेरठ, उ. प्र. |
| 153- | पमकास डिस्ट्री, आगरा उ. प्र. |
| 154- | पिकाकन कुमा प्रा.लि., ठासी, उ. प्र. |
| 155- | प्राचीन इंटरनेशनल, काशीपुर, उत्तराखण्ड |
| 156- | प्राभा पब्लिशर्स, काशीपुर, उत्तराखण्ड |
| 157- | प्रासा डिस्ट्री, पटना, बिहार |
| 158- | प्रिन्स टैक्स, उताखण्ड, उ. प्र. |
| 159- | प्रिंट एंड स्टेशनरी डिपार्टमेंट, पंचकुला, इरिवाणा |
| 160- | प्रिन्सिपल पैपर्स प्रा.लि., काशीपुर, उत्तराखण्ड |
| 161- | पल्प एंड पेपर रिपर्स इंस्टीट्यूट, ने के पूर, रायपुर, उड़ीसा |
| 162- | पंचम गोपाल बैंक, प्रिंटिंग एवं स्टेशनरी विभाग, गोपट्टा, उ. प्र. |
| 163- | पंचम गोपाल बैंक, गोपाल स्टेशनरी मेन्टर, लखनऊ, उ. प्र. |

164. ਫੰਡੇਜ਼ ਸਟ੍ਰਿਕਟਲੀਜ਼, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ, ਪੰਜਾਬ
165. ਆਰ.ਏ.ਸੀ. ਪੈਪਰ ਲਿ. ਲਾਹੌਰ, ਤ. 3
166. ਟਾਕ ਪੇਪਰਪ੍ਰਾਜੈਕਟ, ਫ਼ਤਹਗੜ੍ਹ, ਭੁਵਨੇਸ਼ਵਰ
167. ਟਾਕਸਟਾਨ ਟਾਕਸ ਪਾਡਲ ਮੁਲਕ ਮੰਡਲ, ਕਾਨਪੁਰ, ਟਾਕਸਟਾਨ
168. ਟਾਕਸਟਾਨ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨ, ਫ਼ਤਹਗੜ੍ਹ, ਤ. 3
169. ਟਾਕਸਟਾਨ ਪੈਪਰ ਪੇਂਟ ਚੋਟੀ ਪ੍ਰਾ. ਲਿ., ਕਾਨਪੁਰ, ਟਾਕਸਟਾਨ
170. ਟਾਕ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨ ਪੈਪਰ ਪ੍ਰਾ. ਲਿ., ਕਾਨਪੁਰ, ਟਾਕਸਟਾਨ
171. ਟਾਕ ਪੈਪਰ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨ ਪ੍ਰਾ. ਲਿ., ਕਾਨਪੁਰ, ਤ. 3
172. ਟਾਕ ਪੈਪਰ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨ ਪ੍ਰਾ. ਲਿ., ਕਾਨਪੁਰ, ਤ. 3
173. ਟਾਕ ਪੈਪਰ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨ ਪ੍ਰਾ. ਲਿ., ਕਾਨਪੁਰ, ਤ. 3
174. ਟਾਕ ਪੈਪਰ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨ ਪ੍ਰਾ. ਲਿ., ਕਾਨਪੁਰ, ਤ. 3
175. ਟਾਕ ਪੈਪਰ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨ ਪ੍ਰਾ. ਲਿ., ਕਾਨਪੁਰ, ਤ. 3
176. ਟਾਕ ਪੈਪਰ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨ ਪ੍ਰਾ. ਲਿ., ਕਾਨਪੁਰ, ਤ. 3
177. ਟਾਕ ਪੈਪਰ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨ ਪ੍ਰਾ. ਲਿ., ਕਾਨਪੁਰ, ਤ. 3
178. ਟਾਕ ਪੈਪਰ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨ ਪ੍ਰਾ. ਲਿ., ਕਾਨਪੁਰ, ਤ. 3
179. ਟਾਕ ਪੈਪਰ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨ ਪ੍ਰਾ. ਲਿ., ਕਾਨਪੁਰ, ਤ. 3
180. ਟਾਕ ਪੈਪਰ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨ ਪ੍ਰਾ. ਲਿ., ਕਾਨਪੁਰ, ਤ. 3
181. ਟਾਕ ਪੈਪਰ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨ ਪ੍ਰਾ. ਲਿ., ਕਾਨਪੁਰ, ਤ. 3
182. ਟਾਕ ਪੈਪਰ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨ ਪ੍ਰਾ. ਲਿ., ਕਾਨਪੁਰ, ਤ. 3
183. ਟਾਕ ਪੈਪਰ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨ ਪ੍ਰਾ. ਲਿ., ਕਾਨਪੁਰ, ਤ. 3
184. ਟਾਕ ਪੈਪਰ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨ ਪ੍ਰਾ. ਲਿ., ਕਾਨਪੁਰ, ਤ. 3
185. ਟਾਕ ਪੈਪਰ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨ ਪ੍ਰਾ. ਲਿ., ਕਾਨਪੁਰ, ਤ. 3
186. ਟਾਕ ਪੈਪਰ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨ ਪ੍ਰਾ. ਲਿ., ਕਾਨਪੁਰ, ਤ. 3
187. ਟਾਕ ਪੈਪਰ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨ ਪ੍ਰਾ. ਲਿ., ਕਾਨਪੁਰ, ਤ. 3
188. ਟਾਕ ਪੈਪਰ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨ ਪ੍ਰਾ. ਲਿ., ਕਾਨਪੁਰ, ਤ. 3
189. ਟਾਕ ਪੈਪਰ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨ ਪ੍ਰਾ. ਲਿ., ਕਾਨਪੁਰ, ਤ. 3
190. ਟਾਕ ਪੈਪਰ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨ ਪ੍ਰਾ. ਲਿ., ਕਾਨਪੁਰ, ਤ. 3
191. ਟਾਕ ਪੈਪਰ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨ ਪ੍ਰਾ. ਲਿ., ਕਾਨਪੁਰ, ਤ. 3
192. ਟਾਕ ਪੈਪਰ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨ ਪ੍ਰਾ. ਲਿ., ਕਾਨਪੁਰ, ਤ. 3
193. ਟਾਕ ਪੈਪਰ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨ ਪ੍ਰਾ. ਲਿ., ਕਾਨਪੁਰ, ਤ. 3
194. ਟਾਕ ਪੈਪਰ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨ ਪ੍ਰਾ. ਲਿ., ਕਾਨਪੁਰ, ਤ. 3
195. ਟਾਕ ਪੈਪਰ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨ ਪ੍ਰਾ. ਲਿ., ਕਾਨਪੁਰ, ਤ. 3

1986. श्री अमीत फाय एंड पेपर लि., बदायूँ, गुजरात
1987. श्री भगिस्वरी पेपर्स लि., मुजफ्फरगढ़, उ.प्र.
1988. श्री कार्तिक पेपर्स लि., सोलापी, तमिळनाडू
1989. श्री केला जी कुम्भा प्रा.लि., वागरी, उ.प्र.
2000. श्री नागेश्वर पेपर्स लि., कानपुर, उ.प्र.
2001. श्री राजकुमार वैष्णवाइल मिल्स, मेरठ, उ.प्र.
2002. श्री सिद्धबल्ली पेपर मिल्स लि., मुजफ्फरगढ़, उ.प्र.
2003. शेर्पाइंडस्ट्रीज लि., आम्बरगढ़, पंजाब
2004. श्री मंगा पेपर मिल्स प्रा. लि., गाजियाबाद, उ.प्र.
2005. श्रीराम इंडस्ट्रियल ऑफ इंडस्ट्रियल सिस्टम, दिल्ली
2006. शरदा प्रिंटिंग इंडस्ट्रीज प्रा. लि., सीतापुर, उ.प्र.
2007. शुक्लाम्बर पेपर्स प्रा. लि., बाराणसी, उत्तरप्रदेश
2008. सिद्धेस्वरी इंडस्ट्रीज प्रा.लि., मुजफ्फरगढ़, उ.प्र.
2009. सिन्थेटिक फायर एंड पेपर्स प्रा. लि., मुजफ्फरगढ़, उ.प्र.
2010. सिम्पल एकेमीज, लखनऊ, उ.प्र.
2011. स्काई लार्ज प्रिंटिंग एंड पब्लिशिंग प्रा. लि., मथुरा, उत्तर प्रदेश
2012. सौमित्रियर फूड्स प्रा. लि., मेरठ, उ.प्र.
2013. सोमा फेड, हृदली, पंजाब
2014. साधु प्रिंटिंग फर्मा सिन्थेटिकल प्रा.लि., परना, बिहार
2015. दक्षिण रेलवे प्रिंटिंग प्रेस, बेन्त, तमिळनाडू
2016. स्टाइल क्राफ्ट पेपर्स प्रा. लि., मेरठ, उ.प्र.
2017. स्टाइल पेपर मिल्स लि., सहरनपुर, उत्तर प्रदेश
2018. स्टार प्रिंटिंग सोसाइटी प्रिंटिंग, परना, बिहार
2019. स्टार सोसाइटी फायर अल्फा फायर एंड सोसाइटी प्रिंटिंग, परना, बिहार
2020. सुवि पेपर मिल्स लि., नीलदा, उ.प्र.
2021. सुवर्णा एवं जनसामर्थी प्रिंटिंग, लखनऊ, उ.प्र.
2022. सन शाइन हौटगेट पेपर इंडस्ट्रीज, जालौन, उ.प्र.
2023. सुप्रोम पेपर मिल्स लि., कोलकाता, पंजाब
2024. सुधी प्रिंटिंग प्रोसेस, बरसाना, उ.प्र.
2025. स्वर्णिम हाथ कारखाना, जालौन, उ.प्र.
2026. टी.के. पेपर मिल्स, कानपुर, उत्तर प्रदेश
2027. तमिळनाडू न्यूजप्रीट एंड पेपर्स लि., काजीबापुरम, तमिळनाडू

228. કામ સેવક કાર્યપોશન, હાં દિલ્લી
229. કિશ્મ પ્લોમિંગેટમ, પૂર્વ, મહારાષ્ટ્ર
230. ટેટ્સ વૈક હોદિયા પ્રા.તિ., મુમ્બાઈ, મહારાષ્ટ્ર
231. રિ. ઝર્ટ ગૈલર્સ, પટના, બિહાર
232. રિ. ઇન્સ્ટીટ્યૂટ ઓફ ચાર્ટર્ડ એન્જીનીયર્સ ઓફ હોદિયા, મોરારા, ડ. પ્ર.
233. રિ. સેલ્સ તિ., અમરનાથ, ગુજરાત
234. રિ. ટિન્નુસ ટુમ, પંચોમલ, પંજાબ
235. રાઈટેન્ગ તિ., સુમિયા, પંજાબ
236. રાઈટેન્ગ ઇન્ટરનેશનલ પ્રા.તિ., મુમ્બાઈ, મહારાષ્ટ્ર
237. રિવેલી કમ્પ્યુટર પ્રોગ્રામ, રાંધી, રાજસ્થાન
238. રુનિયમી ઇન્ફોર્મેશન કાર્યપોશન, મહારાષ્ટ્ર, રાજ્ય પ્રદેશ
239. રાજ્ય પ્રદેશ રાંધી રાંધી, રાજ્ય, ડ. પ્ર.
240. રાંધી રાંધી રાંધી રાંધી રાંધી, રાંધી, રાજ્ય પ્રદેશ
241. રાંધી રાંધી રાંધી રાંધી રાંધી, રાંધી, રાજ્ય પ્રદેશ
242. રાંધી રાંધી રાંધી રાંધી રાંધી, રાંધી, રાજ્ય પ્રદેશ
243. રાંધી રાંધી રાંધી રાંધી રાંધી, રાંધી, રાજ્ય પ્રદેશ
244. રાંધી રાંધી રાંધી રાંધી રાંધી, રાંધી, રાજ્ય પ્રદેશ
245. રાંધી રાંધી રાંધી રાંધી રાંધી, રાંધી, રાજ્ય પ્રદેશ
246. રાંધી રાંધી રાંધી રાંધી રાંધી, રાંધી, રાજ્ય પ્રદેશ
247. રાંધી રાંધી રાંધી રાંધી રાંધી, રાંધી, રાજ્ય પ્રદેશ
248. રાંધી રાંધી રાંધી રાંધી રાંધી, રાંધી, રાજ્ય પ્રદેશ
249. રાંધી રાંધી રાંધી રાંધી રાંધી, રાંધી, રાજ્ય પ્રદેશ
250. રાંધી રાંધી રાંધી રાંધી રાંધી, રાંધી, રાજ્ય પ્રદેશ
251. રાંધી રાંધી રાંધી રાંધી રાંધી, રાંધી, રાજ્ય પ્રદેશ
252. રાંધી રાંધી રાંધી રાંધી રાંધી, રાંધી, રાજ્ય પ્રદેશ
253. રાંધી રાંધી રાંધી રાંધી રાંધી, રાંધી, રાજ્ય પ્રદેશ
254. રાંધી રાંધી રાંધી રાંધી રાંધી, રાંધી, રાજ્ય પ્રદેશ
255. રાંધી રાંધી રાંધી રાંધી રાંધી, રાંધી, રાજ્ય પ્રદેશ
256. રાંધી રાંધી રાંધી રાંધી રાંધી, રાંધી, રાજ્ય પ્રદેશ
257. રાંધી રાંધી રાંધી રાંધી રાંધી, રાંધી, રાજ્ય પ્રદેશ
258. રાંધી રાંધી રાંધી રાંધી રાંધી, રાંધી, રાજ્ય પ્રદેશ
259. રાંધી રાંધી રાંધી રાંધી રાંધી, રાંધી, રાજ્ય પ્રદેશ
260. રાંધી રાંધી રાંધી રાંધી રાંધી, રાંધી, રાજ્ય પ્રદેશ

बैठकों को आयोजन/भाग लिया

सुरंगी, कामज एवं संबंद्ध व्यक्तियों को विकास परिषद को अनुसंधान प्रशासन समिति (आएएसो-डीसीपीएआई) की बैठक:

सुरंगी कामज और संबंद्ध तहसील को विकास परिषद को अनुसंधान प्रशासन समिति की प्रथम बैठक दिनांक 19 जुलाई 2018 को प्रयोग भवन, नई दिल्ली के सम्मेलन कक्षा संख्या 152 में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता डा. कंदन कुमार, आईटीएम, संयुक्त सचिव, प्रयोग योजना एवं जांचिका व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) ने की। डा. सी.पी.मणिलाल, निदेशक, सी.पी.पी.आर.आई. और सदस्य सचिव ने बैठक का कार्यक्रम प्रस्तुत किया। समिति ने जल सही परिवीकनार्थी और प्रस्तावित नई परियोजनाओं की समीक्षा की। सभा में आएएसो-डीसीपीआईआई के साथ विशेष आमंत्रित डीपीआईआईटी, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, आईपीएमए, आईएआरपीएमए, आईएएमए, एसोआईआईटी, एनआरआई और सी.पी.पी.आर.आई. के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।



आर.एस.पी.-डीसीपी.पी.ए.आई. की प्रथम बैठक की झलकियाँ

वर्ष 2018-19 के दौरान प्रमुख बैठकों जिनमें सी.पी.पी.आर.आई. के वैज्ञानिकों ने भाग लिया

उद्योग भवन नई दिल्ली में बैठकें

- डा. सी.पी.मणिलाल और डा. एम.के.गुप्त ने उद्योग भवन, नई दिल्ली में 12 जून 2018 को उत्तर-पूर्व क्षेत्र के औद्योगिक नीति एवं संशोधन (एसईआईपीपी) के तहत केन्द्रीय पूंजी निवेश हट में हट के दान पर एक बैठक में भाग लिया।
- डा. सी.पी.मणिलाल ने सामंजसिक सर्वेक्षक मॉडल - 2017 पर 20 जून 2018 को एक बैठक में भाग लिया।
- डा. सी.पी.मणिलाल ने 20 जून 2018 को क्यूसीओ पर हुई एक बैठक में भाग लिया।
- डा. सी.पी.मणिलाल ने 15 जुलाई 2018 को सांख्यिकी के प्रशासन में संबंधित भाग के उद्योग व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (आएसडीपी) की बैठक में भाग लिया।
- डा. सी.पी.मणिलाल और डा. संजय त्यागी ने 6 नवम्बर 2018 को नेशनल लि. के पुनः प्रवर्तन और मिल विकास योजना (आएएसडीपी) के लिए प्रतिष्ठान निगम समिति की बैठक में भाग लिया।
- डा. सी.पी.मणिलाल ने 13 नवम्बर 2018 को नेशनल लि. के पुनः प्रवर्तन और मिल विकास योजना (आएसडीपी) के हेतु प्रतिष्ठान निगम समिति की बैठक में भाग लिया।
- श्रीमती रीता टंडन, डा. एम.के.गुप्त और डा. संजय त्यागी ने 20 नवम्बर 2018 को नेशनल लि. के पुनः प्रवर्तन और मिल विकास योजना (आएसडीपी) के लिए प्रतिष्ठान निगम समिति की बैठक में भाग लिया।

- श्रीमती रीता टंडन ने संयुक्त समिति (ट्रैडिचवाई) और निदेशक (ट्रैडिचवाई) के साथ 29 नवम्बर 2018 को जारी ज्योतिष विभाग में गैरा लि. के पुनःप्रवर्तन और मिल विकास योजना (अंतराष्ट्रीय) के विकास की समीक्षा बैठक में भाग लिया।
- डा. बी.पी. शर्मा, डा. एम.के. गुप्ता और डा. संजय त्यागी ने 3 दिसम्बर 2018 को भारतीय पुंजी निवेश समिती के कार्य के लिए प्रतिष्ठित सशस्त्र समिती की बैठक में भाग लिया।
- डा. बी.पी. शर्मा, डा. श्रीमती रीता टंडन और डा. एम.के. गुप्ता ने 2 जनवरी 2019 को गैरा लि. के पुनः प्रवर्तन और मिल विकास योजना (अंतराष्ट्रीय) के विकास समीक्षा के मूल्यांकन के लिए निदेशक की बैठक में भाग लिया।
- डा. बी.पी. शर्मा और डा. अश्विन्द शर्मा ने 3 जनवरी 2019 और 8 फरवरी 2019 को एंथ्रोपमेट्स कर्पोरेशन में काम करने वाले के लिए भीरुता और भीरुता की समीक्षा के मूल्यांकन के लिए बैठक में भाग लिया।
- डा. बी.पी. शर्मा, डा. श्रीमती रीता टंडन और डा. संजय त्यागी ने 8 मार्च 2019 को गैरा लि. के पुनःप्रवर्तन और मिल विकास योजना (अंतराष्ट्रीय) के लिए प्रतिष्ठित निदेशक की बैठक में भाग लिया।

सर्वोच्च न्यायालय, नए एवं जलवायु परिवर्तन, नई दिल्ली में बैठकें

- डा. बी.पी. शर्मा और डा. निरंजन टंडन ने 5 जुलाई 2018 को सुप्रीम एवं कामगार मितियों के लिए नए असाइनमेंट परीक्षाएं मानकीकरण की बैठक में भाग लिया।
- डा. बी.पी. शर्मा और डा. एम.के. गुप्ता ने 18 सितम्बर 2018 और 9 अक्टूबर 2018 को पर्यावरण मूल्यांकन समिति (ईएसी) की बैठक में भाग लिया।
- डा. बी.पी. शर्मा ने 11-12 दिसम्बर 2018 को विशेष मूल्यांकन समिति की बैठक में भाग लिया।

पारसीपन मध्यम शिक्षात्मक अनुसंधान मंच (आईआरएएम), मुम्बई में बैठकें

- डा. बी.पी. शर्मा ने 14 दिसम्बर 2018 को बी.पी.पी.आर.आई. की इण्डियालीजों के एनक्वायरमेंट मानक से संबंधित और बी.पी.पी.आर.आई. के विस्तार केन्द्र के पुनर्गठन के लिए बैठक में भाग लिया।

ऊर्जा और संसाधन समिति (टीईआरआई), नई दिल्ली में बैठकें

- डा. बी.पी. शर्मा ने 27 जुलाई 2018 को संयुक्त डेटा रीनिंग (जेसीएम) की परामर्शी बैठक में भाग लिया।

पारसीपन रिजर्व बैंक, मुम्बई में बैठकें

- डा. बी.पी. शर्मा ने 6-7 सितम्बर को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई में आईआईटी की तकनीकी समिति की बैठक में भाग लिया।

ऊर्जा वसुधा प्रकृति, नई दिल्ली में बैठकें

- डा. बी.पी. शर्मा और श्री अशोक कुमार गोपाल ने 11 मई 2018 को ऊर्जा की प्रतिकारी कम्पनिज (ई.एस.सी.सी.) की बैठक में भाग लिया।
- डा. बी.पी. शर्मा ने 6 जुलाई 2018 को ऊर्जा निदेशक की बैठक में भाग लिया।
- डा. बी.पी. शर्मा ने 12 मार्च 2019 को 10वीं संयुक्त विशेष तकनीकी समिति की बैठक में भाग लिया।

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, नई दिल्ली में बैठकें

- डा. बी.पी. भणुसिंह और डा. नितीश एंडले ने 24 जुलाई 2018 को केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में लुगदी एवं कागज किलों के लिये नये प्रस्तावित पर्यावरण मानकों की बैठक में भाग लिया।
- डा. विनोदकर मिश्रा और डा. नितीश एंडले ने 14 मई 2018 और 2 अगस्त 2018 को पर्यावरण नियंत्रण अनुसंधान संस्थान (सीपीआरआई), बॉम्बेई, हरिद्वार में सीपीसीबी परियोजना- अर्थात् प्रदूषण क्लोनी को नियंत्रण के तहत कार्य प्रगति पर कच्चे के लिये संयंत्रों को एगोस्टरी पर सीपीसीबी के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस में भाग लिया।

अन्य

- डा. बी.पी. भणुसिंह, डा. प्रोवि एस लाल और डा. अरविन्द शर्मा ने 18-20 अप्रैल को तिरुपति कर्मीसी के साथ प्रायोगिक परियोजना की बैठक में भाग लिया।



गिरमिट के अधिकारियों के साथ बैठक

- डा. बी.पी. भणुसिंह ने 17 और 31 मई 2018 को भारतीय कागज निर्माता संघ (आईपीएफ) में भारत में कागज की पुनः प्रयोग के मुख्य समूह की बैठक में भाग लिया।
- डा. प्रोवि एस लाल ने 30 मई और 9 अगस्त 2018 को मुम्बई, पंजाब में सेविगा पैपर मिल्स लि. बोर्ड की बैठक में भाग लिया।
- डा. बी.पी. भणुसिंह और श्री आदीक कृष्ण गोमल ने 19 जून 2018 को सीजीएम, ईईएसएल के साथ समझौता पत्र को अंतिम रूप देने और ईईएसएल और सी.पी.पी.आई.आई. द्वारा संयुक्त रूप से कार्यागार आयोजित करने हेतु ऊर्जा दक्षता सेवा लि. (ईईएसएल) मीटिंग में बैठक में भाग लिया।
- डा. बी.पी. भणुसिंह, डा. एस.के. मुसा, डा. आर.टी. सोदिवाल, डा. ए.के.टी.मिशा और डा. संजय लक्ष्मी ने 1 अगस्त 2018 को सी.पी.पी.आई.आई. मद्रास में ईईएसएल और स्टार पैपर मिल्स लि. के कार्मिकों के साथ मिल में ऊर्जा दक्षता परियोजनाओं के क्रियान्वयन हेतु बैठक में भाग लिया।



ईईएसएल, एवं स्टार पैपर मिल्स अधिकारियों के साथ सी.पी.पी.आई.आई. के वैज्ञानिकों की बैठक

- डा. बी.पी.शर्मासिन्हाल और डा. एम.के.गुप्ता ने 29 अक्टूबर 2018 को बन अनुसंधान संस्थान (एनआरआई), देहरादून में प्रायोगिक रक्त-कागज यंत्रों के निपटान हेतु बैठक में भाग लिया।
- श्रीमती अनुष्मा चौ. बरबारे, मू. शीतल मंत्र, श्री विकास कुमार और श्री विजय कुमार ने 14 दिसम्बर 2018 को सी.पी.पी.आर.आई. में वश पेपर्स लि. की सहायक टूल के सदस्यों के अहर्कशा सिंह और मू. काजल सेठी के साथ किफायतीय पुनर्निर्माण और होम पर संयुक्त साधन कार्यक्रम के संबंध में बैठक में भाग लिया।
- डा. बी. पी. शर्मासिन्हाल और डा. आर.डी.मोदियाल ने 17 दिसम्बर 2018 को नई दिल्ली में राष्ट्रीय डाक टिकट कालेज के कार्यक्रम निर्देशकों सरोज और पुन.दीनार हेतु एनपीएससीआईएल, नई दिल्ली को बैठक में भाग लिया।
- डा. आर.डी. मोदियाल ने 18 दिसम्बर 2018 को रीको, सीटी इंस्टीट्यूट लि., मुम्बई, हरियाणा में राष्ट्रीय फर के इलाहाद हेतु नवी बैठक में भाग लिया।
- डा. बी.पी.शर्मासिन्हाल ने 15 जनवरी 2019 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में लिके भारत और जीपी इतिहासिक भण्डार के साथ एक बैठक में भाग लिया।
- डा. बी.पी.शर्मासिन्हाल और डा. आर.डी. मोदियाल ने 19 जनवरी 2019 को प्रतिभूति मुद्रण प्रिंट, देहरादून में कागज निर्देशकों को धर्मिता की बैठक में भाग लिया।
- डा. बी.पी.शर्मासिन्हाल ने 21 जनवरी 2019 को केनई में एमएस के अधिकारियों के साथ बैठक में भाग लिया।
- डा. बी.पी.शर्मासिन्हाल ने 14 और 26 फरवरी 2019 को नई दिल्ली में पीएचडी केमर में आईपीएमए की मुला समूह के साथ राष्ट्रीय कागज के प्रयोग के लिए हुई बैठक में भाग लिया।
- डा. संजय त्यागी ने 15 फरवरी 2019 को भारतीय प्रतिभूति प्रेम, नासिक में फायरफोर्ट कागज नमूने को लेने के लिए वास्तव संयोजन प्रक्रिया विचार करने हेतु बैठक में भाग लिया।
- डा. बी.पी. शर्मासिन्हाल, श्रीमती सीता टेंडन, डा. एम.के.गुप्ता और डा. संजय त्यागी ने 6 मार्च 2019 को नई दिल्ली में पैफाल, डाटा कम्युनिटी इंजीनियर्स और गेन लि. नेशनल के अधिकारियों के साथ एक बैठक में भाग लिया।
- डा. बी.पी.शर्मासिन्हाल और डा. के. सिंह ने भारत में कागज पुनःचक्रण प्रणाली की स्थापना के कार्य समूह के साथ जांचन कागज सेम द्वारा एमईटीआई परिदेवक के अन्तर्गत प्रयोजन बैठक में भाग लिया।



भारत में कागज पुनःचक्रण प्रणाली की स्थापना के कार्य समूह की बैठक की इलाकिया

सी.पी.पी.आर.आई. द्वारा आयोजित राष्ट्रीय और अन्य प्रमुख दिवस

स्वातंत्र्य दिवस

सी.पी.पी.आर.आई. में 15 अगस्त 2018 को स्वातंत्र्य दिवस बड़े धूमधाम और उत्साह से मनाया गया। निदेशक महोदय श्री सुरेश कार्मिकों द्वारा गाई जॉय जॉय देने के बाद राष्ट्रीय झंडे को फहराया गया, तत्पश्चात राष्ट्रीय गान गाया गया। इस अवसर पर निदेशक डा. बी. पी. मधुसूदन ने उपस्थित कार्यचारियों और उनके परिवार के सदस्यों को संबोधित करते हुए स्वातंत्र्य सेनानियों के बलिदानों को याद किया और संस्थान की उपलब्धियों और भविष्य की परियोजनाओं पर भी प्रकाश डाला और संस्थान के विकास की गति की प्रशंसा का खुलासा किया। सी.पी.पी.आर.आई. कार्यचारियों की 10वीं और 12 वीं बच्चा की मेधावी बच्चों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर संस्थान के गवन को रोसा किया गया।



स्वातंत्र्य दिवस की प्रतिक्रिया

गणतंत्र दिवस

सी.पी.सी.आई.आई. ने 26 जनवरी 2019 को गणतंत्र दिवस को बड़े धूमधाम और उत्साह से मनाया। (निदेशक गलोटप की सुरुआत कार्यक्रमों द्वारा गाई और गाई देने के बाद डा. बी.पी. बार्सिलवाल, निदेशक गलोटप ने राष्ट्रीय झंडे को फहराया, उत्सवकार सभ्योय गाया गया। इस अवसर पर निदेशक डा. बी.पी. बार्सिलवाल ने उत्सवकार कार्यक्रमों और उनके परिवार के सदस्यों को संबोधित किया और हमारे राष्ट्र के सभी को राष्ट्र की प्रगति एवं विकास में योगदान को बढ़ावा देना और संस्कृत को गतिविधियों और उत्सवों में प्रकाश देना।



गणतंत्र दिवस की झूलकियाँ

योग दिवस

दैनिक जीवन में योग और स्वास्थ्य के अभ्यास को बढ़ावा देने के लिए सी.पी.पी.आर.आई. में 21 जून 2018 को तीसरा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। डॉ. संजय त्यागी, चरिष्ठ वैज्ञानिक, सी.पी.पी.आर.आई. के मार्गदर्शन में सी.पी.पी.आर.आई. के आवासीय परिसर में योग दिवस आयोजित किया गया, जिसमें सभी कर्मचारी भी एवं उनके परिवार के सदस्यों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम ने योग के समग्र लाभों पर जागरूकता पैदा करने में मदद की।



सी.पी.पी.आर.आई. में मनाये गये अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की छलकियाँ

राजभाषा हिन्दी मास

कर्मचारियों को राजभाषा हिन्दी के उपयोग को न केवल दिन-प्रतिदिन के बल्कि, अधिष्ठा वैज्ञानिकीय महत्त्वोंकी कार्यो में भी बढ़ावा देने के उद्देश्य से संस्थान में 01-30 सितम्बर 2018 के मध्य राजभाषा हिन्दी मास का आयोजन किया गया। संस्थान में हिन्दी भाषा के उपयोग को बढ़ाने हेतु सितम्बर 14, 2018 को एक बैठक डॉ. सी.पी. वर्तमान, निदेशक को अध्यक्षता में सम्पन्न हुई जिसमें चरिष्ठ वैज्ञानिकी, प्रशासन और विज्ञान एवं लेखा विभाग के कर्मचारियों ने भाग लिया। संस्थान में हिन्दी भाषा के बढ़ते उपयोग की प्रगति की समीक्षा के साथ ही रणनीतियों को समीक्षा की गई, जिससे आगे भी संस्थान में हिन्दी के उपयोग को बढ़ावा दिया जाय। हिन्दी को बढ़ावा देने के लिए संस्थान ने कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के लिए विभिन्न वर्कों में हिन्दी में निबन्ध एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया।

शिक्षक दिवस

एम.एस.सी (सेलुलोज एवं पेपर टेक्नोलॉजी) के छात्रों ने 5 सितम्बर 2018 को शिक्षक दिवस मनाया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ शिक्षकों को भी सम्मानित किया।



शिक्षा दिवस की छलकियाँ

सत्यमेव जयते

केन्द्रीय सांस्कृतिक आयोग के निर्देशानुसार संस्थान में 20 अक्टूबर से 2 नवम्बर 2018 तक 'सांस्कृतिक जागरूकता सप्ताह' मनाया गया। केन्द्रीय सांस्कृतिक आयोग का इस सप्ताह का विषय "ग्रामाचार निष्कारण- एक नया भारत का निर्माण" था। सप्ताह के शुभारम्भ डा. बी.पी. शर्मा, निदेशक ने सी.पी.पी.ओ.ओ.आई. के सम्मुख कर्मचारियों और एम.एस.सी. के विद्यार्थियों को हिन्दी और अंग्रेजी में सपथ दिलाकर शुरू किया। कर्मचारियों ने अपनी गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्साह और पर्याप्तता लाने का संकल्प लिया।

पारम्परिक राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद का भाषण भी इस अवसर पर पढ़ा गया। सांस्कृतिक जागरूकता सप्ताह 2018 के पाठन को लागू करते फलस्फा केन्द्र काठमांडू परिसर के सभी प्रमुख भवन पर प्रदर्शित किये गये। संस्थान के प्रायोगिक संघ, पुस्तकालय और प्रयोगशालाओं के विभिन्न एथनोलेक्ट विन्दुओं/स्थानों पर इन चर्च के केन्द्र प्रदर्शित किये गये। डा. बी.पी. शर्मा, निदेशक ने इस अवसर पर एक विशेष संबोधन दिया। उन्होंने यह: भव्यता नैतिक मूल्यों, अच्छे आदतों, स्व. अनुशासन, अच्छे कार्य संस्कृति आदि की आवश्यकताओं पर बात दिया। कार्यक्रम का सम्पन्न भी एम.पी. शर्मा ने किया।

इस अवसर पर ग्रामाचार के शिक्षात्मक जागरूकता केन्द्र करने के लिये कद- निषेध और पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई। कृ. सुलभा, कौर कौर, श्री विकास, श्री श्री, श्री अमरिन्दु पंचाग, कृ. सुजान, कृ. आरती और श्री कुमार अनुपम कौर; एम.एस.सी. (सीपीटी) कौर, के.ओ.ए. और कर्मचारी सभी ने विजेता रहे।



सत्यमेव जयते सप्ताह की प्रतिक्रिया

राष्ट्रीय उत्पादकता सप्ताह

केंद्रीय सूची एवं कालानुसार अनुसंधान संस्थान द्वारा 12-18 फरवरी 2019 की दौरान राष्ट्रीय उत्पादकता सप्ताह मनाया गया। इस अवसर पर 12 फरवरी 2019 को राष्ट्रीय उत्पादक दिवस के दिन सी.पी.पी.आर.आई. में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में डा. सी.पी.मधुलाल, निदेशक, सी.पी.पी.आर.आई. ने दिने गये विषय "उत्पादकता और निरंतरता के निम्ने चक्रिय अव्यवस्था" पर एक प्रस्तुतिकरण दिया। इस प्रस्तुतिकरण का उद्देश्य सी.पी.पी.आर.आई. के कर्मचारियों में चक्रिय अव्यवस्था की संकल्पना, इसके फायदेनाम, सिद्धान्त, विभिन्न क्षेत्रों के उद्योगों द्वारा अपनी उत्पादकता में सुधार और निरंतरता के निम्ने क्रियात्मकता आदि गये कार्य, महान सरकार द्वारा चक्रिय अव्यवस्था के परिभाषा की बताना देना और चर्चों का हलफेप इत्यादि था। इस अवसर पर कर्मचारियों एवं राग एस सी. (सीपीई) के कर्मों के निम्ने चैटर प्रतियोगिता का अवकाश किया गया। विजेताओं को सुरुति पित्त और प्रशस्ति पत्र दिये गये। कार्यक्रम का संचालन सविष्ट मैजस्टिक डा. निरिप पंडित ने किया।

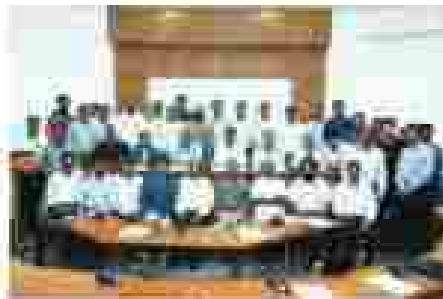


राष्ट्रीय उत्पादकता सप्ताह की शलकियाँ

आयोजित कार्यशालाएँ/प्रशिक्षण कार्यक्रम

सी.पी.पी.आर.आई. ने वर्ष 2018-19 के दौरान निम्न कार्यशालाएँ/प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया।

- ईएसएल, सी.पी.पी.आर.आई. और एनकाए केन्द्र द्वारा 24 अगस्त 2018 को भारत अन्तर्गोष्ठीय केन्द्र नई दिल्ली में राष्ट्रीय मोटर प्रतिस्पर्धा कार्यक्रम पर संयुक्त रूप से एक तकनीकी बैठक आयोजित की।



राष्ट्रीय मोटर प्रतिस्पर्धा कार्यक्रम पर हुई तकनीकी बैठक की झलकियाँ

- ईएसएल, यूनिटी, जेजेवी और सी.पी.पी.आर.आई. ने 12 सितम्बर 2018 को मुरफ़सूरनगर, ड. प्र. में एचएमएसएई में ऊर्जा दक्षता के निम्न बिजनेस इकोनॉमिक्स सेमिनार पर सीईएफ-यूनिटी-ईएसएल कार्यक्रम के तहत संयुक्त रूप से एक तकनीकी बैठक आयोजित की।



एचएमएसएई में ऊर्जा दक्षता के निम्न बिजनेस इकोनॉमिक्स सेमिनार पर हुई बैठक की झलकियाँ

- सी.पी.पी.आर.आई., ईएसएल और इस्टीमेट ऑफ सस्टेनेबल कम्युनिटीज ने 24 सितम्बर 2018 को काशीपुर में राष्ट्रीय मोटर प्रतिस्पर्धा कार्यक्रम पर संयुक्त रूप से एक तकनीकी बैठक आयोजित की।



राष्ट्रीय मोटर प्रतिस्पर्धा कार्यक्रम पर हुई तकनीकी बैठक की झलकियाँ

- सी.पी.पी.आर.आई, गगनपुर में 6-7 दिसम्बर 2018 को आएससी-डीसीपीआईआई के तहत ग्रैजुएट प्रीछोगिकी अनुप्रयोग के साथ लुन्दीकरण और निर्जन प्रीछोगिकी में अन्तिम पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।



आएससी-डीसीपीआईआई के तहत ग्रैजुएट प्रीछोगिकी अनुप्रयोग के साथ लुन्दीकरण और निर्जन प्रीछोगिकी में अन्तिम पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम की झलकियां

- मेरनात कॉलेज ऑफ साइंस एवं इंजिनियरिंग मैनेजमेंट, कल्लभगढ़, हरियाणा में 7 फरवरी 2019 को आएससी-डीसीपीआईआई के तहत लुन्दी एवं कालाज अद्योग में वायु प्रदूषण के प्रबंधन पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।



आएससी-डीसीपीआईआई के तहत लुन्दी एवं कालाज अद्योग में वायु प्रदूषण के प्रबंधन पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम की झलकियां

संगोष्ठी/कार्यशाला/प्रशिक्षण कार्यक्रम में भागीदारी

सी.पी.पी.आई.आई. द्वारा निम्नलिखित सी.पी.पी.आई.आई. के विभिन्न परिचालकों के परिणामों के बारे में जानकारी देते हुए सुप्री एवं कोमल प्रौद्योगिकी के विभिन्न पदार्थों पर नवीकरणीय विकल्पों का अद्यतन कर उसके अग्रे के प्रसार हेतु 2018-19 के दौरान सी.पी.पी.आई.आई. के वैज्ञानिकों ने विभिन्न संगोष्ठियों, कार्यशालाओं/ प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया।

- भारतीय अंतर्राष्ट्रीय केन्द्र, नई दिल्ली में 24 अप्रैल 2018 को आयोजित बुनियादी इंटिग्रेटिव कन्वेंट प्रोग्राम पर सहभागिता की अवसराला - डा. बी. पी. शर्मा
- राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला, नई दिल्ली में 21 फरवरी से 1 जून 2018 तक आयोजित हिन्दुस और ट्रेनिंग ऑन इलेक्ट्रान माइक्रोस्कोप - डा. अर.डी. शर्मा



हिन्दुस और ट्रेनिंग ऑन इलेक्ट्रान माइक्रोस्कोप

- इंटिग्रेटिव सेक्टर, नई दिल्ली, 20 जून 2018 को इमेजिंग इनजीनियरिंग पर आयोजित कन्वेंट प्रोग्राम के अवसराला - डा. अशोक कुमार शर्मा
- नई दिल्ली में 29 जून 2018 को तीसरा सीआईआई राष्ट्रीय सम्मेलन - पल्प एंड मेजर अंतर्राष्ट्रीय डि ट्रेड - ऑफिस इन चार एंड वेस्ट चार मैनेजमेंट फोर टेक्निकल ट्रांसफरेंस डिमिशन - डा. बी.पी. शर्मा, डा. कमलजीत सिंह और डा. विजय शर्मा



डा. बी. पी. शर्मा, सी.आई.आई. सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में सम्बोधित करते हुए

- भारतीय स्वतंत्र शिक्षणसंस्थान संघ, उदुपी, मुम्बई में 3-6 जुलाई 2018 तक एन.ए.सी.एल. हेतु आई.एस.ओ./आई.ई.सी. 17025 : 2017 "प्रयोगशाला प्रबन्धन प्रणाली" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम - डा. जगत-डी. गोविंदराव, डा.ए.के.दीक्षित और डा. सिद्धाकर मिश्रा



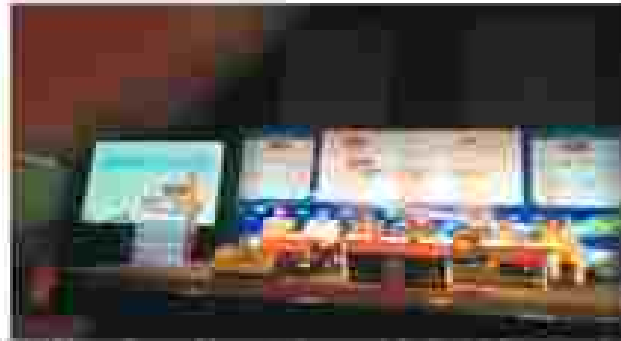
एन.ए.सी.एल. पर आई.एस.ओ. 17025/2017 का प्रशिक्षण

- रीटर् फॉर आईएनईकेन डेक्लरेशन, हैदराबाद में 8-10 अगस्त 2018 को कार्यस्थान पर शकंकराक बुद्धिमान पर प्रशिक्षण कार्यक्रम - डा. एन.के.गुप्ता
- गुणवत्तानुसार 17-18 अगस्त 2018 को आई.पी.पी.टी.ए. ऑनलाइन संगोष्ठी और कार्यशाला - स्टूडेंट कामज और कृषि आधारित इकाई में रक्ष और पर्यावरण के अनुकूल प्रकाश का विकास- निष्पत्ति और मूल्य संवर्धन पर डा. बी.पी.शर्मास्थान, डा. एन.के.गुप्ता, डा. सिद्धाकर मिश्रा और डा. नितीश एंजले



इएटा ऑनलाइन संगोष्ठी और कार्यशाला, पुणजपलमर में बी.पी.पी.आर.आई. का प्रतिनिधित्व

- भारत अंतर्राष्ट्रीय केन्द्र, नई दिल्ली में 24 अगस्त, 2018 को राष्ट्रीय स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम पर तकनीकी बैठक - डा. बी.पी.शर्मास्थान, डा. ए.के.दीक्षित, डा. संजय लाम्बी, श्री अलोक कुमार गोयल, श्री रंजित कुमार मोहो और श्री कुमार अग्रवाल
- हैदराबाद अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन केन्द्र, हैदराबाद में 28-29 अगस्त 2018 को अर्बि प्रबंधन 2018 में उत्कृष्टता के लिये सी.आई.आई. राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह - डा. बी.पी.शर्मास्थान
- हैदराबाद अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन केन्द्र, हैदराबाद में 29-31 अगस्त 2018 को भारतीय सुरक्षा एवं वातावरण उद्योग की निम्नस्तरीय बगाने के लिये सी.आई.आई.का 12 वां वातावरण तकनीकी सम्मेलन - डा. बी.पी.शर्मास्थान और डा. नितीश एंजले



सी.आई.आई. वेपर टेक सम्मेलन, हैदराबाद में सी.पी.पी.आर.आई, वैद्यनिक

- गुजरातरत्ना में 12 सितम्बर 2018 को एच.एम.एच.ई. में ऊर्जा दक्षता के लिये आवाज स्वयंसेवा संघर्ष पर उनकीकी बैठक- डा. बी.पी.नरसिम्हा, डा. ए.के. दीक्षा, डा.संजय त्वाणी, श्री अनीक कुमार शेरान, श्री पंकज कुमार शेरान और कुमार अनुपम।
- नई दिल्ली में 14-15 सितम्बर 2018 को टीपी की लिये अधिकार्य पर प्रशिक्षण कार्यक्रम- डा. एम.के. गुप्ता और श्री सलिल
- बारालीपुर में 24 सितम्बर 2018 को राष्ट्रीय मोटर प्रशिक्षण कार्यक्रम पर जलसंकट और दक्षता निर्माण नियम पर उनकीकी बैठक- डा. बी.पी.नरसिम्हा, डा. ए.के. दीक्षा, श्री पंकज कुमार शेरान और श्री कुमार अनुपम
- केन्द्रीय वायु प्रौद्योगिक अनुसंधान संस्थान, आई.सी.ए.आर., मुम्बई में 24-28 सितम्बर 2018 को सूक्ष्मकण प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोगों में अधिग्राह पर प्रशिक्षण कार्यक्रम- श्री सलिल एवं श्री करिष्क सलसल
- सैम डिजिटलकैटल कृषि, प्रौद्योगिकी और विज्ञान निम्नविज्ञान (एस.एच.यू.टी.एस.), हैदराबाद में 8 अक्टूबर 2018 को "औषधि अधिकार्य और कृषि प्रबंधन में प्रौद्योगिकी और इसके सहा अनुप्रयोगों पर राष्ट्रीय कार्यशाळा"- डा. अरविन्द कुमार शर्मा और श्री दीपक शर्मा
- जवाहीर नारायण केन्द्र, नई दिल्ली में 12 अक्टूबर 2018 को केन्द्रीय सूचना आयोग का वार्षिक सम्मेलन- डा. एम.के. गुप्ता और श्री नई.के. शर्मा
- चेन्नई व्यापार केन्द्र, चेन्नई में 15-17 नवम्बर 2018 को एसएस साउथ टैल्क 2018- सुदी, कला और संबद्ध उद्योगों के लिये तकनीकी सम्मेलन- डा. बी.पी.नरसिम्हा, डा. कर्तव्योत्तम और डा. संजय त्वाणी।
- लखनऊ में 7-8 दिसम्बर 2018 को इन्टी नेट प्लेन में स्थित रान्नी के (पंचाल, जे.पंचाल, सार प्रदेश, निहार, मध्य प्रदेश और पं. जलाल) के लिये आर्थिक और सहायिक प्रतिक्रिया पर कार्यशाळा- श्रीमती रीता रेडन और डा. एम.के. गुप्ता
- मुम्बई में 14 दिसम्बर 2018 को 23 विस्मय सम्मेलन एवं अन्तराष्ट्रीय कार्यशाळा- डा. बी.पी.नरसिम्हा और डा. ए.के. दीक्षा
- नई दिल्ली में 18 दिसम्बर 2018 को पेन्ट और कागज उद्योग पर मोल मेक सम्मेलन- डा. बी.पी.नरसिम्हा
- दिल्ली में 21-22 दिसम्बर 2018 को आंतरराज्य अर्थशास्त्र प्रबंधन नियम और उनके अनुप्रयोग पर अधिग्राह पर प्रशिक्षण कार्यक्रम- श्रीमती रीता रेडन और डा. एम.के. गुप्ता
- सी.पी.पी.आर.आई. में 24-25 दिसम्बर 2018 को राष्ट्रीय स्वयंसेवा विनिर्माण संघ (आई.एस.एस.आई.एस.) द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम- राष्ट्र अधिविज्ञान (सांख्यिक और पौष्क)- डा. बी.पी.नरसिम्हा, डा. ए.के. दीक्षा, डा. ए.के.टी. मोदियाल, डा. शिवाकर शिवा, डा. विजय पंडरे, डा. संजय त्वाणी, श्री सलिल, श्री कुमार अनुपम, श्री अमिताभ शिवाली, श्री अधिविज्ञान त्वाणी, श्री दीपक शर्मा, श्री नरसिम्हा, श्रीमती विनी शर्मा, श्रीमती पंचु निष्ठा, श्री मनीष कुमार और श्री करिष्क सलसल

- नई दिल्ली में 11 जनवरी 2019 को भारतीय किसान निर्दिष्टा संघ (आई.बी.एस.ए.) का 19वां वार्षिक सत्र पुरस्कार समारोह - डा. बी.पी. बर्पतिवाल
- होटल जेपी सिम्पदार्, नई दिल्ली में 17-19 जनवरी 2019 को सरकारी खरीद, ई-खरीद, सरकारी ई-माफ़ेस्टोस (जीईएम) और चैरफ़रएम पर कार्यशाला - श्री आलोक कुमार शीवल और श्री एन.के. रावक
- आई.आर.एम.आर.ए. चेन्नई केंद्र, चेन्नई में 22-25 फरवरी 2019 को आई.एस.ओ/आई.ई.सी. 17025:2017 के अनुसार प्रयोगशाला प्रमर्षन प्रणाली एवं आन्तरिक समीक्षा पर प्रशिक्षण कार्यक्रम - डा. बी.पी.बर्पतिवाल और डा. संजय त्पाणी
- सेंटर फॉर ऑर्गेनाईडेशन डेवलापमेंट, हैदराबाद में 16-23 फरवरी 2019 को कार्यशाला पर भातुक बुद्धिमता पर प्रशिक्षण कार्यक्रम - डा. आरविन्द कुमार राय



कार्यशाला पर भातुक बुद्धिमता पर प्रशिक्षण कार्यक्रम की झलकियाँ

- आई.आ.एम.आर.ए. चेन्नई केंद्र, चेन्नई में 5-8 मार्च 2019 को आई.एस.ओ/आई.ई.सी. 17025:2017 के अनुसार प्रयोगशाला प्रमर्षन प्रणाली एवं आन्तरिक समीक्षा पर प्रशिक्षण कार्यक्रम - डा. नितीन पेंडसे, श्री आलोक कुमार शीवल और श्री. खनिम



प्रस्तुत पत्र और व्याख्यान दिये

सर्प 2018-19 के दौरान सी.पी.पी.आर.आई. के वैज्ञानिकों ने संगोष्ठियों और कार्यशालाओं में निम्न लिखित पत्र प्रस्तुत किये-

पुण्यनगरपुर में 17-18 अगस्त 2018 को आई.पी.पी.टी.ए. मांचलिक संगोष्ठि और कार्यशाला - राष्ट्रीय कामज और कृषि आधारित इकाई में दूर और पर्यावरण के अनुकूल प्रचालन का विकास - निर्धारित और मूल्य संबंधीन पर बल

- आईसीएफ आधारित कामज कामज मिल में शुन्य करन निर्देशन के व्यवसायी का संगोष्ठि - डा. निरंजन एंडले

रैम डिमिनकोर्टम कृषि, प्रौद्योगिकी और विज्ञान विश्वविद्यालय (एम्.एच.यू.ए.टी.एम्.), कुलाहाबार में 8 अक्टूबर 2018 को औषधि अभिकल्प और कृषि प्रबंधन में प्रौद्योगिकीकरण और इसके सफल अनुप्रयोग पर राष्ट्रीय कार्यशाला

- विभिन्न प्रकार के सुप्टी ड्राफ्ट के लिये कृषि जन्तुओं का प्रयोग - डा. जयकिन्ट कुमार शर्मा

चेन्नई व्यापार केंद्र, चेन्नई में 15-17 नवम्बर 2018 को पेरगुम्ब सातवा इंडिया 2018 - सुप्टी, कामज और संबंधित आंशों के लिये तकनीकी सम्मेलन-

- पारदा में पुनर्प्राप्त कामज का व्यापार प्रवाह और इसकी कामज क्षेत्र में प्रभाव - डा. कंचनजीत सिंह
- पैकोडिंग कामज के शीट कार्डिंग टेस्ट का दस्ता मूल्योक्ति - डा. राजन लक्ष्मी

बाह्य समितियों में प्रतिनिधित्व

प्रवाशिका, वन एवं जलवायु परिसरों में प्रवास, नई दिल्ली

- सदस्य - प्रवाशिका, वन एवं जलवायु परिसरों में प्रवास, भारत सरकार की प्रवाशिका भू-संरक्षण समिति (ईएसटी) जॉइंट-1-33: बी. पी. भर्तृपाल

गृह परिसर, नई दिल्ली

- अध्यक्ष, समर रक्षाभावा कार्यान्वयन समिति, सहायपुर - डा. बी. पी. भर्तृपाल

लुट्टी, कागज और रबेड्ड जॉइंट को विकास परिषद्, भारत सरकार

- सदस्य-सचिव - लुट्टी, कागज और रबेड्ड जॉइंट को विकास परिषद् - डा. बी. पी. भर्तृपाल
- सदस्य-सचिव - लुट्टी, कागज और रबेड्ड जॉइंट को विकास परिषद् की अनुसंधान संवर्धन समिति (पूर्व में रीस समिति) - डा. बी. पी. भर्तृपाल

भारतीय नानक ब्यूरो (बीआईएन), नई दिल्ली

- अध्यक्ष - बीआईएस कागज और उसके उत्पादों की अनुसंधान समिति (सीएचटी - 15) - डा. बी. पी. भर्तृपाल
- संयोजक - सीएचटी - 15 के जनरल मैनेजिंग विभिन्न फैलस - बीपीटी रीस टेंडर
- सदस्य - कागज और उसके उत्पादों, बीआईएस को अनुसंधान समिति (सीएचटी - 15) - बीपीटी रीस टेंडर, बी आलेक कूपर गोवाल, और डा. संजय त्यागी
- सदस्य - कागज बोर्ड और उसके उत्पादों, बीआईएस को अनुसंधान समिति (सीएचटी - 16) - डा. संजय त्यागी
- सदस्य - सीएचटी - 15 और सीएचटी - 16 के जनरल मैनेजिंग विभिन्न फैलस - डा. संजय त्यागी

ऊर्जा दस्ता ब्यूरो (बीईडी), नई दिल्ली

- अध्यक्ष - ऊर्जा दस्ता ब्यूरो, नई दिल्ली की राष्ट्रीय विशेषज्ञ समिति (लुट्टी एवं कागज) - डा. बी. पी. भर्तृपाल

अवकाश सेंटर फॉर इंटीग्रेज्ड रिमर्च अंड डेवलपमेन्ट, रामनगर

- सदस्य अनुसंधान प्रथमरी रॉट समिति - डा. बी. पी. भर्तृपाल

भारतीय लुट्टी एवं कागज उद्योगों की संघ

- मुख्य संयोजक - भारतीय लुट्टी और कागज उद्योगों की संघ (आईपीपीए) की पंक्ति - डा. बी. पी. भर्तृपाल
- अध्यक्ष, उद्योगों की समिति - भारतीय लुट्टी और कागज उद्योगों की संघ (आईपीपीए) की पंक्ति - डा. बी. पी. भर्तृपाल
- सदस्य, कार्यकारी समिति - भारतीय लुट्टी और कागज उद्योगों की संघ (आईपीपीए) - डा. बी. पी. भर्तृपाल

सीमेंट एवं धातु निर्माण समिती राष्ट्रीय परिषद्

- सदस्य - एम.सी.सी.सी.ए. की ऊर्जा दस्ता ईकाई की प्रमुख विचारों की उद्योगों की समिति - डा. बी. पी. भर्तृपाल

अन्य

- अध्यक्ष - दिल्ली स्टूडी कागज पुनःसंरचना कार्यदाता का मुख्य समूह - डा. बी. पी. भर्तृपाल
- सदस्य - आई.सी.आई. की भारतीय मुद्रा लेटी के सुरक्षा निरीक्षकों के भू-संरक्षण की उद्योगों की समिति - डा. बी. पी. भर्तृपाल

- तकनीकी सदस्य- सिस्कोरिली प्रिंटिंग प्रेस, हैदराबाद (एस.पी.एस.सी.आई.एल.), विजयवाड़ा भाग्य साकार में सिस्कोरिली कारणों के मानकों की समीक्षा की तकनीकी समिति- डा. बी.पी. बर्षातपाल और डा. अर.डी. गौड़पाल
- सदस्य- भारतीय सिस्कोरिली प्रेस (आई.एस.पी), एसपीएससीआईएल, विजयवाड़ा भाग्य सरकार की एक इकाई, नविक रीट, महाराष्ट्र द्वारा फायरफोर्ट एवं इलाय पेपर के मिलों से आरक्षण के लिए मानक संचालन प्रक्रिया बनाने हेतु गठित तकनीकी समिति- डा. संजय त्यागी
- सदस्य- इन्फो, नई दिल्ली के तकनीकी सलाहकार एवं कोणन ड्रम समिति (टीएपीसी)- डा. बी.पी. बर्षातपाल
- सदस्य- पेपा लि. के गुरुद्वारा और गिरा विकास कार्यक्रम योजना के विकास की समीक्षा की तकनीकी समिति- डा. बी.पी. बर्षातपाल
- सर्वोत्तम निदेशक (स्काउ) सौरभ खोपलि, मुंबई, पंजाब के निदेशकों की परिषद्- डा. प्रीति एस.ताल
- सदस्य- भारतीय सीनियरिटी प्रेस (आईएसपी), (एसपीएससीआईएल, विजयवाड़ा भाग्य सरकार की एक इकाई), नविक रीट, महाराष्ट्र द्वारा गठित फायरफोर्ट और प्रिंटिंग कारणों के अधिकार और परीक्षण के लिये मानक संचालन प्रक्रिया तैयार करने के लिये तकनीकी समिति- डा. संजय त्यागी
- आई.पी.सी.टी.ए. और व्यवहारिक सांख्यिकी प्रक्रिया के तकनीकी पत्रकों के समीक्षक- डा. संजय त्यागी

तैयार किये गये प्रतिवेदन

सर्च 2018-19 के दौरान लुप्टीकरण, निरंजन, रद्दी कागज प्रसंस्करण, नर्पाकरण प्रबंधन, रखरखाव पुनः प्राप्ति इत्यादि पर प्रतिवेदन तैयार किए गए जिनका निम्न प्रकार से है।

लुप्टीकरण एवं निरंजन

- कागज लुप्टी में बुरे के सम्पूर्ण गौरी का प्रयोग - बुरा आकृषा, कपड़ा पत्रालय, भारत सरकार, कोतकावा को प्रस्तुत
- गने की खोई (कोलू अर्थात्) का लुप्टीकरण, निरंजन एवं कागज निर्माण के लिये मूल्यंकन - केम प्रोसेसिंग, नई दिल्ली को जर्नोलात परिकल्पना के लिये प्रस्तुत
- बंस के विषय से लुप्टी और कागज निर्माण के लिये मूल्यंकन - हिन्दुस्तान पेपर कॉर्पोरेशन, बल्लार, आगरा को प्रस्तुत
- संकेत प्रसंस्करण (रबड़ की लकड़ी) का लुप्टी एवं बंस के अपघटन के लिये लुप्टीकरण और निरंजन - श्री सडोल्फ कृष्ण, सिन्धु नुड इन्जी, हैदराबाद को प्रस्तुत
- पान के पुरी का रखरखाव तथा पौष्टिक लुप्टीकरण (सी.टी.एन.पी) - क्लिवा सीमा, आई.आई.टी. दिल्ली को प्रस्तुत
- कृषि अवशेष लुप्टी का प्रारम्भिक एवं ईकोएफ निरंजन - मोडिल पेपर मिल्स लि., मिर्जापुर, उ.प्र. को प्रस्तुत
- बस-कृषि और बुरे के रेशों के सम्मिश्रण से लुप्टी और कागज अपघटन का मूल्यंकन - इलेक्ट्रो-वर्क प्रा. लि., कोतकावा, पं. जंगल को प्रस्तुत
- औद्योगिक पिल लुप्टी पर टीसीएफ निरंजन के स्टूडेंट (ई.सी.पी) के अनुभव का निवेदन - नैरी पेपर मिल्स लि., काशीपुर, उत्तराखण्ड को प्रस्तुत

बैट एंड केमिस्ट्री/रद्दी कागज का प्रसंस्करण:

लेडी से उभरती जाहक सामग्री कार्यक्रमों (एमएम्सीबी) और पैकेजिंग उद्योगों द्वारा प्रयोग किये गये विधेयों सामग्री का पुनः लुप्टीकरण और कागज निर्माण दृष्टांत

- डीएमएस रिवाइकिंग डॉडवा प्रा. लि., मुम्बई, महाराष्ट्र
- डीएमएस रिवाइकिंग डॉडवा प्रा. लि., पं. मुम्बई, महाराष्ट्र
- हिन्दुस्तान युनिटीयर लि. अनुसंधान केंद्र, मुम्बई, महाराष्ट्र
- हिन्दुस्तान युनिटीयर लि. अनुसंधान केंद्र, बंगलुरु, कर्नाटक
- इलेक्ट्रो-वर्क प्रा. लि., बंगलुरु, कर्नाटक
- आई.टी.सी. लि., पीएमपीडी (कोवाई) कोयम्पूर, महाराष्ट्र
- पेपर मद्यकर इम्पेक्स, बल्लारीम नगर, नई दिल्ली
- युनिटीयर टेक्स्टाइल लि. अनुसंधान केंद्र, मुम्बई, महाराष्ट्र



गृहसाधन का मूल्यांकन (दीर्घिकर स्थापना)

- एल.एस. ईवसटोन, कलासी, उड़ीसा

पर्यावरण प्रबंधन

इंडीपी पर्यावरण का ऑकलन (कंगरा इकाइयाँ)

- जयन्त कुलेस्का लि., इकाई-1, मैसूर, उ.प्र.
- प्रोत्तिफिक पैपर्स (प्र.) लि., कलसीपुर, जलपछेंद
- देवरीच पैपर मिल लि., देवरीच, उ.प्र.
- हिन्दुस्तान न्यू प्रिंट लि., कोटलपु, बंगल.
- कालागिनी पैपर मिल लि., कलसीपुर, जलपछेंद
- कोलत पैपर मिल लि. (इकाई-2) कलसी, जम्मू और कश्मीर
- श्री जगद्वर पैपर्स लि., कलसीपुर, उ.प्र.
- नेत्र पैपर्स लि., कलसीपुर, जलपछेंद
- सुकलमयी पैपर एंड बोर्ड प्र. लि., कलसीपुर, जलपछेंद
- सुपत पैपर मिल लि., कलसी, उ.प्र.
- टी.के. पैपर मिल लि., कलसी, जम्मू और कश्मीर
- श्री गोविन्दरी पैपर्स लि., इकाई-1, मुनस्करण, उ.प्र.
- जलपछेंद पल्प एंड पैपर मिल लि. (प्र.) लि., मुनस्को रसिद्धार, जलपछेंद
- त्रिपाल पैपरीक (इंडिया) लि., राम-गुमारिकपुर, देवपल्ली, पंजाब
- ओरीजल पैपर्स प्र. लि., सिमान्दरनाद, उ.प्र.
- स्वप्न पैपर्स लि., सिलसुई, पंजाब
- सार पैपर मिल लि., सारनपुर, उ.प्र.
- सुकलमयी पैपर्स प्र. लि., सूरपुर, जलपछेंद

इंडीपी पर्यावरण (कंगरा इकाइयाँ)

- अनुपम प्रोसेसर, मैसूर, उ.प्र.
- रामा पैपर प्रोसेसर हाउस प्र. लि., मैसूर, उ.प्र.

इंडीपी पर्यावरण (दुग्ध इकाइयाँ)

- सौलिपेर कृदस प्र. लि., मैसूर, उ.प्र.

जीवन इंडीपी की टक्का का मूल्यांकन

- एनकूरा फैसलाल लि., मैसूर, उ.प्र.
- पार्थिव फैसलाल लि. (प्र.) लि., मैसूर, उ.प्र.
- कलत इंडिय हाउस, मैसूर, उ.प्र.



मूल्य प्रवाद निर्वाह (वेइटासटी) व्यवहार्यता प्रतिवेदन

- श्री बंगा पैपर मिल प्रा. लि., रायचिवावाड, उ.प्र.
- आनन्देश्वर इंटरस्टीम प्रा. लि., कानपुर, उ.प्र.
- स्टाइल कार्ड पैपर्स प्रा. लि., गोरठ, उ.प्र.
- देव प्रसाद पैपर मिल प्रा. लि., इलाहाबाद, उ.प्र.

सो.पी.सी.बी. घोषणा पत्र के प्रणाली के संयोजन प्रतिवेदन

- ओरिएन्ट पैपर मिल प्रा. लि., अल्हाई, मध्य प्रदेश

अत्यधिक प्रदूषण करने वाले उद्योगों की निगरानी के निरीक्षण का प्रतिवेदन (सोपीसीबी प्रतिवेदन)

- आ इकाईयां (उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में कपड़ा, आदम और कपड़े पर इकाई)

उत्तराखण्ड अर्थमंत्रालय के समीक्षाओं का मूल्यांकन

- सेन्चुरी पल्प एंड पेपर, लालकुआं, उत्तराखंड

बाल संतुलन और मातृश्री संतुलन अध्ययन

- श्री सिद्धमती पैपर मिल प्रा. लि., मुक्तसरनगर, उ.प्र.

रसायन पुनःप्राप्ति

रसायन पुनःप्राप्ति के अतिक्षण और समीक्षा का वार्षिक अनुबंध

- सेरिया इंटरस्टीम लि., मुक्तसर, पंजाब
- सेन्चुरी पल्प एंड पेपर, लालकुआं, उत्तराखंड
- तमिलनाडु न्यूजप्रिंट एंड पैपर्स लि., कानोयापुरम, तमिल - नडूर, तमिलनाडु
- के.एन. पल्प एंड पैपर्स लि., शाहजहाँपुर, उ.प्र.
- बस पैपर्स लि., फैजाबाद, उ.प्र.
- श्रेयांस इंटरस्टीम लि., जगमधगढ़, रायपुर, पंजाब

बुना धातु की स्थापना की आवश्यकता

- तमिलनाडु न्यूजप्रिंट एंड पैपर्स लि., कानोयापुरम, तमिल - नडूर, तमिलनाडु
- सेरिया पैपर्स लि., कालाजहम्म, सिंगौर, तमिलनाडु प्रदेश

रसायन पुनःप्राप्ति समीक्षा

- कवन्तम पैपर्स लि., फैजाबाद, रोहतासपुर, पंजाब
- पीटी राइस शिमा इकाई पंगकला केरिब, पिकलवाला, राइस, इंडोनेशिया

काले दूध का डिजिटलिकेशन परीक्षण

- पीटी पैपर्स लि., काशीपुर, उत्तराखंड

अन्य

- एनईआरएनपी-2007 के तहत गठित ग्रिड एंड पब्लिकेशन के केंद्रीय पुंजी निवेश छूट के दावे के लिए संस्थान के फौलड निविदा का प्रतिकेदन शामिल एवं ज्योम मंत्रालय, डीपीआईटीए, भारत सरकार नई दिल्ली को प्रस्तुत।
- गेन मिड, गैरगण्य के पुनरुद्धार एवं मिल विकास योजना (आएएमटीपी) के समीक्षा का प्रतिकेदन जारी ज्योम निषाण, जारी ज्योम मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली को प्रस्तुत।
- पूर्वांचल रिमर इंटरनैटिव लि, मिर्जा बलामनरी, आरएम के केंद्रीय पुंजी निवेश छूट के दावे के लिए संस्थान के फौलड निविदा का प्रतिकेदन शामिल एवं ज्योम मंत्रालय, डीपीआईटीए, भारत सरकार नई दिल्ली को प्रस्तुत।

अन्तराष्ट्रीय दौरा

डा. सी. पी. बर्पतिवाल, निदेशक और डा. ए.के. रीडिंग, वैज्ञानिक ने 28 अक्टूबर 2018 से 6 नवम्बर 2018 तक मिल में सम्पन्न पुनः वार्षिक प्रकाशनी की सम्परीक्षा हेतु राष्ट्रीय अकादमीन फॉर एड्वांस्ड रिसर्च इंडोनेशिया का दौरा किया। मिल प्रति रस सूखे काले इन्ध से कम खाप उत्पन्न करने की समस्या का सामना कर रही थी। सामस्या के सम्बन्धता हेतु मिल में सी.पी.पी.आर, आई को सम्पर्क किया।

लेखापरीक्षा का कार्यक्षेत्र निम्नलिखित था:-

- खाप उत्पन्नता को प्रभावित करने वाले कारकों की सूची
- प्रत्येक कारण को खाप उत्पन्नता में प्रभाव
- खाप उत्पन्नता के संदर्भ में काले इन्ध के गुणों का विश्लेषण
- रिकवरी स्थापना/संशोधन प्रकल्प आंकड़ों का विश्लेषण
- रिकवरी स्थापना में लिये जाय और उत्पन्न संतुलन का विश्लेषण

अध्ययन के परिणामों को दौर के दौरान मिल अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किया गया।



लुटरी एवं कागज मिलों और अन्य संगठनों के दौर

वर्ष 2018-19 के दौरान सी.पी.पी.आर.आई. के कैडों/कॉ ने लुटरी एवं कागज मिलों में जनसंघी एवं परामर्शी संस्थाएं प्रदान करने हेतु दौर किये। कैडों/कॉ ने इसके अलावा अन्य औद्योगिक एवं अनुसंधान संस्थाओं विनोदबाबूक संस्थाओं, मंडलाजी, इन्फोटेक में विभिन्न सहयोगात्मक कार्य, कैडों एवं संकायों के संघर्ष में दौर किये। सी.पी.पी.आर.आई. कैडों/कॉ के उपरोक्त दौरों का संक्षिप्त विवरण निम्नप्रकार है।

कच्ची सामग्री एकत्रीकरण/मूल्यांकन, लुटरीकरण एवं विनिर्माणरीक्षण और परिशोधन अध्ययन

- बहा रिपर्स लि., बीकानेर - श्रीमती अनुष्मा श्री जसदे और कु. रमेश पंडा
- टुइटेय इन्डस्ट्रीज, बरनाल - डा. अर.डी. मंडिवाल, डा. संजय त्यागी और श्री आशीष कुमार गोयल
- गैरी रिपर्स लि., काशीपुर, उत्तराखंड - डा. एम.के. गुप्ता, डा. अरविन्द कुमार शर्मा और श्री निरुपम शर्मा
- बूट कोरपोरेशन प्राइवेट लि. (के.सी.आई.) कोलकाता - डा. अरविन्द कुमार शर्मा
- मॉकर राफेकोंग, जयपुर, राज. - डा. प्रवि एम. लाल, डा. अरविन्द कुमार शर्मा और कु. सुंजय श्रीमान

इंटीपी पर्याप्तता का मूल्यांकन

- डा. शिवाकर मिश्रा, डा. निरंजन पंडते, श्री अश्विषक त्यागी और श्री अमिताभ राज जिपारी ने मेरठ, काशीपुर, देवरिया, कटुवा, काशीपुर देवरिया, बागपुल, बस्ती, मुजफ्फरगढ़, मंडौली, डेराबासी, सेरासुई में 14 कागज मिलों का इंटीपी पर्याप्तता मूल्यांकन हेतु प्रमाण किया।

कपड़ा और दुग्ध इकाइयों के इंटीपी पर्याप्तता का मूल्यांकन

- डा. शिवाकर मिश्रा ने 2 कपड़ा इकाइयों और 1 दुग्ध इकाई का मेरठ में इंटीपी पर्याप्तता मूल्यांकन हेतु प्रमाण किया।

उत्पन्न इंटीपी की दृष्टता का मूल्यांकन

- डा. शिवाकर मिश्रा और डा. निरंजन पंडते ने मेरठ में 2 कपड़ा इकाइयों के इंटीपी दृष्टता का मूल्यांकन हेतु प्रमाण किया।

शुच्यता निर्देशों की व्याख्याता का मूल्यांकन

- डा. एम.के. गुप्ता, डा. शिवाकर मिश्रा, डा. निरंजन पंडते, प्रो. शालिम, श्री अश्विषक त्यागी और श्री अमिताभ राज जिपारी ने कानिबाबद, कानपुर, मेरठ, इलाहाबाद, अमनपुर, और वेस्ट बंगाल में 7 लुटरी एवं कागज मिलों का शुच्यता निर्देशों की व्याख्याता का मूल्यांकन हेतु प्रमाण किया।

अन्यौद्योगिक उत्पादन करने वाले उद्योगों की निगरानी और निरीक्षण (सीपीसीसी परियोजना)

- डा. शिवाकर मिश्रा, डा. निरंजन पंडते, श्री रंजित शोले, श्री अश्विषक त्यागी और श्री अमिताभ राज जिपारी ने उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश की लुटरी एवं कागज, खाद, साठक और कसई परी की 29 इकाइयों का प्रमाण किया।

सीपीसीसी औपचार्य का मूल्यांकन

- औरिये रेपर मिल लि., मयलई, मध्य प्रदेश - डा. निरंजन पंडते और श्री अमिताभ राज जिपारी

केन्द्रीय मूली निवेश बूट के लिए दौर

- एम.के. रेखा इंडस्ट्रीज लि., मिर्जा फलामबी, असम - डा. एम.के. गुप्ता और श्री राज देव नेमी
- गवर्नर प्रिंट एंड पब्लिकेशन, हाथीबाबा, पारोकासी, असम - डा. एम.के. गुप्ता और डा. संजय त्यागी

खतरनाक अवस्थित कम्पनीएँ

- सेन्ट्रली फ्लै एण्ड वेयर, जालाहा, उत्तरप्रदेश - डा. विजित चंडाल एवं श्री राजपाल सिंह

मिल के पुनरुद्धार और विकास की वर्धमान स्थिति का मूल्यांकन

- वैद्य लि., वैद्यपूर, बुलंदशहर - श्रीमती रीता टंडन, डा. एम.के. गुप्ता और डा. संजय त्वारी

श्रमिकों का मूल्यांकन

- अकास कपिल लि., यमुनागढ़ - डा. अर. डी. गौदियल और डा. ए.के. दीक्षित
- सोनभूमिटी प्रिंटिंग एंड मिनिंग कार्पोरेशन आफ इंडिया लि. (एस.पी.एस.आई.सी.एल.) भारतीय कार्पोरेशन, नई दिल्ली - डा. बी. पी. शर्मागुप्ता और डा. अर. डी. गौदियल
- इंडियन सिगरेट्स प्रेंस, नर्मिक - डा. संजय त्वारी
- संकर ग्रोपिंग, हरद्वार, उ.प्र. - डा. बी.पी. शर्मागुप्ता, डा. ए.के. दीक्षित, श्री आलोक कुमार गोपाल और डा. संजय त्वारी
- बेक डेर पेपर मिल लि., फैम् - श्रीमती रीता टंडन और डा. एम.के. गुप्ता

वैज्ञानिक/शैक्षिक संस्थान और अन्य संस्थान

- यूड सोलरी एंड स्टैंडर्ड्स ऐसोसिएट्स ऑफ इंडिया (एफ.एस.एस.ए.आई.), नई दिल्ली - श्रीमती अनुसंध बी. जगदे
- फेडरल इंस्टीट्यूट ऑफ यूथ टेक्नोलॉजी इंटरने-पेनोसियल एंड मैनेजमेंट, कूटली - श्रीमती अनुसंध बी. जगदे
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पैकीजिंग, नई दिल्ली - श्रीमती अनुसंध बी. जगदे
- नव अनुसंधान संस्थान, देहरादून - डा. अर. डी. गौदियल और श्री पंचज कुमार गोले
- सीमल वैज्ञानिक निगम लिब्रेट्री, रामगढ़ - डा. संजय त्वारी और श्री आलोक कुमार गोपाल
- सेबी आईटी इंस्टीट्यूट लि., नई दिल्ली - डा. अर. डी. गौदियल और डा. संजय त्वारी
- जय एण्ड टेक्स्टोन लि., नई दिल्ली - डा. संजय त्वारी और श्री आलोक कुमार गोपाल
- सारलिंग सोल्यूशंस मिस्ट्रम, नई दिल्ली - डा. बी.पी. शर्मागुप्ता, डा. ए.के. दीक्षित और डा. संजय त्वारी
- अक्का मिटर फल इंटरटीयल निगम एंड टेक्नॉलॉजी, यमुनागढ़ - डा. अर. डी. गौदियल, डा. ए.के. दीक्षित और डा. संजय त्वारी
- इंडो गंधी रिसर्च और मिनिंगगुप्ता, नई दिल्ली - डा. बी.पी. शर्मागुप्ता और श्री आलोक कुमार गोपाल
- दिल्ली विनिर्माणालय (उत्तरी परिसर), नई दिल्ली और एस.सी.आई. इन्स्टीट्यूट, पुरुषोत्तम - डा. ए.के. दीक्षित, श्री आलोक कुमार गोपाल और श्री कुमार अनुसंध

कमजोर कम्पनी का संकलन

- कनकरी पेपर मिल्स लि., बाराहीपुर - श्री आलोक कुमार गोपाल और डा. अरविन्द कुमार शर्मा
- प्रगति पेपर इंस्टीट्यूट, हरद्वार, योतापी, पंजाब - श्री आलोक कुमार गोपाल और श्री सत्यदेव नेगी
- राष्ट्रीय पेपर मिल्स लि., नर्मिक, पं. बंगाल - श्री आलोक कुमार गोपाल और डा. संजय त्वारी
- मिनिस्टर फल एंड पेपर प्रो. लि., मुजफ्फरगढ़ - श्री आलोक कुमार गोपाल और श्री सत्यदेव नेगी



एम.एस.सी. (सेलुलोज और कागज प्रौद्योगिकी)

एम.आर.आई (डीमंड विप्लवविद्यालय), देहरादून और सीपीपीआरआई, सहारनपुर का संयुक्त पाठ्यक्रम

अतिविधियाँ

एम.एस.सी. (सेलुलोज एवं कागज प्रौद्योगिकी) के सत्रवे केब के अंतिम वर्ष (वर्ष 2017-18) की कक्षाएँ सी.पी.पी.आर.आई. में संकायित हुई। सी.पी.पी.आर.आई. के वैज्ञानिकों एवं औद्योगिक संकाय ने कक्षाओं सामग्री के संशोधन एवं संशोधन, सुपरीक्षण एवं किराने, भंडार संभाल और कागज निर्माण, कागज परीक्षण, रसायन पुनः प्रयोग, पर्यावरण प्रबंधन और केब प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों का वैज्ञानिक और प्रायोगिक ज्ञान उपलब्ध कराया।

छात्रों ने पाठ्यक्रम के भाग के रूप में सेल्यूलोस फाइबर फेड पैपर, सालाहूआ, यश पेपरम लि., बीजाबाद, शेफर्स इंटरनैशनल लि., अमरावती और बलारपुर इंटरनैशनल, यमुनानगर में दो महीने का अतिरिक्त औद्योगिक प्रशिक्षण लिया और कागज निर्माण के विभिन्न क्षेत्रों में परियोजना कार्य किया।

छात्रों ने 5 सितम्बर 2018 को शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया और सी.पी.पी.आर.आई. संकाय को सम्मानित किया।

छात्रों ने हिंदी मास 2018, सत्रांतिक जागरूकता सप्ताह 2018, स्वच्छता पखवाड़ा 2018 और राष्ट्रीय जलसंरक्षण सप्ताह 2019 के अवसर पर विजेता, चर्चा विवाद और पोस्टर प्रतियोगिता में भी भाग लिया।

छात्र जोरिपेन्ट पैपर मिना लि., अमरावती, यश पेपरम लि., बीजाबाद, क्वारंटेन पैपर लि., शेफर्स इंटरनैशनल लि., अमरावती में नियुक्ति प्राप्त कर चुके हैं।

छात्रों की सूची

श्री अक्षय शर्मा, श्री अमृतेंद्र चंचाण्यार्य, श्री अमर अती खान, कृ. गुरुनारायण और कणा, कृ. गरिया सिंगला, श्री कृष्ण, श्री कृष्ण सिंह, कृ. ओमप्रकाश निरुधरा, श्री परमानंद सिंह, कृ. साधु मिश्रा, श्री शिवम, श्री विकास शर्मा और कृ. विनोद बसेरा।



वित्तीय प्रतिवेदन

2018-19



भोजप मिश्रा एण्ड कम्पनी
सन्दी लेखाकार

116, न्यू वावला विकास बालोनी
दिल्ली रोड, साहजपुर
फोन नं. (0132) 2760642

केन्द्रीय सुदी एवं कापड अनुसंधान संस्थान
आगम्य एवं उद्योग मंत्रालय, उद्योग सर्वेक्षण एवं औद्योगिक व्यापार विभाग
भारत सरकार की प्रशासनिक निदेशन में सीमावर्ती अधिभोग के अन्तर्गत पंजीकृत एक स्वायत्तकारी संस्था
पोस्ट बॉक्स - 174, पिरा मिला रोड, विभाग नगर, साहजपुर (यूपी.)

कुलन पत्र : 31.03.2019

(रुपये रुपये में)

विवरण	अनुसूची	वर्षाव वर्ष	विवरण वर्ष
		2018-19	2017-18
पूजीगत निधि व देयक			
पूजीगत निधि	1	132866049.50	121955008.19
अनुसूचित प्राधिकारित परिवर्तन व पत्रपत्र	2	1124.25	1570689.51
अनुसूचित अनुदान	3	37675039.80	24121492.50
कानून देयक एवं अक्षर	4	69660610.46	84437228.00
योग		240102824.01	232084418.20
परिसंपत्तियाँ			
स्वाधीन संपत्तियाँ	5	88512194.93	95105501.27
कानून संपत्तियाँ और अक्षर	6	151590629.08	136978916.93
योग		240102824.01	232084418.20

एक अनुसूची कुलन पत्र का प्रमाणित भाग है

हमारे सम दिनांकित मुद्रक प्रतिलिपिद्वारा
कुले भोजप मिश्रा एण्ड कम्पनी
सन्दी लेखाकार

(भोजप मिश्रा)
एक.सी.ए. (यूपी.सी.ए. (स.ए.))



दिनांक : 26-03-2019

स्थान : साहजपुर

विभागाध्यक्ष
निदेशक

कुले केन्द्रीय सुदी एवं कापड अनुसंधान संस्थान

अनुसंधान संस्थान
प्रशासनिक अधिकारी



११६. न्यू आवास विकास कालोनी
दिल्ली रोड, सहायगपुर
फोन नं. (०१३३) ३७६०६-४३

केन्द्रीय सूची एवं कार्य अनुसंधान संस्थान
आधुनिक एवं उद्योग संशोधन, उद्योग सर्वेक्षण एवं जनसंख्या आधारित विज्ञान
भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण में सौभाग्यवती अधिनियम के अन्तर्गत प्रत्येक एक स्वतंत्रतावादी संस्था
पोस्ट बॉक्स - 174 फ़ैर गिल्ड रोड, डिमरा नगर, सहायनगर (य.पी.)

21-02-2018 को राखलु होमो राखलु को प्रविष्ट गर्नु भन्नुमा भन्नुमा

1994-1995

[illegible]





भोजप मिश्रा एण्ड कम्पनी
सन्दी लेखाकार

116, न्यू वावला विकास कालोनी
दिल्ली रोड, साहजपुर
फोन नं. (0132) 2760642

केन्द्रीय सुदी एवं कायद अनुसंधान संस्थान
आगित्त्य एवं उद्योग संवर्धन, उद्योग संवर्धन एवं अन्तरिक व्यापार विभाग
भारत सरकार के प्रशासनिक निदेशन में सीमावर्ती अधिभोग के अन्तर्गत पंजीकृत एक स्वायत्तकारी संस्था
पोस्ट बॉक्स - 174, पिरा मिल्स रोड, विमान मार्ग, साहजपुर (पू.पी.)

31.3.2019 के तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियां
अनुसूची : 1 पंजीगत निधि

(रुपये रुपये में)

विवरण	सांजु वर्ष 2018-19		निगत वर्ष 2017-18	
पंजीगत निधि				
वर्ष आरम्भ में शेष	121955008.19		130485890.62	
बोझा :- 1:				
1. पंजीगत निधि का अनुदान	10397761.00		1298684.00	
2. उपकर परिशोधन (पंजीगत उद्देश्य)	13614284.29		1897984.70	
3. प्रायोजित परियोजना	1500000.00		0.00	
धन्यता	138100033.29		133682559.32	
जमा-जमा खाते में हस्तांतरित सकल व्यय का अवशेष	5238883.89	132866049.50	11727551.13	121955008.19
वर्ष की समाप्ति पर अवशेष		132866049.50		121955008.19

यह अनुसूची तुलन पत्र का सम्बन्धित भाग है

हमारे साथ दिनांकित शुद्ध प्रतिलिपिद्वारा
नूतने भोजप मिश्रा एण्ड कम्पनी
सन्दी लेखाकार

(भोजप मिश्रा)
एक संदी लेखाकार (आई.एस.ए.)

दिनांक : 25.03.2019
स्थान : साहजपुर



भोजप मिश्रा एण्ड कम्पनी
निदेशक

नूतने केन्द्रीय सुदी एवं कायद अनुसंधान संस्थान

31.03.2019
प्रशासनिक अधिकारी



भोज्य शिक्षा एण्ड कम्पनी
सन्दी लेखाकार

116, न्यू आवास विकास कॉलोनी
दिल्ली रोड, सादरनपुर
फोन नं. (0132) 2760642

केन्द्रीय सुदी एवं कापड अनुसंधान संस्थान
आगम्य एवं उद्योग संजालय, उद्योग सक्ती एवं अन्तरिक व्यापार विभाग
भारत सरकार के प्रशासनिक निंत्रण में सीमावर्ती अधिभोग के अन्तर्गत पंजीकृत एक स्वशासकरी संस्था
रिस्ट्री बॉम्स - 174, पिर मिल्ल रोड, प्रिमल नगर, सादरनपुर (यू.पी.)

31.3.2019 के तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूची : 2 'प्रायोजित परियोजना/प्रापशी सेवाओं को अप्रमुक्त राशि का विवरण'

(राशि रुपये में)

क्र. सं.	परियोजना का नाम	वित्त वर्ष 2018-19	वित्त वर्ष 2017-18
		राशि	राशि
1	सीपीसीसी	0.00	13024.26
2	डी.डी.टी. - प्रक्रिया में औद्योगिकीय सुधार	1124.25	1124.25
3	पीन. डेमन्स्ट्री	0.00	1556541.00
	योग	1124.25	1570689.51

यह अनुसूची तुलन पत्र का अण्यंकन भाग है

हमारे सम दिनांकित शुधक प्रतिक्रियुसार
नूतने भोज्य शिक्षा एण्ड कम्पनी
सन्दी लेखाकार

(भोज्य शिक्षा
एक.सी.ए. सं. 174, पिर मिल्ल रोड, प्रिमल नगर, सादरनपुर)



दिनांक : 26-04-2019

स्थान : सादरनपुर

नूतने केन्द्रीय सुदी एवं कापड अनुसंधान संस्थान

प्रिंसिपल अग्रिम
निदेशक

अनूप शर्मा
प्रशासनिक अधिकारी



Abstract: This paper presents a new method for the automatic detection of the onset of a seizure. The method is based on the analysis of the EEG signal. The results show that the method is able to detect the onset of a seizure with a high accuracy.

156, 19. april 1990, 1000 m
157, 19. april 1990, 1000 m
158, 19. april 1990, 1000 m

केन्द्रीय सुप्रीम एवं कक्षागत अनुसूचित समिति
 प्रतिष्ठित एवं उच्च संस्कार, उच्च संस्कार एवं आर्थिक आवास विभाग
 भारत सरकार के आर्थिक विभाग में सीक्रेटरी ऑफिस के अन्तर्गत प्रकीर्ण एक संसाधन संस्था
 पोस्ट ऑफिस - 124, विभाग विभाग, विभाग, भारत (पु. वि.)
 124, विभाग के सुप्रीम एवं उच्च के अन्तर्गत अनुसूचित
 अनुसूचित, 4 भाग, प्रतिष्ठित, भारत के उच्च अन्तर्गत (विधि कृपया)



संयोजक शिक्षा एण्ड कम्युनिटी
संबन्धी लेखांकन

116, न्यू आवास विकास कॉलोनी
दिल्ली रोड, सहायनगर
फोन नं. (0132) 2760642

केंद्रीय सुखी एवं कापड अनुसंधान संस्थान
आगम्य एवं उद्योग संशोधन, उद्योग सर्वेक्षण एवं औद्योगिक व्यापार विभाग
भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण में सौभाग्यवती अधिभूतियों के अंतर्गत पंजीकृत एक स्वायत्तकारी संस्था
पोस्ट बॉक्स - 174, पिन कोड 110002, विभाग नगर, सहायनगर (दू.पी.)

31.3.2019 के कुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूचियां
अनुसूची : 7 संस्थागत व परामर्शी शुल्क से आय

(रुपये में)

क्र. सं.	विवरण	वित्त वर्ष 2018-19	वित्त वर्ष 2017-18
1	परीक्षण शुल्क	13727565.00	12347299.00
2	परामर्श शुल्क	7961220.00	8642754.00
3	प्रयोगशाला शुल्क	15000.00	0.00
4	पुस्तकालय शुल्क	6000.00	2000.00
5	एम एस सी. कार्यक्रम शुल्क	696200.00	502300.00
	योग	22405985.00	21494353.00

एक अनुसूची कुलन पत्र का सम्बन्धित भाग है

हमारे साथ दिनांकित पृष्ठक प्रतिक्रियाएं
नूतने संयोजक शिक्षा एण्ड कम्युनिटी
संबन्धी लेखांकन

(संयोजक शिक्षा
एम.सी.ए. और नगरपालिका एस.ए.)



दिनांक : 26-03-2019
स्थान : सहायनगर

नूतने केंद्रीय सुखी एवं कापड अनुसंधान संस्थान

प्रमुख अधिकारी
विभाग

अनुसंधान संस्थान
प्रशासनिक अधिकारी



ಕರ್ನಾಟಕ ಸಾಹಿತ್ಯ ಅಕಾಡೆಮಿ
ಕಾರ್ಯಾಲಯ

೨೫, ೨೬ ನವೆಂಬರ್ ೨೦೧೯ ರಲ್ಲಿ
ಬೆಂಗಳೂರು, ಕರ್ನಾಟಕ
ಪುಟ ೧ (೧೨೨) ೨೦೧೯-೨೦

ಕೇಂದ್ರೀಯ ಪುಸ್ತಕ ಭಂಡಾರ ಅನುಸಂಧಾನ ಸಮಾಜ
ಕಾರ್ಯಕ್ರಮದ ಅಂಗವಾಗಿ, ಕರ್ನಾಟಕ ಸಾಹಿತ್ಯ ಅಕಾಡೆಮಿ
ಪ್ರಕಟಣೆ ಮತ್ತು ವಿತರಣೆ ವಿಭಾಗದ ಅಧೀನದಲ್ಲಿ ಕರ್ನಾಟಕ ಸಾಹಿತ್ಯ ಅಕಾಡೆಮಿ
ಪುಸ್ತಕ ಭಂಡಾರ - ೨೦೧೯, ಕರ್ನಾಟಕ ಸಾಹಿತ್ಯ ಅಕಾಡೆಮಿ, ಬೆಂಗಳೂರು (ಕರ್ನಾಟಕ)
೨೦೧೯-೨೦೨೦ ರ ಕಾಲಾವಧಿಯಲ್ಲಿ ಕರ್ನಾಟಕ ಸಾಹಿತ್ಯ ಅಕಾಡೆಮಿ
ಅನುಸಂಧಾನ - ೨೦೧೯ ರಲ್ಲಿ ಕರ್ನಾಟಕ ಸಾಹಿತ್ಯ ಅಕಾಡೆಮಿ

(ರೂ.ಗಳಲ್ಲಿ)

ಕ್ರ. ಸಂ.	ವಿವರಣೆ	೨೦೧೯-೨೦	೨೦೧೭-೧೮
೧	ಪ್ರಕಟಣೆ ಮತ್ತು ವಿತರಣೆ - ಕರ್ನಾಟಕ	7744321.00	13162534.00
೨	ಪ್ರಕಟಣೆ ಮತ್ತು ವಿತರಣೆ - ಕರ್ನಾಟಕ ಸಾಹಿತ್ಯ ಅಕಾಡೆಮಿ (ಕರ್ನಾಟಕ)	8000004.00	9000000.00
೩	ಪ್ರಕಟಣೆ ಮತ್ತು ವಿತರಣೆ - ಕರ್ನಾಟಕ ಸಾಹಿತ್ಯ ಅಕಾಡೆಮಿ (ಕರ್ನಾಟಕ)	0.00	1700000.00
೪	ಕರ್ನಾಟಕ ಸಾಹಿತ್ಯ ಅಕಾಡೆಮಿ	55241.00	943455.00
೫	ಕರ್ನಾಟಕ ಸಾಹಿತ್ಯ ಅಕಾಡೆಮಿ (ಕರ್ನಾಟಕ)	50324.25	0.00
೬	ಪ್ರಕಟಣೆ ಮತ್ತು ವಿತರಣೆ - ಕರ್ನಾಟಕ ಸಾಹಿತ್ಯ ಅಕಾಡೆಮಿ (ಕರ್ನಾಟಕ)	1938375.00	254425.00
೭	ಪ್ರಕಟಣೆ ಮತ್ತು ವಿತರಣೆ - ಕರ್ನಾಟಕ ಸಾಹಿತ್ಯ ಅಕಾಡೆಮಿ (ಕರ್ನಾಟಕ)	10000424.00	0.00
೮	ಪ್ರಕಟಣೆ ಮತ್ತು ವಿತರಣೆ - ಕರ್ನಾಟಕ ಸಾಹಿತ್ಯ ಅಕಾಡೆಮಿ (ಕರ್ನಾಟಕ)	0.00	678434.30
೯	ಪ್ರಕಟಣೆ ಮತ್ತು ವಿತರಣೆ - ಕರ್ನಾಟಕ ಸಾಹಿತ್ಯ ಅಕಾಡೆಮಿ (ಕರ್ನಾಟಕ)	1314777.00	273033.00
೧೦	ಪ್ರಕಟಣೆ ಮತ್ತು ವಿತರಣೆ - ಕರ್ನಾಟಕ ಸಾಹಿತ್ಯ ಅಕಾಡೆಮಿ (ಕರ್ನಾಟಕ)	1125172.00	1134081.32
೧೧	ಪ್ರಕಟಣೆ ಮತ್ತು ವಿತರಣೆ - ಕರ್ನಾಟಕ ಸಾಹಿತ್ಯ ಅಕಾಡೆಮಿ (ಕರ್ನಾಟಕ)	0.00	225721.00
೧೨	ಪ್ರಕಟಣೆ ಮತ್ತು ವಿತರಣೆ - ಕರ್ನಾಟಕ ಸಾಹಿತ್ಯ ಅಕಾಡೆಮಿ (ಕರ್ನಾಟಕ)	201471.50	0.00
೧೩	ಪ್ರಕಟಣೆ ಮತ್ತು ವಿತರಣೆ - ಕರ್ನಾಟಕ ಸಾಹಿತ್ಯ ಅಕಾಡೆಮಿ (ಕರ್ನಾಟಕ)	0.00	751708.00
೧೪	ಪ್ರಕಟಣೆ ಮತ್ತು ವಿತರಣೆ - ಕರ್ನಾಟಕ ಸಾಹಿತ್ಯ ಅಕಾಡೆಮಿ (ಕರ್ನಾಟಕ)	0.00	107705.00
೧೫	ಪ್ರಕಟಣೆ ಮತ್ತು ವಿತರಣೆ - ಕರ್ನಾಟಕ ಸಾಹಿತ್ಯ ಅಕಾಡೆಮಿ (ಕರ್ನಾಟಕ)	531000.00	971073.00
೧೬	ಪ್ರಕಟಣೆ ಮತ್ತು ವಿತರಣೆ - ಕರ್ನಾಟಕ ಸಾಹಿತ್ಯ ಅಕಾಡೆಮಿ (ಕರ್ನಾಟಕ)	1114075.00	103024.00
೧೭	ಪ್ರಕಟಣೆ ಮತ್ತು ವಿತರಣೆ - ಕರ್ನಾಟಕ ಸಾಹಿತ್ಯ ಅಕಾಡೆಮಿ (ಕರ್ನಾಟಕ)	1182084.00	383803.00
೧೮	ಪ್ರಕಟಣೆ ಮತ್ತು ವಿತರಣೆ - ಕರ್ನಾಟಕ ಸಾಹಿತ್ಯ ಅಕಾಡೆಮಿ (ಕರ್ನಾಟಕ)	1077553.00	293254.00
೧೯	ಪ್ರಕಟಣೆ ಮತ್ತು ವಿತರಣೆ - ಕರ್ನಾಟಕ ಸಾಹಿತ್ಯ ಅಕಾಡೆಮಿ (ಕರ್ನಾಟಕ)	1450515.00	0.00
೨೦	ಪ್ರಕಟಣೆ ಮತ್ತು ವಿತರಣೆ - ಕರ್ನಾಟಕ ಸಾಹಿತ್ಯ ಅಕಾಡೆಮಿ (ಕರ್ನಾಟಕ)	1575000.00	0.00
೨೧	ಪ್ರಕಟಣೆ ಮತ್ತು ವಿತರಣೆ - ಕರ್ನಾಟಕ ಸಾಹಿತ್ಯ ಅಕಾಡೆಮಿ (ಕರ್ನಾಟಕ)	360000.00	0.00
೨೨	ಪ್ರಕಟಣೆ ಮತ್ತು ವಿತರಣೆ - ಕರ್ನಾಟಕ ಸಾಹಿತ್ಯ ಅಕಾಡೆಮಿ (ಕರ್ನಾಟಕ)	700000.00	0.00
೨೩	ಪ್ರಕಟಣೆ ಮತ್ತು ವಿತರಣೆ - ಕರ್ನಾಟಕ ಸಾಹಿತ್ಯ ಅಕಾಡೆಮಿ (ಕರ್ನಾಟಕ)	102819511.76	121121843.36

ಕರ್ನಾಟಕ ಸಾಹಿತ್ಯ ಅಕಾಡೆಮಿ

ಕರ್ನಾಟಕ ಸಾಹಿತ್ಯ ಅಕಾಡೆಮಿ

ಕರ್ನಾಟಕ ಸಾಹಿತ್ಯ ಅಕಾಡೆಮಿ
ಕರ್ನಾಟಕ ಸಾಹಿತ್ಯ ಅಕಾಡೆಮಿ
ಕರ್ನಾಟಕ ಸಾಹಿತ್ಯ ಅಕಾಡೆಮಿ
ಕರ್ನಾಟಕ ಸಾಹಿತ್ಯ ಅಕಾಡೆಮಿ
ಕರ್ನಾಟಕ ಸಾಹಿತ್ಯ ಅಕಾಡೆಮಿ
ಕರ್ನಾಟಕ ಸಾಹಿತ್ಯ ಅಕಾಡೆಮಿ
ಕರ್ನಾಟಕ ಸಾಹಿತ್ಯ ಅಕಾಡೆಮಿ
ಕರ್ನಾಟಕ ಸಾಹಿತ್ಯ ಅಕಾಡೆಮಿ
ಕರ್ನಾಟಕ ಸಾಹಿತ್ಯ ಅಕಾಡೆಮಿ
ಕರ್ನಾಟಕ ಸಾಹಿತ್ಯ ಅಕಾಡೆಮಿ



ಕರ್ನಾಟಕ ಸಾಹಿತ್ಯ ಅಕಾಡೆಮಿ

ಕರ್ನಾಟಕ ಸಾಹಿತ್ಯ ಅಕಾಡೆಮಿ

ಕರ್ನಾಟಕ ಸಾಹಿತ್ಯ ಅಕಾಡೆಮಿ



संयोजन विभाग एण्ड कम्पनी
सन्दी लेखाकार

116, न्यू आवास विकास कालोनी
दिल्ली रोड, साहसपुर
फोन नं. (0132) 2760642

केंद्रीय सुपरी एवं कागज अनुसंधान संस्थान
आगम्य एवं उद्योग संचालन, उद्योग संचालन एवं अंतराष्ट्रीय व्यापार विभाग
भारत सरकार के प्रशासनिक निदेशों में संसाधन अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत एक स्वायत्तकारी संस्था
रजिस्ट्रार ऑफिस - 174, पिरा मिल्स रोड, विमान मार्ग, साहसपुर (ए.पी.)

31.3.2019 के तुलना पत्र के भाग के रूप में अनुसूचिका
अनुसूची : 9 शुल्क / चंदा

(रुपये रुपये में)

क्र. सं.	विवरण	वित्त वर्ष 2018-19	वित्त वर्ष 2017-18
1.	सदस्यता शुल्क	40000.00	312871.00
2.	प्रशिक्षण शुल्क / पंजीकरण शुल्क	86000.00	216750.00
	योग	126000.00	529621.00

यह अनुसूची तुलना पत्र का सम्पन्न करने वाला है

इसके साथ वित्तीय एवं प्रशासनिक
कृषि संयोजन विभाग एण्ड कम्पनी
सन्दी लेखाकार

(संयोजन विभाग)
एफ.सी.डी. (आंतराष्ट्रीय) (आई.एस.ए.)



दिनांक : 26-07-2019

स्थान : साहसपुर

कृषि केंद्रीय सुपरी एवं कागज अनुसंधान संस्थान

विभागाध्यक्ष
निदेशक

आ.नं. 24 (संशोधन)

प्रशासनिक अधिकारी



भोजप मिश्रा एण्ड कम्पनी
सन्दी लेखाकता

116, न्यू आवास विकास कार्लोनी
दिल्ली रोड, सहरनपुर
फोन नं. (0132) 2760642

केंद्रीय सुप्री एवं कापड़ अनुसंधान संस्थान
आभिमन्यु एवं उद्योग संचालन, उद्योग सर्वेक्षण एवं अंतराष्ट्रीय व्यापार विभाग
भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण में सौभाग्यवती अधिभूतियों के अंतर्गत पंजीकृत एक स्वायत्तकारी संस्था
पोस्ट बॉक्स - 174, पिर मिल्स रोड, विमान मार्ग, सहरनपुर (यूपी.)

31.3.2019 के तुलना पत्र के भाग के रूप में अनुसूचिका
अनुसूची : 11 अन्य आय

(रुपये में)

क्र. सं.	विवरण	वित्त वर्ष 2018-19	वित्त वर्ष 2017-18
1.	अन्य आय		
1.	वॉल्यूम बिलिंग	146450.00	111005.00
2.	पट्टा बिलिंग	98000.00	175000.00
3.	अनुसूचिका शुल्क	309927.00	345265.00
4.	प्रदीर्घ आय	198668.53	100140.10
5.	अवकाशों की बिली से आय	8500.00	5200.00
	योग	761545.53	736610.10

यह अनुसूची तुलना पत्र का समाकलन भाग है

हमारे काम दिनांकित प्रमुख प्रविष्टिनुसार
भूत संजय मिश्रा एण्ड कम्पनी
सन्दी लेखाकता

(संलग्न प्रिंट)
एफ.सी.ए. - 001/एच.ए. (क) आई.एच.ए.

दिनांक : 26-09-2019

स्थान : सहरनपुर

भूत केंद्रीय सुप्री एवं कापड़ अनुसंधान संस्थान

विभागाध्यक्ष/अध्यक्ष
वित्त

अनूप सन्तोषा
प्रशासनिक अधिकारी

संयुक्त मित्रा एण्ड कम्पनी
भारती लेखाकार

116, न्यू जवाहर सिन्धिया हाउसिंगी
दिल्ली रोड, सहायपुर
फोन नं. (0131) 2760642

केंद्रीय सुधी एवं कामगु अनुसंधान संस्थान
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, उद्योग संवर्धन एवं जनशक्ति व्यापार विभाग
भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण में सहायक उद्योगों के अन्तर्गत पंजीकृत एक स्वायत्तशासी संस्था
पोस्ट बॉक्स : 174, रिपब्लिक रोड, सिम्ला रोड, सहायपुर (पु. पी.)

परिशिष्ट

महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियाँ तथा लेखा दिशानिर्देश

अवलोकन

केंद्रीय सुधी एवं कामगु अनुसंधान संस्थान भारत सरकार की अधिनियम दिनांक 7-08-1979 के द्वारा संसदद्वारा एक्ट में पंजीकृत एक स्वायत्तशासी संस्था है जो वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण में कार्य कर रहा है।

वित्तीय लेखा

वित्तीय विवरण पर ऐतिहासिक मूल धर्मपर के आधार पर देकर किने गर है तथा इनके बनने में प्रमुख लेखाकरण नीतियाँ भारत में स्वीकृत लेखाकरण नीतियों के अनुसार है। संस्थान लेखाकरण की प्रणति बिधि को अपनाता है।

(अ) महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियाँ

1. **राजस्व प्रणाली**
 - 1.1 परीक्षण शुल्क की सम्पति आधार पर दर्ज किया गया है।
 - 1.2 परीक्षण शुल्क की सम्पति आधार पर दर्ज किया गया है।
 - 1.3 सरकारी अनुदान प्रणाली शुल्क, संवर्धन शुल्क, प्रशिक्षण परीक्षण, सदस्यता शुल्क, प्रशिक्षण व पंजीकरण शुल्क को प्रविष्टि आधार पर दर्ज किया गया है।
2. **इंजीनरी का मुद्रांकन** : इन्वेन्टरी में स्टोर्स व स्पेयर का मूल्यांकन लागू पर किया गया है।
3. **स्वाधी परिसम्पत्तियाँ** : स्वाधी परिसम्पत्तियाँ कीमत की हिसाब प्रदर्शित किया गया है।
4. **हिसा** : इस आधार पर अधिनियम 1961 में परिभाषित करने के अनुसार 'डिजिटल हिसाब सिस्टम' सिधि पर दिया गया है।
5. **सरकारी अनुदान** : प्राप्त सरकारी अनुदान जो प्रयोग लय हेतु उपयोग किया गया, को प्रयोग सिधि में जोड़ा जा रहा है तथा जो राजस्व लय हेतु उपयोग किया गया उसे अलग लय खाते में आय के रूप में लिया गया है और उपयोग नहीं किने गा। अनुदान को अलग ले खाया गया है। यह, लेखा धारा (ए.एस-12) के पैरा 14 के सरकारी अनुदान में सम्बन्धित है, के अनुसार नहीं है। संस्थान को इस सम्बन्ध में सम्बन्धित संगठनों/अधिकारियों से सहायक प्रमाणित कार्यदर्शियों का पालन करने हेतु कहा गया है। संस्थान ने उत्तर में कहा कि अन्य संगठन/अधिकारण भी इस पैरा को अपना रहे है। इस बिन्दु पर सम्बन्धित अधिकारी द्वारा राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन संस्थान द्वारा अधीनस्थ प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान भी नहीं की गयी थी।
6. **विदेशी मुद्रा का सम्पदन** : विदेशी मुद्रा का सम्पदन इस विधिमय दर पर किया गया जो दर इसे भारतीय मुद्रा में सम्पदन की विधि, को थी।

(ब) लेखा के भाग के रूप में दिशानिर्देश

1. **संस्थान की वित्तीय विधि के सम्बन्ध में सूचना** : संस्थान सुधी एवं कामगु उद्योग में सम्बन्धित अनुसंधान व अन्य वैज्ञानिक कार्यों के



संरचना, प्रयोगशालाओं की स्थापना व अनुसंधान, प्रायोगिक संकेत, कालोचला तथा कालान व्योम पर पुस्तकों, लेख व संपादनकार्यों के सम्पादन सूचना, प्रकाशन व प्रदर्शन के कार्यों में कार्यरत है। इसकी अतिरिक्त संस्थान सरकारी संस्थाओं व अन्य संगठनों से प्राप्त इतरक परियोजनाओं व प्रायोजित परियोजनाओं पर भी कार्य करता है।

2. विमानिर्माण लागत :

2.1 मूल्य/लेखनित पर कार्यकारिणी की मूलभूत योग्य डेबिटरी रु. 2748844.00 की राशि तथा सूट्टी वसुलीकरण की राशि रु. 3336199.00 का प्रस्थान कार्यक्रम वर्ष के लिए सम्भूरित की भुवि वरती की मूलभूतक प्रमाण पत्र की अनुसार सम्भूति आधार पर स्वयं मैदान किया गया है।

3. मूल्य सम्पत्ति का व अधिकार : प्रमाणन का कारण है कि मूल्य सम्पत्तियों, कार्यों व अधिकारों की, व्यवस्थापन के साधन स्तर पर वसुली के समय पूर्ण वैध है।

4. यह कार्य के अधिकारों की, जहाँ आवश्यक सम्पन्न गया का पुनः कार्यकारण तथा पुनर्विचार कर दिया गया है।

5. 31-03-2019 को कुल लम्बित अधिकार की राशि रु. 11030083.94 (मूल्य की दिव पर अधिकार की राशि को छोड़ते हुए इतरकर्मों की भावित इतरादि।

6. कुल पत्र की अनुसूची -1 के अनुसार पूर्वोक्त निधि यह दर्शाती है कि प्रायोजित परियोजना के अनुसार रु. 16745025.20 की अनुदान की राशि पूर्वोक्त व्यय के रूप में खर्च की गयी। जबकि स्थायी वसुलीकरणों से सम्बन्धित अनुसूची -3, रुपये 8914071.48 का परिणाम दर्शाती है। रु. 7230953.72 के पूर्वोक्त व्यय के अधिकार के निम्न में प्रमाणन द्वारा यह बताया गया कि कार्यक्रम वर्ष में जारी पूर्वोक्त कार्यों, आपूर्तिकर्ताओं के किराये व लोन और क्रेडिट के सातकोन के कारण है।

7. प्रमाणन के बाद पुनर्परीक्षा की है कि

7.1 सभी प्राप्त आय, व्यवसाय देवताओं के प्रमाणन पर दिखे गये है।

7.2 कुल पत्र की निधि की कोई अवसरान्तर देवता नहीं है।

7.3 कुल पत्र व लेखा परीक्षा की निधि से कोई भवितपूर्व परत नहीं परित हुई है।

यह अनुसूची कुल पत्र का प्रमाणन योग्य है

इससे वरत ई-वैकल्प पत्रक प्रमाणनपुस्तक
कुल संकेत निम्न पत्रक संकेत
मनदी

(संकेत
पत्रक)



दिनांक : 26-09-2019

स्थान : जयपुर

निदेशक

निदेशक

कुल डेबिटरी एवं कालान अनुसंधान संस्था

अनुसंधान संस्था

प्रमाणन अधिकारी

कर्मचारीगण

नियुक्त अधिकारीगण

निदेशक	डॉ. बी.पी. शर्मा/प्रो. एम.एस.सी., एम.टेक., पीएच.डी. एवं मानता प्राप्त डॉ. लेखा परीक्षक
वैज्ञानिक सचिव	श्री एम.पी. शर्मा, एम.ए. (31.12.2018 को सेवानिवृत्त)
तकनीशियन	श्री अर.के. कपूर श्री सुन्दर लाल

वैज्ञानिक संरक्षण शाखा, नुनरीकरण व भिरंजन विभाग

वैज्ञानिक - जो न प्रमुख	श्रीमती रीता टंडन, एम.एस.सी., (23-04-2018 से)
वैज्ञानिक ई-1	डॉ. रजनीश टंडन, एम.एस.सी., पीएच.डी. (31.12.2018 को सेवानिवृत्त)
वैज्ञानिक ई-2	श्री प्रीति शिखरी लाल, एम.एस.सी., पीएच.डी.
वैज्ञानिक सी	डॉ. अजित कुमार शर्मा, एम.एस.सी., पीएच.डी., सुन्दी एवं कागज प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
तकनीशियन	श्री मुसम्मिल्लाह शेखन

भंडार संभरण एवं अग्रगण्य विनिर्माण विभाग

वैज्ञानिक - जो न प्रमुख	श्रीमती रीता टंडन, एम.एस.सी.,
वैज्ञानिक ई-1	श्री अजित कुमार शर्मा, एम.एस.सी., ऊर्जा प्रक्रियाओं की राष्ट्रीय प्रमाण पर परीक्षा उत्तीर्ण
वैज्ञानिक सी	श्री सत्यदेव नेगी, एम.एस.सी., सुन्दी एवं कागज प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
तकनीशियन	श्री शर्मा कुमार

कागज परीक्षण एवं ऊर्जा प्रबंधन और कंप्यूटर रसायन विभाग

वैज्ञानिक ई-2 व प्रमुख	डॉ. अर.के. रोड्रिगस, एम.एस.सी., डी. फिल.
वैज्ञानिक ई-1	डॉ. संजय लाल, बी.ई. (भवनिक अभियंता), एम.ई., (सुन्दी एवं कागज प्रौद्योगिकी), पीएच.डी. एवं मानता प्राप्त डॉ. लेखा परीक्षक
तकनीकी अधिकारी - सी	श्री एन.के. नायक, अभियंता डिप्लोमा (औद्योगिक इंटरमिडिएट)
सरिफ्ट वैज्ञानिक सहायक	मो. सारिफ, एम.एस.सी.

रसायन पुन:प्राप्ति विभाग

वैज्ञानिक ई-2 व प्रमुख	डॉ. ए.के. दीक्षित, एम.एस.सी., पीएच.डी.
सरिफ्ट वैज्ञानिक सहायक	श्री कुमार जयलाल, बी.टेक. (रसायन अभियंता)
तकनीशियन	श्री अवधर सिंह नेगी



पर्यावरण प्रबंधन विभाग

वैज्ञानिक एक न प्रमुख
वैज्ञानिक ई-2 एवं प्रमुख ई-2
वैज्ञानिक ई-2 एवं 34 प्रमुख ई-2

उपनिर्देश अधिकारी-सी

उपनिर्देश अधिकारी-सी

अनुभाग अधिकारी

उप-निर्देश

डॉ. एम.जी. गुण, एम.एस.सी., पीएच.डी.
डॉ. शिकार मिश्रा, एम.एस.सी., पीएच.डी.
डॉ. निविन एच.डी., एम.एस.सी., पीएच.डी.
औद्योगिक दृष्टिकोण प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
श्री राजपाल सिंह-सुपरी एवं कागज प्रौद्योगिकी में
सर्टिफिकेट फाइनल (31-10-2018 को सेवानिवृत्त)
श्री ज्ञान पाल सिंह, सुपरी एवं कागज प्रौद्योगिकी में सर्टिफिकेट फाइनल
(31-01-2019 को सेवानिवृत्त)
श्री चर्च-के. शर्मा, एम.ए., कार्मिक प्रबंधन में स्नातकोत्तर
डिप्लोमा एवं कार्यालय प्रबंधन फाइनल (आई.एस.टी.एम.एस.)
श्री मंगल सिंह (21-03-2019 को सेवानिवृत्त)

जैव प्रौद्योगिकी विभाग

वैज्ञानिक ई-2 व प्रमुख

अपनी अनुभाग की जलकटे, एम.एस.सी.,

उपनिर्देशी मेकॉ एवं प्रमुख प्रबंध (टी.एम.सी.सी.)

वैज्ञानिक ई-1

श्री आलोक कुमार गोपाल, एम.एस.सी., ऊर्जा प्रबंधन की राष्ट्रीय प्रमाण पत्र
परीक्षा उत्तीर्ण
श्री गोपाल सिंह

उप-निर्देश

पुनर्वसन एवं प्रत्येकन विभाग

वैज्ञानिक ई-2 व प्रमुख
पुनर्वसन अधिकारी-2

डॉ. आर.जी. गोविंद, एम.एस.सी., टी.मिल
श्रीमती सविता शर्मा, एम.ए., एम.एस.आई.एम.सी.

प्रशिक्षण प्रबंध

वैज्ञानिक ई-2 व प्रमुख

डॉ. निविन एच.डी., एम.एस.सी., पीएच.डी.

फैक्ट प्रबंध

वैज्ञानिक ई-2 व प्रमुख
सदस्य

डॉ. ए.के. दीक्षित, एम.एस.सी., पीएच.डी.
डॉ. अर्जुन कुमार शर्मा, एम.एस.सी., पीएच.डी., सुपरी एवं कागज प्रौद्योगिकी
में डिप्लोमा
श्री कुमार अनुपम, बी.टेक (संरचना अभियंत्रिकी)
श्री चर्च-के. शर्मा, एम.ए., कार्मिक प्रबंधन में स्नातकोत्तर
डिप्लोमा एवं कार्यालय प्रबंधन फाइनल (आई.टी.एम.एस.)

अभियन्त्रिकी एवं अनुसंधान विभाग

वैज्ञानिक एवं प्रमुख
वैज्ञानिक ई-2 से प्रमुख
तकनीकी अधिकारी ई-1
तकनीकी अधिकारी बी
तकनीकी अधिकारी ए

साधन साठक
तकनीकियां

डॉ. एम.बी. गुण, एम.एस.सी., पीएच.डी. (8-1-2019 तक)
डॉ. सिमरन मिश्र, एम.एस.सी., पीएच.डी. (8-1-2019 से)
श्री नृपनाथ सिंह, बिस्मिली-अभियन्त्रिकी में डिप्लोमा
श्री प्रकाश कुमार गोले, बी.टेक (इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग)
श्री आर.एल. गुप्त, बीएसएल असेडेंट सर्टीफिकेट कोर्स
(30-8-2018 को सेवानिवृत्त)
श्री श्रीधरराज राय
श्री बी.पी. कोरनाड
श्री सोहन सिंह

प्रशासनिक विभाग

प्रशासनिक अधिकारी
अनुभाग अधिकारी

तकनीकियां

श्री ए.के. सुखेमा, एम. कॉम.
श्री बी.के. नेगी, एम.ए. पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा,
एन.पी.सी. का पर्यवेक्षक प्रमाण-पत्र (30-9-2018 को सेवानिवृत्त)
श्री गणेश जलो
श्रीमती विनयलता बाबू (28-2-2019 को सेवानिवृत्त)

वित्त एवं सेवा विभाग

प्रणाली (वित्त एवं सेवा)
सेवाकार
सहायक

सेवाकार
तकनीकियां

श्री ए.के. सुखेमा, एम. कॉम.
श्री बी.पी. भाटिया, बी.कॉम (अनर्स)
श्री एम.बब्बा, बी.कॉम. (30-06-2018 को सेवानिवृत्त)
श्री बी.बी. शर्मा, एम.ए.
श्री जे.ए.कुमार, बी.कॉम. (30-03-2019 को सेवानिवृत्त)
श्री एन.सी. पादेल, एम.कॉम.
श्री प्रेम सिंह (31-12-2018 को सेवानिवृत्त)

पट्टाई एवं कर्म

अनुभाग अधिकारी एवं प्रणाली (पट्टाई एवं कर्म)

प्रशासनिक अधिकारी एवं प्रणाली (पट्टाई)
वैज्ञानिक ई-1 एवं प्रणाली (कर्म)

सेवाकार
सहायक
तकनीकियां

श्री बी.के. नेगी, एम.ए. पत्रकारिता में स्नातकोत्तर
डिप्लोमा, एन.पी.सी. का पर्यवेक्षक प्रमाण-पत्र (30-9-2018 को सेवानिवृत्त)
श्री ए.के. सुखेमा, एम. कॉम. (1-10-2018 से)
श्री अलोक कुमार गेल्ल, एम.एस.सी., ऊर्जा प्रकल्पों को
राष्ट्रीय प्रमाण पत्र परीक्षा उत्तीर्ण (27-9-2018 से)
श्री एल.डी. जोशी, बी.ए. (30-4-2018 को सेवानिवृत्त)
श्री जे.एस.बिप्ल, बी.ए.
श्री दुष्मन्त कुमार



सम्पदा और ज्ञान विभाग

सम्पदा अधिकारी

श्री पी.के. पैरी, एम.ए. पञ्चमूर्ति में स्नातकोत्तर डिप्लोमा,
एन.पी.सी. का पर्यवेक्षक प्रमुख-पर (30.9.2018 को सेवानिवृत्त)

सम्पदा अधिकारी

श्री ए.के. भर्माकर, एम. कॉम (1.10.2018 से)

तक-वेबसाइट

श्री गोपाल दात

औद्योगिक सहायोग व व्यवसाय विकास विभाग, मुंबई जिल्हा

वैधानिक-ई-2 व प्रभारी

टी. कवतजोड मिह, एम.एस.सी., पीएच.डी.

प्रकाशक
किशोरी लुण्ठी एवं प्रकाश अनुसंधान संस्थान
सागरपुर - 147001 (H.P.)

राजनीषी समीक्षा
डा. बी.पी. शर्मा/राजनीषी

संशोधन और संपादन
डा. निशिन एण्डले
श्री प्रत्यदीप नेगी
श्री युमल अनुष्म
श्रीमती सरिता शर्मा

चित्रों अनुवाद
डा. आर.डी. गेडियाल
श्री अश्लीषा कुमर गोवाल

प्रमाण समन्वय
डा. आर.डी. गेडियाल
श्रीमती सरिता शर्मा



अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें

केन्द्रीय लुग्दी एवं कागज अनुसंधान संस्थान

मुख्य कार्यालय

निदेशक

पो. बालक, चं. 774, फेम मिल रोड,

छिन्नम नगर, लखनऊ-226001 (उ.प्र.)

फोन : (0133) 2714089, 2714061, 2714062

फैक्स : (0133) 2714052

वेबसाइट : www.cpri.org.in

ईमेल : directorcpri@gmail.com

अध्यापक कार्यालय

कार्यालय इमारत

ए-55, राष्ट्रीय राज.

मुमताज़गढ़ टाउन,

फ्लैट-1, सिनायवा इम्पियल अँ सगले

दिल्ली-110009, भारत

सम्पर्क : 011-46023213, 91-9910909169

ईमेल : cpri@yahoo.com